Page 11

हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

दुमका, औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

Page 10

खेल — रोहित की वापसी होते ही... मुंबई की किस्मत पलटी 44 गेंद पर 84 रन बनाए, शर्माजी ...

कांग्रेस की पाठशाला और भाजपा की प्रयोगशाला: मामा हिमंत बने... — देश

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776 • दुमका • बुधवार • 06 मई 2026 • वर्ष 05 • अंक 74 • पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 2.00

तमिलनाडु: टीवीके विधायक दल के नेता चुने गए विजय

एजेंसी, चेन्नई । चेन्नई के पनैयूर स्थित टीवीके मुख्यालय में पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों की महत्वपूर्ण बैठक जारी है। इस बैठक में सरकार गठन को लेकर मंथन किया जा रहा है। बैठक के दौरान सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से विजय को तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके) के विधानसभा दल का नेता चुन लिया है। विधानसभा चुनाव में 108 सीटों पर जीत हासिल करने के बाद टीवीके सरकार बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। विधायक दल का नेता चुने जाने के साथ ही यह लगभग तय माना जा रहा है कि विजय ही मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। तमिलनाडु में 23 तारीख को एक ही चरण में मतदान हुआ था और मतगणना के बाद जैसे-जैसे नतीजे सामने आए, टीवीके लगातार बढ़त बनाती रही। अंततः पार्टी 108 सीटों पर जीत दर्ज कर राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। राज्य की 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत होती है, जबकि टीवीके फिलहाल इस आंकड़े से पीछे है। इसके बावजूद विजय जल्द ही राज्यपाल के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश कर सकते हैं।

भारत, जापान का स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग को मजबूत बनाने पर जोर

एजेंसी, नई दिल्ली । भारत और जापान के बीच स्वास्थ्य संबंधी संयुक्त समिति (जेसीएम) की तीसरी बैठक मंगलवार को भारत मंडपम में आयोजित की गई। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और जापान की स्वास्थ्य नीति प्रभारी मंत्री किमी ओनोदा ने संयुक्त रूप से बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर नड्डा ने कहा कि यह बैठक स्वास्थ्य के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने और नई साझेदारियों को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों की आपसी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। नड्डा ने इस दौरान भारत और जापान के बीच एक सदी से अधिक समय से चले आ रहे बहुआयामी संबंधों का उल्लेख किया जो विभिन्न क्षेत्रों में सहभागिता पर आधारित हैं और उन्होंने "सबका साथ, सबका विकास" के मार्गदर्शक सिद्धांत के अंतर्गत समावेशी विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता भी दोहराई। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि संयुक्त समिति की बैठक स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण मंच है। इस अवसर पर जापान की स्वास्थ्य नीति प्रभारी मंत्री किमी ओनोदाने ने बैठक को संबोधित करते हुए नवाचार, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने में जापान की निरंतर भागीदारी पर बल दिया।

केजरीवाल ने पंजाब के आआपा विधायकों के साथ की बैठक

एजेंसी, नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आआपा) के पंजाब विधायकों के साथ दिल्ली के कपूरथला हाउस में बैठक की। इस दौरान केजरीवाल ने आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव से जुड़ी रणनीति पर चर्चा की और कार्यकर्ताओं को पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि पंजाब के मुख्यमंत्री मंगलवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु से मिले। उनकी दिल्ली यात्रा के दौरान पार्टी के सभी विधायक भी दिल्ली में आए हैं। उनका कहना है कि राज्य विधायकों की ओर से चुने राज्यसभा सांसद आपस में मिलकर कैसे दूसरी पार्टी में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने राष्ट्रपति के समक्ष भी यही पक्ष रखा। दिल्ली में पार्टी विधायकों को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने विधायकों से कहा कि पंजाब में आआपा सरकार को बने लगभग चार साल हो चुके हैं और चुनाव में अब करीब 10 महीने शेष हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य में एंटी-इनकंबेंसी नहीं, बल्कि प्रो-इनकंबेंसी माहौल है। बहुत कम सरकारें ऐसी होती हैं जिनकी कार्यकाल के अंत में जनता खुलकर तारीफ करती है, लेकिन पंजाब में लोग सरकार के काम से संतुष्ट हैं।

यूएई पर हमला: मोदी बोले- नागरिकों और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमले अस्वीकार्य

■ ईरान के हमले में तीन भारतीय हुए घायल, तनाव बढ़ा

एजेंसी, नई दिल्ली

संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह स्थित ऑयल पोर्ट पर हुए हमले को लेकर भारत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। ईरान पर लगाए गए इस हमले के आरोप के बीच भारत सरकार ने कहा कि इस घटना में तीन भारतीय नागरिकों का घायल होना गंभीर चिंता का विषय है और इसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट करते हुए इस हमले पर प्रतिक्रिया दी और स्पष्ट कहा, 'यूएई पर हुए हमलों की मैं कड़ी निंदा करता हूं, जिसमें 03 भारतीय नागरिक घायल हो गए हैं। इस तरह से आम लोगों और इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाना मंजूर नहीं है। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने और स्थिति को और बिगड़ने से रोकने की अपील की।

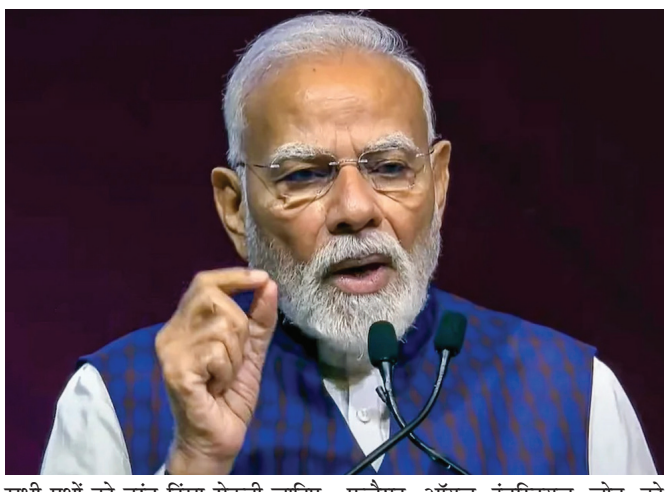

इससे पहले भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को देखते हुए सभी पक्षों को तुरंत हिंसा रोकनी चाहिए और कूटनीति के माध्यम से समाधान तलाशना चाहिए। भारत ने विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य में निर्बाध समुद्री आवाजाही सुनिश्चित करने पर जोर दिया, जिसे वैश्विक व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

जानकारी के अनुसार, यह हमला फुजैराह ऑयल इंडस्ट्रियल जोन को निशाना बनाकर किया गया, जिसमें बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ ड्रोन का इस्तेमाल हुआ। अमीराती अधिकारियों का दावा है कि उनकी हवाई रक्षा प्रणाली ने अधिकांश मिसाइलों को बीच में ही नष्ट कर दिया, लेकिन उनका मलबा गिरने के कारण कुछ स्थानों पर नुकसान हुआ। वहीं अबू धाबी स्थित भारतीय दूतावास ने पुष्टि की है, कि इस हमले में तीन भारतीय घायल हुए हैं और उनके इलाज के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर काम किया जा रहा है। दूतावास ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए इस घटना को "पूरी तरह अस्वीकार्य" बताया और नागरिकों को निशाना बनाने की निंदा की।

वहीं, संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रालय ने भी इस हमले को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बताया है। मंत्रालय ने इसे "विश्वासघाती कार्रवाई" करार देते हुए कहा कि देश अपनी सुरक्षा के लिए जवाबी कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इस बीच, ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास अपने नौसैनिक परिचालन क्षेत्र का विस्तार किया है, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। यह घटनाक्रम खाड़ी क्षेत्र में पहले से मौजूद भू-राजनीतिक तनाव को और गहरा कर सकता है।

पुलिस हिरासत में जेकेएलएम उम्मीदवार की पिटाई का मामला: झारखंड हाई कोर्ट ने एसपी-स्वास्थ्य विभाग से जवाब मांगा

रांची। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के पूर्व प्रत्याशी तरुण महतो की पुलिस हिरासत में पिटाई के मामले में झारखंड उच्च न्यायालय ने सख्त रुख अपनाया है। इस प्रकरण में स्वतः संज्ञान लेकर दर्ज जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है। झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एम.एस. सोनक की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने सरायकेला के पुलिस अधीक्षक (एसपी) को निर्देश दिया है कि वे अपने जिले के सभी पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की स्थिति और इस दिशा में की गई कार्रवाई का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करें। इसके साथ ही अदालत ने स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव से यह भी पूछा है कि जिस मेडिकल अधिकारी ने तरुण महतो को अदालत में पेश किए जाने के समय 'फिट फॉर कस्टडी' का प्रमाणपत्र जारी किया था, उनके खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई की गई है। अदालत ने दोनों अधिकारियों को 18 जून तक अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इससे पहले राज्य सरकार की ओर से अदालत में प्रस्तुत जवाब में बताया गया कि पीड़ित तरुण महतो को अंतरिम राहत के तौर पर 1.50 लाख रुपये का मुआवजा दिया जा चुका है। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता रितेश कुमार महतो ने पक्ष रखा। उल्लेखनीय है कि तरुण महतो वर्ष 2024 के चुनाव में जेएलकेएम के ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी रह चुके हैं। 19 नवंबर 2025 की रात ईचागढ़ पुलिस उन्हें हिरासत में लेकर थाने गई थी, जहां कथित तौर पर उनकी बेरहमी से पिटाई की गई। आरोप है कि पुलिस ने उनके साथ थर्ड डिग्री टॉर्चर किया। इस घटना के विरोध में तरुण महतो की पत्नी ने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर न्याय की मांग की थी। इसी पत्र के आधार पर अदालत ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले की सुनवाई शुरू की। पहले की सुनवाई में अदालत ने सरायकेला के पुलिस अधीक्षक को दस्तावेजों के साथ पेश होने का निर्देश भी दिया था।

पश्चिम बंगाल में नई सरकार का शपथ ग्रहण नौ मई को

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक जीत के बाद नई सरकार के गठन की तैयारियां तेज हो गई हैं और शपथ ग्रहण समारोह की तारीख तय हो गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने जानकारी दी है कि राज्य के नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण आगामी नौ मई को किया जायेगा। हालांकि मुख्यमंत्री के नाम की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। मंगलवार सुबह मीडिया से बातचीत में प्रदेश अध्यक्ष भट्टाचार्य ने बताया कि नौ मई का दिन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि उस दिन कविगुरु रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती भी है। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत बेहद समृद्ध रही है। राजाराम मोहन राय, सुभाष चंद्र बोस, स्वामी विवेकानंद और रवीन्द्रनाथ जैसी महान हस्तियों की यह भूमि है। राज्य की इसी गरिमा और पहचान को फिर से स्थापित करने की दिशा में नई सरकार काम करेगी।

सूत्रों के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह कोलकाता में आयोजित होगा, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहेंगे। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड ने पश्चिम बंगाल में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह को केन्द्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को केन्द्रीय सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

झारखंड में बढ़ेगा मुखिया का मानदेय, विभाग कर रहा मंथन : दीपिका

पलामू। झारखंड में मुखिया प्रतिनिधियों का मानदेय बढ़ाने की दिशा में सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। पंचायती राज विभाग इस संबंध में देश के विभिन्न राज्यों की व्यवस्था का अध्ययन कर रहा है, ताकि जनप्रतिनिधियों को सम्मानजनक मानदेय दिया जा सके। यह बातें ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने मंगलवार को पलामू प्रमंडल स्तरीय मुखिया सम्मेलन में कही।मेदिनीनगर के गांधी स्मृति टाउन हॉल में आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर

तथा मनिका विधायक रामचंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से किया। सम्मेलन में पलामू, गढ़वा और लातेहार जिलों के मुखिया प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान बेहतर कार्य करने वाले मुखियाओं को मंच से सम्मानित भी किया गया।मौके पर दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि पंचायत जनप्रतिनिधि लोकतंत्र की पहली कड़ी हैं और गांव, पंचायत, प्रखंड से ही राज्य की पहचान बनती है। उन्होंने कहा कि सरकार पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और प्रत्येक माह सुदृढ़ीकरण के लिए दी जा रही राशि से पंचायत भवनों की स्थिति में सुधार आया है।उन्होंने निर्देश दिया कि पंचायतों को प्राप्त राशि का उपयोग पेयजल, स्वच्छता और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप योजनाओं में किया जाए। साथ ही अधिकारियों को कार्यों की सख्त मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा।मौके पर वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता अभावग्रस्त क्षेत्रों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पंचायती राज निदेशक राजेश्वरी बी, पलामू उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे।

तमिलनाडु के राज्यपाल ने स्वीकार किया मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन का इस्तीफा

एजेंसी, चेन्नई । तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने मंगलवार को मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और उनसे नई सरकार के गठन तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में पद पर बने रहने का अनुरोध किया है। विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) की हार के बाद स्टालिन ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसे राज्यपाल ने मंगलवार को मंजूरी दे दी। दरअसल, राज्य में 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों की मतगणना 4 मई को पूरी हुई। इस चुनाव में पहली बार मैदान में उतरी अभिनेता से रजनेता बने विजय की तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके) ने 108 सीटों पर जीत दर्ज कर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरकर राजनीतिक समीकरण बदल दिए हैं।

बंगाल में भाजपा की जीत का प्रतीक बन चुकी है झालमुड़ी: खंडेलवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने मंगलवार को यहां आयोजित "झालमुड़ी कार्यक्रम" के माध्यम से पश्चिम बंगाल में पार्टी की ऐतिहासिक विजय का उत्सव मनाया। इस अवसर पर खंडेलवाल ने कहा कि झालमुड़ी अब केवल एक खाद्य पदार्थ नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की विजय का प्रतीक बन चुकी है।

खंडेलवाल ने कहा कि जिस झालमुड़ी का ममता बनर्जी ने उपहास उड़ाया, उसी झालमुड़ी ने उन्हें सत्ता से उखाड़ फेंककर इतिहास रच दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्थानीय उत्पादों के समर्थन की नीति सर्वविदित है। जब

प्रधानमंत्री ने बंगाल के एक साधारण दुकान पर झालमुड़ी खाई, तब ममता बनर्जी सहित विपक्षी दलों ने उसका मज़ाक उड़ाया और उसकी नकल उतारी। उन्होंने कहा कि झालमुड़ी पश्चिम बंगाल के हर वर्ग—गरीब से अमीर तक—के दिल से जुड़ी हुई है। ऐसे में उसका अपमान करना, दरअसल बंगाल की जनता की भावनाओं का अपमान था, जिसका जवाब जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से दे दिया। खंडेलवाल ने कहा कि यह जनादेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है और यह विपक्ष की नकारात्मक, भ्रामक और विभाजनकारी राजनीति को पूरी तरह नकारने का स्पष्ट संदेश है। उन्होंने ममता बनर्जी और अन्य विपक्षी दलों द्वारा मचाए जा रहे शोर-शराबे पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि यह उनका राजनीतिक हताशा और अपनी हार की जिम्मेदारी से बचने का एक असफल प्रयास है। सांसद खंडेलवाल ने कहा कि बंगाल की यह जीत केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि जनभावनाओं के सम्मान और "लोकल के लिए वोकल" के संकल्प की विजय है।

स्वदेशी हथियारों की ताकत से बढ़ी भारत की सैन्य शक्ति, 'ऑपरेशन सिंदूर' बना उदाहरण : संजय सेठ

एजेंसी, प्रयागराज

भारत की सैन्य ताकत आज हमारे रक्षा उद्योगों की फैक्ट्रियों में तैयार होती है। स्वदेशी हथियारों की ताकत से भारत की सैन्य शक्ति बढ़ी है। आत्मनिर्भर भारत का सबसे सफल उदाहरण 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता में दिखाई दिया। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का श्रेय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस और स्वदेशी अत्याधुनिक हथियारों व प्रणालियों की देन है। यह बात मंगलवार को प्रयागराज में आयोजित तीन दिवसीय 'नॉर्थ टेक संगोष्ठी 2026' के दूसरे दिन रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कही। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, जबकि नवप्रवर्तनशील स्टार्टअप्स देश के प्रतिनिधि के रूप में उभर रहे हैं। स्टार्टअप्स और सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम भविष्य की विकास यात्रा के प्रमुख प्रेरक हैं और वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने में अहम भूमिका निभाएंगे। ये हमारे समय के 'विश्वकर्मा' हैं। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना से जुड़ा हुआ है। रक्षा राज्य मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सेनाओं द्वारा आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने की सराहना की। उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' उपकरणों का प्रभावी उपयोग देश की आत्मनिर्भरता के संकल्प को दर्शाता है,जिसमें सरकार,रक्षा सार्वजनिक उपक्रम,निजी क्षेत्र, नवप्रवर्तनशील स्टार्टअप्स और सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम सभी की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड स्तर पर रक्षा उत्पादन और रक्षा निर्यात 'नए भारत' के उभरते स्वरूप को दर्शाते हैं, जो अपनी सुरक्षा के लिए आत्मनिर्भर बनने पर विश्वास रखता है। 'यह नया भारत न तो किसी पर बुरी नजर डालता है और न ही अपनी संप्रभुता पर खतरे को नजरअंदाज करता है'। तकनीक के तेजी से बदलते स्वरूप पर जोर देते हुए उन्होंने उद्योग जगत से अपील की कि वे नवाचार को लगातार जारी रखें और बदलती वैश्विक परिस्थितियों में तकनीकी रूप से आगे बने रहें।

सम्राट चौधरी मंत्रिमंडल का 7 मई को होगा विस्तार

एजेंसी, पटना

गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह

बिहार की राजनीति में इन दिनों हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य मंत्रिमंडल के विस्तार की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। इस बहुप्रतीक्षित विस्तार को लेकर आधिकारिक घोषणा भी कर दी गई है। बिहार प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष संजय सरावगी ने मंगलवार को जानकारी दी कि 7 मई को मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा, जिसमें कई बड़े राष्ट्रीय नेता शामिल होंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के मुताबिक, समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति तय मानी जा रही है। इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, केंद्रीय मंत्री जितन राम मांझी और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार समेत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कई दिग्गज नेताओं के शामिल होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के शीर्ष नेतृत्व द्वारा नए मंत्रियों के नाम लगभग तय कर लिए गए हैं। शपथ ग्रहण को लेकर गांधी मैदान में तैयारियां जोरों पर हैं। वहां एक भव्य मंच का निर्माण किया जा रहा है, साथ ही विशिष्ट अतिथियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के लिए बैठने की व्यापक व्यवस्था की जा रही है। प्रशासनिक स्तर पर भी तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन को लेकर विस्तृत योजना बनाई जा रही है, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। उल्लेखनीय है कि 15 अप्रैल को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दो उपमुख्यमंत्रियों के साथ शपथ ली थी। तभी से मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर राजनीतिक गलियारों में अटकलें लगाई जा रही थीं, जो अब 7 मई को खत्म होने जा रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

हजारीबाग से छठा आरोपी गिरफ्तार, डेढ़ करोड़ रुपये का फिक्स्ड डिपॉजिट फ्रीज

हजारीबाग, एजेंसी। ट्रेजरी घोटाले में सीआईडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हजारीबाग से छठे अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम सौरभ कुमार सिंह है। जो मूल रूप से रोहतास बिहार का रहने वाला है। वर्तमान में जानकी प्रजापति, हीराबाग चौक, कोरा, हजारीबाग में रहे थे। यह जानकारी अपराध अनुसंधान विभाग द्वारा प्रेस रिलीज जारी कर दी गई है। वर्तमान में हजारीबाग के हीराबाग चौक कोरा में रह रहा था। सीआईडी ने जांच के क्रम में पाया कि इसके अकाउंट में डेढ़ करोड़ रुपये फिक्स डिपॉजिट के रुप में जमा है। इसके अलावा करीब 18 लाख 86 हजार रुपये फ्रीज किए गए हैं। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के पास से एक मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन, बैंक पासबुक, आधार कार्ड और पैन कार्ड जब्त किया गया है।

पलामू के पांकी में सड़क हादसे में तीन की मौत, एक गंभीर

पलामू, एजेंसी। जिला के पांकी थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क हादसे हुए। इन हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई है जबकि एक की हालत गंभीर है। गंभीर रूप से जख्मी को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने तीनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले में आगे की छानबीन शुरू कर दी है। पहली घटना पांकी थाना क्षेत्र के तेतराई में हुई, जहां पिकअप और बाइक के बीच भीषण टक्कर हुई। इस टक्कर में बाइक सवारी युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में युवक के सिर पर गंभीर रूप से चोट लगी जिस कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी घटना पांकी थाना क्षेत्र के बांदुबार के इलाके में हुई, जहां बाइक सवार तीन युवक दुर्घटना का शिकार हुए हैं। इस दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई है जबकि तीसरा गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मृतक की पहचान कृत कुमार और लकी कुमार के रूप में हुई है। दोनों पांकी के इलाके के रहने वाले हैं। पांकी थाना प्रभारी राजेश रंजन ने दुर्घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि अलग अलग हादसों में तीन की मौत हुई है। तीनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है। पहली घटना बाइक और पिकअप के बीच के टक्कर में हुई थी जबकि दूसरी घटना बाइक और नियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार हुई है।

मुनीडीह वाशरी हादसा: मजदूरों के आश्रितों को 20-20 लाख का मुआवजा और मिलेगी नौकरी

धनबाद, एजेंसी। बीसीसीएल के मुनीडीह स्थित भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की वाशरी में शनिवार को हुए हादसे में चार मजदूरों की जान चली गई थी। स्लरी (कोयले का गीला कचरा) लोडिंग के दौरान यह हादसा हुआ था। हादसे के बाद आक्रोशित परिजन और यूनियन नेता शव को वाशरी गेट पर रखकर मुआवजे और नौकरी की मांग पर अड़े रहे। देर रात से लेकर सुबह करीब 4 बजे तक चली मैराथन वार्ता के बाद बीसीसीएल प्रबंधन और यूनियन के बीच सहमति बन गई। समझौते के तहत सभी मृतकों के आश्रितों को कुल 20-20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसमें 10 लाख रुपये 10 दिनों के भीतर और बाकी के 10 लाख रुपये 20 दिनों के अंदर देने का आश्वासन दिया गया है। साथ ही अंतिम संस्कार के लिए 75 हजार रुपये अलग से दिए जाएंगे। परिजनों को राहत देने के लिए एक और अहम फैसला लिया गया है, हर प्रभावित परिवार के एक सदस्य को मुनीडीह वाशरी की आउटसोर्सिंग में नौकरी दी जाएगी। फिलहाल इस समझौते से पीड़ित परिवारों को कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन अब नजर इस बात पर रहेगी कि बीसीसीएल प्रबंधन अपने वादों को कितनी तेजी से जमीन पर उतारता है। वहीं मामले को लेकर मुनीडीह ओपी प्रभारी मनिता कुमारी ने कहा कि बीसीसीएल प्रबंधन के साथ यूनियन नेताओं और ग्रामीणों की सकारात्मक वार्ता हुई है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल और आडवाणी का सपना हुआ पूरा- रघुवर दास

जमशेदपुर, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत पर जमशेदपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर खुशियां मनाई। इस दौरान राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सह पार्टी नेता रघुवर दास के आवास के बाहर लोगों के बीच मुफ्त झाल मुढ़ी बांटी गई। पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत पर रघुवर दास ने कहा कि बंगाल की जीत देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल बिहारी वाजपेई और लालकृष्ण आडवाणी के सपनों को पूरा किया है। बांग्ला भाषा में उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता खेला कोरे दिएचे यानी बंगाल की जनता ने खेला कर दिया। सोमवार को पांच राज्यों में मतगणना पर सभी राजनैतिक दलों की नजर टिकी हुई रहीं। इधर भाजपा खेमे में पश्चिम बंगाल के परिणाम को लेकर काफी उत्साह देखा गया। इधर पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत मिलने के बाद पूरे जमशेदपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया।

मौसम का कहर : रांची समेत कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी

रांची, एजेंसी। झारखंड में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। मौसम विभाग ने मंगलवार को रांची के साथ पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसांवा, खूंटी, रामगढ़, धनबाद और बोकारो जिलों में तेज आंधी, ओलावृष्टि, वज्रपात और भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इन क्षेत्रों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना जताई गई है। स्थिति को देखते हुए इन जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, अन्य जिलों में भी बादल छाए रहने, मेघ गर्जन और करीब 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। इन इलाकों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

सोमवार को राज्य के कई हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। मेदिनीनगर में छिटपुट बारिश हुई, जबकि लातेहार में सबसे अधिक 70.5 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा पिछले 24 घंटों में तेनुघाट (बोकारो) में 22.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। तापमान की बात करें तो सोमवार को राज्य में सबसे अधिक तापमान मेदिनीनगर में 39.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि रांची का अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

राजधानी रांची में सोमवार देर शाम तेज आंधी, बिजली कड़कने और बारिश के कारण बिजली आपूर्ति पूरी तरह प्रभावित हो गई। हटिया ग्रिड से जुड़े बेड़ो, ब्राम्बे, धुर्वा और ओरमांझी के 33 हजार केवी सब-स्टेशन ट्रिप कर गए, जिससे कई इलाकों में रात आठ बजे तक बिजली गुल रही।

नामकुम ग्रिड से जुड़े कोकर रूरल और अर्बन सब-स्टेशन के सभी फीडर बाधित रहे। एचटीआई, लालपुर, इंडस्ट्रियल एरिया, कोकर, रानीचगान और चुनाभट्ठा जैसे इलाकों में रात दो बजे तक बिजली आपूर्ति ठप रही। वहीं क्लब रोड, चुटिया, एचईसी और मेसरा के कुछ क्षेत्रों में हाई वोल्टेज की समस्या भी देखी गई।

तेज हवाओं के कारण कई जगहों पर तार पेड़ों और डालियों से टकरा गए, जिससे फॉल्ट की समस्या बढ़ गई। बिजली कर्मचारियों को शाम से ही मरम्मत कार्य में जुटना पड़ा। बिजली वितरण निगम के अनुसार, खराब मौसम के कारण कई उपकरणों को नुकसान पहुंचा है। फिलहाल कुछ इलाकों में बिजली आंशिक रूप से बहाल कर दी गई है, लेकिन पूरी तरह सामान्य होने में अभी समय लग सकता है।

भाजपा की जीत पर कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव का तंज, कहा - लोकतंत्र की हत्या कर मिली है सफलता

दुमका, एजेंसी। झारखंड कांग्रेस के विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने साफ तौर पर भाजपा को उसकी सफलता पर बधाई देने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि यह जीत भाजपा ने लोकतंत्र की हत्या कर पाई है। ऐसे में उन्हें बधाई देने का सवाल ही नहीं उठता। अगर मैं उन्हें बधाई देता हूं तो इसका अर्थ यह होगा कि मैं उनके साथ कदमताल कर रहा हूं। अगर सही ढंग से जीतते तो मैं उन्हें बधाई देता और मिठाई भी खिलाता।

कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी यह टारगेट करती है कि किस राज्य को जितना है और उसके बाद छल-प्रपंच जैसे हथकंडे अपनाते हुए चुनाव लड़ती है। उन्होंने कहा कि इस बार के चुनाव में बीजेपी ने एसआईआर को अपना हथियार बनाया।

इसके साथ ही चुनाव आयोग ने भाजपा के एजेंट के तौर पर काम किया, लेकिन राहुल गांधी के नेतृत्व में धर्मनिरपेक्ष ताकतें एकजुट होंगी और आने वाले समय में भाजपा का सफाया होगा। उन्होंने कहा कि सत्य का सूरज थोड़ी देर बादलों में छुप गया है लेकिन सवेरा होकर रहेगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इन विधानसभा चुनाव के परिणाम का कोई भी असर झारखंड में नहीं पड़ेगा।

इधर, भाजपा नेता और रघुवर सरकार में मंत्री रह चुके रणधीर सिंह ने पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रचंड जीत को वहां की जनता का जीत बताया है। उन्होंने कहा कि अब डबल इंजन की सरकार के द्वारा पश्चिम बंगाल का तीव्र विकास होगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बलों और चुनाव आयोग ने जो भयमुक्त वातावरण तैयार किया। जिससे लोगों ने बढ़ चढ़कर मतदान किया, जिसका परिणाम सामने है। उन्होंने कहा कि असम और पुडुचेरी में भी भाजपा की शानदार जीत हुई है। रणधीर सिंह ने कहा कि पहले ओडिशा फिर पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी की जीत एक झांकी है और अब झारखंड बाकी है।

उपायुक्त ऋतुराज ने गूगल मीट के जरिए से बिजली-पानी व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक की

रामगढ़ , एजेंसी। रामगढ़ जिले में मंगलवार को उपायुक्त ऋतुराज ने गूगल मीट के माध्यम से बिजली और पेयजल आपूर्ति को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस दौरान जिले में बिजली की उपलब्धता और जलापूर्ति से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

पेयजल आपूर्ति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले में पानी की किल्लत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने खराब पड़े चापाकलों की मरम्मत में तेजी लाने और पाइपलाइन के लीकेज को तुरंत ठीक करने को कहा। साथ ही जरूरत पड़ने पर टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त ने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि गर्मी के मौसम को देखते हुए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। खराब ट्रांसफार्मरों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द बदलने को कहा गया।

उपायुक्त ने कंट्रोल रूम के माध्यम से मिलने वाली शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं में लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाएगी।

समीक्षा के दौरान सभी जूनियर इंजीनियर और सहायक इंजीनियर को अपने-अपने क्षेत्रों की नियमित मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया गया।

गढ़वा में बिना डॉक्टर हो रहे थे ऑपरेशन,

पैसों के लालच में मरीजों की जान से खिलवाड़

गढ़वा, एजेंसी। झारखंड के गढ़वा जिले के चिनिया रोड स्थित आशा किरण अस्पताल में जो चल रहा था, वह इलाज नहीं बल्कि मरीजों की जिंदगी के साथ सरेआम खिलवाड़ है। सदर एसडीएम संजय कुमार की छापेमारी में एक ऐसी डरावनी हकीकत सामने आई, जिसने स्वास्थ्य व्यवस्था पर एक बार फिर से सवालिया निशान लगा दिया हैं। अस्पताल में ऑपरेशन थियेटर चालू था, मरीज भर्ती थे, लेकिन उन्हें भगवान भरोसे छोड़कर पूरा डॉक्टर स्टाफ मौजूद नहीं थे।

एसडीएम की जांच में खुलासा हुआ कि अस्पताल केवल कागजों पर चल रहा है। जिस डॉक्टर के नाम पर अस्पताल का रजिस्ट्रेशन है, वे श्री वंशीधर नगर उंटारी ट्रॉमा सेंटर में सरकारी सेवा दे रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि बिना किसी विशेषज्ञ चिकित्सक के ही अस्पताल में सर्जरी की जा रही थी। कुछ रुपए के लालच में मरीजों को ऐसी स्थिति में रखा गया था जहां उनकी जान को खतरा हो सकता था।

एसडीएम को जांच के दौरान अस्पताल में भारी अनियमितताएं मिलीं, जो इस प्रकार हैं लेटर पैड पर 'बी। कुमार' और 'एम। सिंह' जैसे संदिग्ध नाम लिखे थे, जिनकी डिग्रियों का कोई अता-पता नहीं है। फरवरी के बाद से अस्पताल ने कोई रिकॉर्ड ही नहीं रखा कि कितने मरीज आए और उनका क्या हुआ। अस्पताल के भीतर चल रही दवा दुकान के पास भी कोई वैध लाइसेंस नहीं था।

अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर पूरी तरह अव्यवस्थित था और वहां कोई जिम्मेदार व्यक्ति मौजूद नहीं था। सर्जरी करा चुके मरीज वहां भर्ती थे, लेकिन उनकी देखभाल के लिए कोई योग्य चिकित्सक मौजूद नहीं था। एसडीएम ने कहा कि यह सिर्फ नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि आपराधिक लापरवाही है। मरीजों की सुरक्षा के साथ ऐसा खिलवाड़ कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट के तहत इस अस्पताल पर कठोरतम कार्रवाई के लिए सिविल सर्जन को निर्देशित किया गया है। एसडीएम की इस कार्रवाई के बाद गढ़वा के उन निजी अस्पतालों में खलबली मच गई है जो नियमों को तोड़कर क्लिनिक चला रहे हैं। प्रशासन के इस खुलासे के बाद अब शहर के लोग भी निजी अस्पतालों की कार्यशैली को लेकर आक्रोशित हैं।

अंडर- 23 एशियाई कुश्ती: झारखंड के अमित गोप के चयन से खुशी की लहर

रांची, एजेंसी। झारखंड के लिए एक और गर्व का क्षण सामने आया है। राज्य के उभरते हुए पहलवान अमित गोप का चयन अंडर-23 सीनियर एशियाई कुश्ती प्रतियोगिता-2026 के लिए भारतीय टीम में हुआ है।

यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता इस वर्ष वियतनाम में आयोजित होने जा रही है, जहां एशिया के कई देशों के बेहतरीन पहलवान अपनी ताकत और तकनीक का प्रदर्शन करेंगे। अमित गोप 77 किलोग्राम ग्रीको रोमन वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

अमित गोप की इस उपलब्धि से पूरे झारखंड में खुशी की लहर है। यह चयन न केवल उनकी व्यक्तिगत मेहनत और लगन का परिणाम है, बल्कि राज्य में कुश्ती के बढ़ते स्तर और खिलाड़ियों की निरंतर प्रगति का भी प्रमाण है। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य के प्रति समर्पण और अनुशासन के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। झारखंड राज्य कुश्ती संघ और खेल प्रेमियों ने अमित गोप को इस बड़ी उपलब्धि पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

संघ के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया है कि अमित वियतनाम की मैट पर शानदार प्रदर्शन करेंगे और अपने खेल से देश-प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि अमित जैसे खिलाड़ी युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं, जो यह दिखाते हैं कि कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

अमित गोप ने भी अपने चयन पर खुशी जताते हुए कहा कि यह उनके लिए गर्व की बात है कि उन्हें देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। उन्होंने अपने कोच, परिवार और संघ का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग और मार्गदर्शन से वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं। अब उनका लक्ष्य प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर पदक जीतना और भारत का तिरंगा लहराना है।

इस उपलब्धि ने झारखंड के खेल जगत को नई ऊर्जा दी है। उम्मीद की जा रही है कि अमित गोप वियतनाम में होने वाली इस प्रतियोगिता में अपने दमदार प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित करेंगे और आने वाले खिलाड़ियों के लिए एक नई मिसाल कायम करेंगे।

धनबाद के गोल्फ ग्राउंड में आयोजनों से खिलाड़ियों की बढ़ी परेशानी, क्रिकेटर्स ने उठाए सवाल

धनबाद, एजेंसी। शहर के बीचो-बीच स्थित गोल्फ ग्राउंड यानी रणधीर वर्मा स्टेडियम, जो क्रिकेट खिलाड़ियों की प्रैक्टिस के लिए एकमात्र प्रमुख स्थान है, अब लगातार आयोजनों की वजह से चर्चा में है। यहां पुस्तक मेला के बाद अब डिज्नी लैंड मेले की तैयारी चल रही है। जिससे खिलाड़ियों को अभ्यास में भारी परेशानी हो रही है।

धनबाद के क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए रणधीर वर्मा स्टेडियम वर्षों से अभ्यास का मुख्य केंद्र रहा है। लेकिन हाल के दिनों में इस मैदान में लगातार विभिन्न आयोजन किए जा रहे हैं। जिससे खिलाड़ियों की नियमित प्रैक्टिस बाधित हो रही है। खिलाड़ियों का कहना है कि अंडर-15 और अंडर-16 के खिलाड़ी यहां लंबे समय से अभ्यास करते आ रहे हैं। लेकिन हर बार मेले या अन्य कार्यक्रम के कारण उन्हें मैदान से दूर होना पड़ता है। हाल ही में पुस्तक मेला समाप्त हुआ है और अब डिज्नी लैंड मेले की तैयारी शुरू हो गई है।

आयोजनों को लेकर क्रिकेट कोच का कहना है कि जैसे पढ़ाई में बाधा आने से छात्रों पर असर पड़ता है, वैसे ही खिलाड़ियों की प्रैक्टिस रुकने से उनके प्रदर्शन पर सीधा असर पड़ता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे आयोजनों के लिए वैकल्पिक स्थान तय किया जाए, ताकि खिलाड़ियों को परेशानी न हो। कोच का कहना है कि लगातार प्रैक्टिस जरूरी है, लेकिन आयोजनों के कारण मैदान नहीं मिल पाता है, जिससे प्रदर्शन प्रभावित होता है।

वहीं इस मामले पर उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि खिलाड़ियों की सुविधा को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए तीन से चार वैकल्पिक मैदानों का चयन किया जा रहा है, जहां भविष्य में मेले और अन्य आयोजन कराए जाएंगे। डीसी ने कहा कि अगले 15 दिनों में वैकल्पिक व्यवस्था पूरी कर ली जाएगी। जिससे खिलाड़ियों को किसी तरह की परेशानी न हो। अब देखना होगा कि प्रशासन कितनी जल्दी वैकल्पिक व्यवस्था लागू करता है, ताकि खिलाड़ियों की प्रैक्टिस प्रभावित न हो और उनका प्रदर्शन बेहतर बना रहे।

बारिश ने खोली लापरवाही की पोल, ओवरब्रिज बना तालाब, अंधेरे और पानी भरने से लोग परेशान

नोवामुंडी, एजेंसी। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी में देर रात हुई बारिश ने मौसम को सुहाना बना दिया है। लोगो को गर्मी से राहत मिल गई है। वहीं, दूसरी ओर शहर की व्यवस्थाओं की पोल खोल कर रख दी। हल्की बारिश के बाद ही जगह-जगह जलजमाव की स्थिति बन गई, लेकिन सबसे ज्यादा परेशानी ओवरब्रिज पर देखने को मिली, जहां पानी जमा होने से राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

ओवरब्रिज पर पानी निकालने के लिए बनाए गए सभी होल पूरी तरह जाम पड़े हैं। यही कारण है कि मामूली बारिश में भी पुल के ऊपर पानी भर जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय रहते निकासी की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई, तो लगातार पानी का भर जाने से ओवरब्रिज की बनावट को भी नुकसान पहुंच सकता है।

स्थिति को और गंभीर बनाती है ब्रिज पर खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटें। पिछले कई महीनों से 17 से अधिक लाइटें बंद पड़ी हैं, जिससे रात के समय पुल का एक हिस्सा पूरी तरह अंधेरे में डूबा रहता है। इससे हादसे की आशंका बनी रहती है, इसके बावजूद अब तक मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। हैरानी की बात यह है कि हर दिन टाटा स्टील के वेंडर द्वारा सफाई कार्य किया जाता है, लेकिन पानी निकालने की मुख्य समस्या अभी भी वैसी ही बनी हुई है।

उधर, काली पूजा पंडाल के पास स्थित पीसीसी रोड की हालत भी कुछ अलग नहीं है। वहां भी हल्की बारिश में पानी जमा होकर सड़क कोतालाब में बदल देता है, जिससे स्थानीय लोगों और राहगीरों को काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने और खराब स्ट्रीट लाइटों को ठीक कराने की मांग की है, जिससे आने वाले समय में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

रांची में 6.5 करोड़ से ज्यादा किराया बकाया, नगर निगम ने 258 दुकानदारों पर कसा शिकंजा

रांची, एजेंसी। राजधानी में नगर निगम की दुकानों का किराया नहीं चुकाने वाले दुकानदारों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की तैयारी शुरू हो चुकी है। नगर निगम के आंकड़ों के मुताबिक, शहर के विभिन्न बाजारों में स्थित निगम की दुकानों से कुल 6,51,07,748 रुपये से अधिक का किराया बकाया हो चुका है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए निगम प्रशासन ने 258 डिफॉल्टर दुकानदारों की सूची जारी कर दी है, जिन्होंने लंबे समय से किराया जमा नहीं किया है।

रांची नगर निगम की ओर से बताया गया है कि इन दुकानदारों को कई बार नोटिस और चेतावनी दी गई लेकिन इसके बावजूद बकाया भुगतान को लेकर अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली है। कुछ मामलों में तो दुकानदारों पर लाखों रुपये तक का किराया बकाया है, जो निगम की वित्तीय व्यवस्था पर सीधा असर डाल रहा है।

वहीं निगम अधिकारियों का कहना है कि दुकानों से मिलने वाला किराया निगम की आय का एक अहम भाग होता है। इसी राशि से शहर में सड़क निर्माण, सफाई व्यवस्था, जलापूर्ति और अन्य बुनियादी सुविधाओं को संचालित किया जाता है। ऐसे में लगातार बढ़ते बकाया के कारण विकास कार्यों की गति प्रभावित हो रही है।

अब नगर निगम ने स्पष्ट कर दिया है कि बकायेदारों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। अंतिम चेतावनी जारी करते हुए कहा गया है कि यदि जल्द ही किराया जमा नहीं किया गया, तो संबंधित दुकानों को सील किया जाएगा और उनका आवंटन रद्द कर दिया जाएगा।

इसके साथ ही कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है। जिन दुकानदारों पर अधिक बकाया है, उनके खिलाफ प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर कुछ दुकानदार आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए निगम से राहत और समय की मांग कर रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि पिछले कुछ समय में व्यापार प्रभावित रहा, जिसके कारण वे समय पर भुगतान नहीं कर सके। हालांकि निगम प्रशासन का मानना है कि अब परिस्थितियां सामान्य हो चुकी हैं और बकाया भुगतान में देरी को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इस बीच नगर निगम ने डिफॉल्टर दुकानदारों की सूची अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दी है। इसमें दुकानदारों के नाम, दुकान का स्थान और बकाया राशि का पूरा विवरण दिया गया है। इस कदम के बाद कई दुकानदारों में हलचल देखी जा रही है और वे बकाया चुकाने के लिए निगम कार्यालय पहुंच रहे हैं ताकि किसी भी तरह की सख्त कार्रवाई से बचा जा सके।

नगर निगम की संपत्तियों से मिलने वाला किराया शहर के विकास का महत्वपूर्ण आधार है। बार-बार नोटिस देने के बावजूद कई दुकानदारों द्वारा बकाया नहीं चुकाना गंभीर विषय है। अब डिफॉल्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी यदि जल्द भुगतान नहीं किया गया तो दुकानों को सील करने, आवंटन रद्द करने और कानूनी कार्रवाई से भी पीछे नहीं हटेंगे साथ ही जिन पर अधिक बकाया है, उनके खिलाफ प्राथमिकता के आधार पर कदम उठाए जाएंगे।

दूसरे दिन भी शेरशाहबादी समुदाय का धरन जारी, हक की लड़ाई

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बरहरवा शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र पुनः निर्गत करने की मांग को लेकर शेरशाहबादी डेवलपमेंट सोसाइटी के बैनर तले चल रहा अनिश्चितकालीन धरना मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। बरहरवा प्रखंड मुख्यालय परिसर में बड़ी संख्या में युवा,छात्र और समुदाय के लोग स्थानीय प्रशासन, जनप्रतिनिधियों तथा झारखंड सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।धरना स्थल पर सोसाइटी के सदस्य अजमाइल शेख ने कहा कि सुनियोजित तरीके से शेरशाहबादी समुदाय को उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मंडल आयोग और सच्चर कमेटी की सिफारिशों के आधार पर इस समुदाय को अत्यंत पिछड़ा वर्ग के रूप में आरक्षण का लाभ मिलने लगा था,जिससे समुदाय के सामाजिक और आर्थिक स्तर में सुधार हो रहा था।उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड गठन के बाद वर्ष 2012 तक शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र निर्गत किया जाता था,लेकिन इसके बाद इसे अचानक बंद कर दिया गया।लंबे समय से पत्राचार,संघर्ष और आंदोलन के बावजूद प्रशासन और सरकार की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं की गई है।वहीं मुखिया मो.इस्तियाक ने कहा कि झारखंड सरकार के कार्मिक विभाग द्वारा पिछड़ा वर्ग सूची में शेरशाहाबादी जाति को 102 क्रमांक पर अधिसूचित किया गया है।इसके बावजूद अंचल प्रशासन इस समुदाय के लोगों को 'शेख' जाति का प्रमाण पत्र जारी कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शेरशाहाबादी, शेख जाति की उपजाति होते हुए भी अपनी अलग परंपरा,रहन-सहन और ऐतिहासिक पहचान रखती है।उन्होंने बताया कि बिहार के सीमांचल क्षेत्र, पश्चिम बंगाल के मालदा और मुर्शिदाबाद जिलों तथा झारखंड के पाकुड़ और साहिबगंज जिलों में इस समुदाय की विशिष्ट पहचान है।पूर्व में स्थानीय जांच के आधार पर शेरशाहाबादी जाति प्रमाण पत्र निर्गत किया जाता था,जिसे पुनः बहाल किया जाना चाहिए। **आंधी-तूफान के बावजूद डटे रहे प्रदर्शनकारी** धरना के दौरान खराब मौसम भी प्रदर्शनकारियों के हौसले को नहीं डिगा सका। सोमवार रात तेज आंधी और बारिश के बावजूद प्रदर्शनकारी प्रखंड मुख्यालय परिसर में डटे रहे।प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब शासन-प्रशासन जनता की आवाज सुनने में असफल हो जाता है,तब आंदोलन ही अंतिम विकल्प बचता है।उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक शेरशाहाबादी जाति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया जाता,तब तक उनका आंदोलन अनवरत जारी रहेगा।मौके पर मास्टर मूसा,मुखिया इश्तियाक अहमद,शकील अहमद,सोयेब अख्तर, आजमाईल शेख,तोफाईल शेख,महमूद अलम, मुस्तफिजुर रहमान,नईम अख्तर,फाईम अख्तर,वासिकुल इस्लाम,वाबिदुल्ला,अबुल कलाम,वासिम अकरम,अब्दुल तवाब,परवेज आलम,सद्दाम हुसैन तथा अन्य सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा की सफलता, निशिकांत दुबे के साथ अमित कुमार सिंह की अहम भूमिका

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की मजबूत उपस्थिति और कई क्षेत्रों में मिली बढ़त के बीच साहिबगंज जिले के भाजपा नेता अमित कुमार सिंह की सक्रिय भूमिका चर्चा में रही। उन्हें गोड्डा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे के साथ दक्षिण बंगाल के कई क्षेत्रों में चुनावी रणनीति और प्रचार अभियान में अहम जिम्मेदारी मिली थी।जानकारी के अनुसार, अमित कुमार सिंह ने बशीरहाट, बनगांव सहित दक्षिण बंगाल के विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाली विधानसभा सीटों में लगातार चुनाव प्रचार किया। इस दौरान वे स्थानीय मतदाताओं से संवाद कर पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने में सक्रिय रहे।भाजपा नेताओं के अनुसार, दक्षिण बंगाल के 28 विधानसभा क्षेत्रों में से 18 में पार्टी प्रत्याशियों की जीत दर्ज हुई है, जबकि कुछ अन्य सीटों पर परिणाम की प्रतीक्षा की जा रही है। इस प्रदर्शन को भाजपा कार्यकर्ता संगठन की मजबूती और रणनीतिक प्रचार का परिणाम बता रहे हैं।अमित कुमार सिंह ने इस सफलता का श्रेय गोड्डा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे की रणनीति और नेतृत्व को दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत और संगठन की एकजुटता का परिणाम है।भाजपा कार्यकर्ताओं में इस परिणाम को लेकर उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

झारखंड में 108 एंबुलेंस सेवा ठप, वेतन नहीं मिलने पर कर्मचारियों ने किया हड़ताल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज , झारखंड में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं उस वक्त प्रभावित हो गईं, जब 108 एंबुलेंस सेवा के कर्मचारी वेतन नहीं मिलने के कारण हड़ताल पर चले गए। यह सेवा सम्मान फाउंडेशन द्वारा संचालित की जा रही है।कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें मार्च और अप्रैल 2026 का वेतन अब तक नहीं मिला है। इसके विरोध में 3 मई की शाम से उन्होंने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। सोमवार 4 मई को रांची के डोरंडा स्थित कार्यालय में कर्मचारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया और प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताई। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें 6 से 11 हजार रुपये तक का कम वेतन मिलता है और वह भी समय पर नहीं दिया जाता।कर्मचारियों ने यह भी कहा कि उन्हें अब तक ऑफर लेटर और पहचान पत्र नहीं दिया गया है। साथ ही पीएफ और ईएसआईसी जैसी जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं, जिससे इलाज जैसी बुनियादी जरूरतों में भी परेशानी हो रही है।वहीं, वार्ता के दौरान प्रबंधन ने सरकारी फंड में देरी का हवाला देते हुए 2 से 3 दिन का समय मांगा और कर्मचारियों से काम पर लौटने की अपील की। लेकिन कर्मचारियों ने साफ कर दिया कि जब तक वेतन उनके खाते में नहीं आता, वे हड़ताल जारी रखेंगे।झारखंड प्रदेश एंबुलेंस कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नीरज तिवारी ने चिंता जताते हुए कहा कि इस स्थिति के कारण आम जनता को समय पर एंबुलेंस सेवा नहीं मिल पा रही है, जिससे जान का खतरा बढ़ गया है।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, के वंदना कक्ष में दादा -दादी एवं नाना - नानी स्वागत सह सम्मान समारोह का आयोजन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज विद्या भारती विद्यालय, जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर,में मंगलवार को वंदना कक्ष में दादा -दादी एवं नाना - नानी स्वागत सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।समारोह का शुभारंभ विद्यालय की सचिव डॉ मृदुला सिन्हा,सदस्य तेज नारायण भगत एवं प्रधानाचार्य सुनील पंडित ने सरस्वती माता,ओंकार एवं भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित किया।समारोह में आगत अतिथियों का सम्मान डायरी एवं लेखनी भेंट कर किया गया।समारोह में लगभग 80 दादा -दादी/नाना -नानी उपस्थित थे।समारोह में उपस्थित भैया/बहन ने अपने दादा-दादी एवं नाना -नानी के पांव को धोकर,मस्तक पर तिलक लगाकर,मुंह मीठा कर आरती किया।विद्यालय की ओर से सभी बुजुर्गों को गीता सप्रेम भेंट किया गया।समारोह को संबोधित करते हुए डॉ मृदुला सिन्हा ने बताया कि जहां बुजुर्गों का सम्मान होता है,वहां सुख,शांति और समृद्धि स्वयं आ जाती है।तेज नारायण भगत ने बताया कि दादा -दादी/नाना -नानी ईश्वर के प्रतिरूप होते हैं और उनका सदैव सम्मान होना चाहिए,क्योंकि वे बच्चों में असली संस्कार भरते हैं।सुनील पंडित ने समारोह को संबोधित करते हुए बताया कि बुजुर्ग वटवृक्ष की तरह होते हैं,जिनकी छाया हमें शांति,समृद्धि और सुरक्षा प्रदान करती है।समारोह का संचालन स्नेहा भारद्वाज एवं अतिथि परिचय सुनील पंडित ने किया।धन्यवाद ज्ञापन किरण कुमारी गुप्ता एवं शांति मंत्र का पाठ लिपिका राज सिंह ने किया।समारोह में विद्यालय के आचार्य अमित कुमार,अजीत कुमार मालवीय,कल्याण भंडारी,राघव वत्स,संतोष कुमार दास,सोनू शर्मा,अर्चना वर्मा,निर्मला कुमारी,सारिका कुमारी,क्रिस्टीना मुर्मू टीनू पाण्डेय,सोनी कुमारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पत्रकार मामलोत शेख को जिला जनसंपर्क कार्यालय में शोक सभा आयोजित की गई दी गई श्रद्धांजलि

साहिबगंज , साहिबगंज जिला मुख्यालय के बरहरवा प्रखंड क्षेत्र में लंबे समय से पत्रकारिता जगत में कार्य करने वाले पत्रकार मामलोत शेख का बीते दिनों बीमारी के कारण निधन हो गया था। जहां दिवगंत पत्रकार मामलोत शेख वर्तमान समय में लोकतंत्र की आवाज नामक हिंदी दैनिक समाचार पत्र के जिला प्रभारी के पद पर रहकर पत्रकारिता कर रहे थे। उधर दिवंगत पत्रकार मामलोत शेख के निधन की सूचना पाकर सोमवार को जिला जनसंपर्क कार्यालय परिसर के सभागार में झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन साहिबगंज इकाई के बैनर तले एक शोक सभा कार्यक्रम आयोजित करते हुए सभी पत्रकारों ने 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर कई पत्रकारों ने दिवंगत पत्रकार मामलोत शेख के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे काफी मिलनसार व नेकदिल इंसान थे जहां उनके निधन से पूरा पत्रकार वर्ग दुखी है। वही उनके साथ बिताए हुए पलों को याद करते हुए सभी पत्रकार कुछ देर के लिए भावुक हो गए। इस शोकसभा कार्यक्रम के मौके पर अरविंद ठाकुर, शिवशंकर निराला, मुमताज नुमानी, प्रवीण कुमार, पंकज वर्मा, बच्चन कुमार पाठक, मो. गुलजार, मो. अफसर अली, बिट्टू सिंहा, सहेंद्र प्रसाद, मुकेश मिश्रा, विजय केजरीवाल, अरविंद कुमार यादव, शुभेंदु पंडित, सुनील कुमार आजाद, चंदन सिंह, आलोक कुमार व चंदन कुमार मौजूद थे।

वाहन जांच अभियान से शहर ठप, ई-रिक्शा चालकों की रोज़ी पर संकट

साहिबगंज अचानक शुरू हुए वाहन जांच अभियान से शहर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया है।कागजी प्रक्रिया, भारी जुर्माना और बार-बार की जांच से ई-रिक्शा चालकों की रोजी-रोटी पर संकट गहराता जा रहा है।शहर की सड़कों पर ई-रिक्शा की संख्या में भारी कमी देखने को मिल रही है, जिससे आम लोगों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। राहगीरों और स्कूल जाने वाले बच्चों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उन्हें अब वैकल्पिक साधनों के लिए जूझना पड़ रहा है।

संगठन को मजबूत करने के लिए किया गया एक अहम बैठक

तालझारी , प्रखण्ड की संगठनात्मक बैठक में प्रभारी के रूप में सम्मिलित हुई बैठक में आगामी कार्य योजना पर विस्तृत चर्चा हुई संगठन की मजबूती के साथ साथ सबका साथ सबका विकास एवं इसके लिए अपना क्या प्रयास हो इस पर सभी को उचित परामर्श दिया एवं संगठन कार्यों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराना सुनिश्चित करने का प्रयास करने को कहा बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष बेटका सोरेन जी ने की बैठक में दोनों महामंत्री कई मातृशक्ति सहित पार्टी के जेष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता बंधु उपस्थित थे कार्यक्रम के अंत में विधानसभा चुनाबों में भाजपा को मिले प्रचंड जनादेश की खुशी में सभी ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर और मिठाई बाटकर एक दूसरे को बधाई एवं शुभकामनाएं दी

बड़हरवा स्टेशन पर 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' की बड़ी कामयाबीः 10 नाबालिगों का रेस्क्यू, 2 तस्कर गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज पूर्व रेलवे के मालदा मंडल की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने बड़हरवा रेलवे स्टेशन पर चलाए गए विशेष अभियान 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। दो दिनों तक चले इस अभियान में कुल 10 नाबालिग बच्चों को सुरक्षित बचाया गया, वहीं मानव तस्करी में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।यह अभियान मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन और मंडल सुरक्षा आयुक्त आशिम कुमार कुल्लू के पर्यवेक्षण में चलाया गया। आरपीएफ की इस कार्रवाई को बच्चों की सुरक्षा और मानव तस्करी के खिलाफ सख्त पहल के रूप में देखा जा रहा है।रोजगार का झांसा देकर ले जाए जा रहे थे बच्चे03 मई को बड़हरवा स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर जांच के दौरान आरपीएफ को चार नाबालिग लड़के दो संदिग्ध व्यक्तियों के साथ मिले। पूछताछ में खुलासा हुआ कि बच्चों को रोजगार का झांसा देकर राज्य के बाहर ले जाया जा रहा था। तत्काल कार्रवाई करते हुए आरपीएफ ने चारों बच्चों को सुरक्षित बचाया और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।देर रात 6 और नाबालिग मिले भटकते हुएइसके अगले दिन 04 मई की देर रात स्टेशन परिसर में छह अन्य नाबालिग (चार लड़के और दो लड़कियां) बिना अभिभावक के संदिग्ध अवस्था में पाए गए। पूछताछ में पता चला कि ये बच्चे घर से बिना बताए बाहर काम की तलाश में जा रहे थे। सभी बच्चों को आरपीएफ पोस्ट लाकर काउंसलिंग और सत्यापन की प्रक्रिया शुरू की गई।बाल कल्याण समिति को सौंपे गए सभी बच्चे सभी 10 नाबालिगों को आवश्यक औपचारिकताओं के बाद संबंधित बाल कल्याण समिति को सौंप दिया गया है, जहां उनकी देखभाल, परामर्श और पुनर्वास की व्यवस्था की जाएगी। वहीं तस्करी के मामले में जीआरपी बड़हरवा में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। सतर्कता से टली बड़ी वारदात-आरपीएफ की इस त्वरित और सतर्क कार्रवाई से संभावित मानव तस्करी की बड़ी घटना को टाल दिया गया। मालदा मंडल लगातार रेलवे परिसरों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अपराध पर रोक लगाने के लिए अभियान चला रहा है।

पार्टी मजबूती को लेकर पतना में भाजपा प्रखंड कमिटी की बैठक

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बरहरवा , भारतीय जनता पार्टी पतना प्रखंड कमिटी की विशेष बैठक पतना प्रखण्ड के बड़ा दिघी स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष कुणाल किशोर मंडल ने किया।उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देशानुसार संगठन मजबूत करने तथा केंद्र सरकार की योजनाओं को घर-घर लाभ दिलाने व गरीब मजदूर को हक दिलाने के उद्देश्य को सुनिश्चित करना है,वही प.बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की प्रचण्ड जीत को लेकर भी महत्वपूर्ण चर्चा की गई,बंगाल की जनता ने सबका साथ सबका विकास वाली भाजपा की नीतियों पर दिल खोलकर भरोसा जताया है।जिसका परिणाम आज देखने को मिल रहा है,बंगाल में अब सुशाशन और रामराज्य स्थपित होगा,और महिलाओं की सुरक्षा और विकास की मुख्य धारा से बंगाल को जोड़ा जाएगा।बैठक में मुख्य रूप से कार्यक्रम प्रभारी उषा भारती जिला उपाध्यक्ष चौकीदार हादसा प्रखंड प्रतिनिधि जितेंद्र टूरी प्रखंड प्रथम महामंत्री रोहित रजक उपाध्यक्ष जगन मुर्मू बासकी मंडल ठाकुर हेमाराम रस्सी मोर्चा अध्यक्ष श्याम टूरी युवा नेता रोबिन दास बाबूलाल हसदा लालटु शेख प्रखंड मंत्री पूनम देवी गीता देवी संजय पुरी होपना मरांडी तथा शक्ति में प्रभारी उपस्थित थे।

स्टेशन चौक पर सघन वाहन जांच, 67 वाहनों से 1.45 लाख जुर्माना वसूला

साहिबगंज। सड़क सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन सख्त नजर आ रहा है। उपायुक्त दीपक कुमार दुबे के निर्देश पर शहर के स्टेशन चौक पर सोमवार को सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान दोपहिया, टोटो और चार पहिया वाहनों की बारीकी से जांच की गई।अभियान का नेतृत्व जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश चौधरी और एमवीआई अभिषेक मुंडा ने किया। मौके पर मुख्यालय डीएसपी विजय कुशवाहा, नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता, एसआई गुलाम सरवर सहित पुलिस बल के कई अधिकारी और जवान मौजूद रहे।जांच के दौरान वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन, बीमा समेत अन्य कागजात की पड़ताल की गई।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

सं.सीओएम/पीयूबी/पीआरओ/ई-ऑक्शन/2025 दिनांक:04.05.2026

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा अनुबंध प्रदान करने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। इसका विवरण निम्नानुसार है: **कैटलॉग सं. एएसएन-एमएसएस-15-05, नीलामी शुरू होने की तिथि और समय:** दिनांक 15.05.2026 को 12.00 बजे। **क्रम सं., लॉट सं., विवरण** निम्नानुसार हैं: **एए/1, एमएसएस-एएसएन-डीजीएचआर-एमएसीएचआर-31-25-1** (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-रिलैक्सेशन चेयर), रफ स्केच प्लान में दर्शित निर्दिष्ट स्थान पर देवघर स्टेशन प्लेटफॉर्म नं. 01 पर रिलैक्सेशन चेयर की स्थापना एवं परिचालन। **एए/2, एमएसएस-एएसएन-एएसएनजे-एमएसीएचआर-44-25-1** (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-रिलैक्सेशन चेयर), आसनसोल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नं. 02 पर रिलैक्सेशन चेयर की स्थापना एवं परिचालन। **एए/3, एमएसएस-एएसएन-डीजीआर-एमएसीएचआर-116-25-1** (एमआईएससी स्टैटिक-सर्विसेस-रिलैक्सेशन चेयर), रफ स्केच प्लान के अनुसार उत्तरी भाग के बुकिंग कार्यालय के पास रिलैक्सेशन चेयर की स्थापना एवं परिचालन। **एबी/1, एमएसएस-एएसएन-डीयूएमके-एमईडीएसटीएन-158-26-1** (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टेशन में चिकित्सा सुविधाएं), दुमका स्टेशन पर मेडिकल स्टोर की स्थापना एवं परिचालन। **एसी/1, एमएसएस-एएसएन-डीजीआर-एसएस-32-25-1** (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-सलोन सेवाएँ), रफ स्केच प्लान में चिह्नित स्थान पर दुर्गापुर स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में सलोन सेवाओं की स्थापना एवं परिचालन। **एडी/1, एमएसएस-एएसएन-आरएनजी-एसटीजीईएन-149-26-2** (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टैटिक जनरल), स्केच प्लान के अनुसार रानीगंज स्टेशन (क्षेत्रफल 150 वर्गफीट) में रिटेल स्टोर की स्थापना एवं परिचालन। **एडी/2, एमएसएस-एएसएन-जेएसएमई-एसटीजीईएन-150-26-1** (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टैटिक जनरल), इस कैटलॉग के साथ संलग्न रफ स्केच प्लान के अनुसार प्रत्येक 36 वर्ग फीट के तहत जसीडीह, बैद्यनाथधाम और देवघर स्टेशनों पर ऐप आधारित कैब/बाइक बुकिंग कियोस्क की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव। **एडी/3, एमएसएस-एएसएन-एएसएन-एसटीजीईएन-138-26-1** (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टैटिक जनरल), ईआरईसीएस बैंक के पास आसनसोल में रिटेल स्टोर की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव। **एडी/4, एमएसएस-एएसएन-सीएएम-एसटीजीईएन-148-26-1** (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टैटिक जनरल), संलग्न स्केच प्लान में निर्दिष्ट स्थान पर 120 वर्ग फीट क्षेत्रफल (6 फीट X 20 फीट) के साथ एमडीजेडटीआई/भूली धनबाद में रिटेल स्टोर की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव। **एडी/5, एमएसएस-एएसएन-डीजीआर-एसटीजीईएन-137-26-2** (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टैटिक जनरल), दुर्गापुर रेलवे स्टेशन में रिटेल स्टोर की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को सूची के अनुसार उक्त ई-नीलामी के संपूर्ण विवरण एवं भाग लेने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने की सलाह दी जाती है।

ASN-48/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं. 24_2026-27 और 25_2026-27 दिनांक: 04.05.2026, वरिष्ठ मंडल अभियंता (IV), पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा, पश्चिम बंगाल-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **वरिष्ठ डीईएन/4/ हावड़ा।** **क्रम सं. 1, ई-निविदा सं. 24_2026-27, कार्य का विवरण** : हावड़ा मंडल में मानसून सत्र के लिए वैगनों में और भूमि पर स्टोन बोल्डर की आपूर्ति का आपातकालीन कार्य एवं अन्य विविध कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 2,71,50,707.05, **बयाना राशि :** रु. 5,43,000/-, **क्रम सं. 2, ई-निविदा सं. 25_2026-27, कार्य का विवरण** : हावड़ा मंडल में मानसून सत्र के दौरान आपातकालीन सामग्री के रूप में क्वैरी स्टोन डस्ट की आपूर्ति। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,86,70,800/-, **बयाना राशि :** रु. 3,73,400/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.)** : शून्य (क्रम सं. 1 एवं 2 प्रत्येक हेतु)। **समापन अवधि** : स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 04 (चार) माह (क्रम सं. 1 एवं 2 प्रत्येक हेतु)। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : दिनांक 22.05.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से उपर्युक्त वेबसाइट के ज़रिए स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-46/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

विक्रमशिला सेतु बंद,झारखंड से पत्थर आपूर्ति पर पड़ा असर

पाकुड़। भागलपुर में विक्रमशिला सेतु के पिलर संख्या 133 के पास स्लैब टूटने के बाद पुल को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। जिसका सीधा असर झारखंड से बिहार के विभिन्न इलाकों में भेजी जाने वाली गिट्टी, बालू और पत्थर की आपूर्ति पर पड़ा है। झारखंड के पाकुड़ जैसे जिलों से रोजाना बड़ी संख्या में ट्रक, निर्माण सामग्री लेकर भागलपुर होते हुए उत्तर बिहार, कोसी और सीमांचल क्षेत्र की ओर जाते थे। लेकिन अब यह आपूर्ति गंभीर रूप से बाधित हो गई है। पुल बंद होने के कारण ट्रकों को अब मुंगेर पुल या अन्य वैकल्पिक लंबे मार्गों से होकर गुजरना पड़ेगा। जिससे परिवहन समय में भारी वृद्धि हो गई है। साथ ही अतिरिक्त दूरी और ईंधन खर्च के कारण मालभाड़ा भी बढ़ जाएगा। इसका असर निर्माण कार्यों पर दिखेगा। और आने वाले दिनों में गिट्टी-बालू की कीमतों में उछाल की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल खबर है कि मरम्मत कार्य जारी है। लेकिन पुल कब तक चालू होगा, इसे लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

केवट टोला में घर में घुसा जहरीला नाग, विशेषज्ञ ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

आमड़ापाड़ा(पाकुड़)। प्रखंड के पचुवाड़ा पंचायत अंतर्गत रांगा केवट टोला में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब ग्रामीण अमन कुमार केवट के घर में एक विशालकाय सांप निकल आया। आंगन में अचानक सांप को रेंगते देख परिजनों के होश उड़ गए और वे डर के मारे घर से बाहर निकल गए।देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही सर्प विशेषज्ञ अशराफुल शेख मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद घर में छिपे करीब साढ़े पांच फीट लंबे स्पेक्टेकल्ड कोबरा (गेहुअन) को सुरक्षित पकड़ लिया। रेस्क्यू के बाद सांप को

एक डिब्बे में बंद किया गया तब जाकर परिजनों ने राहत की सांस ली सर्प विशेषज्ञ ने बताया कि यह बेहद विषैला नाग होता है। जिसके फन पर चश्मे जैसा निशान बना होता है।इसका न्यूरोटॉक्सिक जहर सीधे तंत्रिका तंत्र पर असर करता है, जिससे समय पर उपचार नहीं मिलने पर जान का खतरा हो सकता है।उन्होंने लोगों से अपील की कि सांप दिखने पर घबराएं नहीं और न ही उसे मारने की कोशिश करें।बल्कि तुरंत विशेषज्ञ को सूचना दें, पकड़े गए सांप को वन विभाग के निर्देशानुसार सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाएगा।

भाजपा की बैठक में राज्य सरकार के विरुद्ध आंदोलन की तैयारी

हिरणपुर (पाकुड़) । मंगलवार को भाजपा मंडल इकाई की बैठक हिरणपुर में आयोजित हुई। जिसमें राज्य सरकार के विरुद्ध आंदोलन को लेकर चर्चा की गई। अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष सुकुमार मण्डल ने किया। प्रखंड अध्यक्ष ने उपस्थित कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य के हेमन्त सोरेन की सरकार निकम्मी साबित हुई है। जहां लोग पेयजल , बिजली जैसे मूलभूत समस्याओ से जूझ रहे है। राज्य में विकास ठप्प पड़ा हुआ है। वही जिला मंत्री लक्ष्मी तुरी ने बताया कि इस निकम्मी सरकार के विरुद्ध भाजपा कार्यकर्ता सड़को पर उतरेंगे। वही वृहत रूप से जनांदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर महिला मोर्चा अध्यक्ष मुन्नी रजक , किरण मण्डल , लखन साहा , राजेन्द्र भंडारी , दिशा कुमारी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

बंगाल में जीत की खुशी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। संयुक्त जनादेश पार्टी (एसजेपी) के प्रदेश अध्यक्ष संतोष किस्कू के नेतृत्व में मंगलवार को लिट्टीपाड़ा के तिलका मांझी चौक स्थित बाजार में कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत की खुशी मनाई। इस दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़े और लोगों के बीच मिठाइयां बांटी।कार्यक्रम से पहले सभी कार्यकर्ताओं ने तिलका मांझी और सिद्धू-कान्हू की आदमकद प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके बाद जश्न का माहौल बना रहा और बाजार क्षेत्र में उत्साह देखा गया।मौके पर प्रदेश सचिव सुरेश तुरी, प्रदेश कोषाध्यक्ष कृष्णा मड़ैया ,प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेमलाल मुर्मू सहित एसजेपी के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केंदुआ में की गई आंगनवाड़ी सेविका की चयन

हिरणपुर (पाकुड़)। केंदुआ पंचायत अंतर्गत ढलाईपहाड़ स्थित आंगनवाड़ी केंद्र की सेविका व सहायिका पद की चयन को लेकर मंगलवार को ग्राम सभा आयोजित हुई। ग्राम सभा मे बीडीओ सह सीडीपीओ दिलीप टुडू मुख्य रूप से उपस्थित थे। महीनों से रिक्त पड़े इस केंद्र की सेविका व सहायिका पद को लेकर काफी संख्या में पहाड़िया महिलाएं शामिल हुई। जहां पर्यवेक्षिका टुसुमुनि मुर्मू ने चयन प्रक्रिया को लेकर उपस्थित लोगों को विस्तृत जानकारी दी गई। वही कई महिलाओं ने दोनों पद को लेकर अपने अपने आवेदन को जमा किया गया। जिसमे योग्यता क्रम में सेविका पद पर गांव की ही प्रिया पहाड़िन व सहायिका में गौरी पहाड़िन का चयन किया गया। बीडीओ ने जानकारी देते हुए कहा कि प्रखंड के रिक्त पड़े सेविका व सहायिका पद को लेकर चयन की जा रही है। अन्य केंद्रों में भी जल्द ही चयन कार्य की जाएगी।

90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता अभियान को लेकर बैठक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पाकुड़। विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ दिवाकर पांडे के निर्देश पर चल रहे नब्बे दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं जनसंपर्क अभियान को प्रभावी ढंग से सफल बनाने को लेकर सचिव रूपा बंदना किरो की उपस्थिति में डालसा के सभागार में लीगल एड डिफेंस कॉन्सिल सिस्टम के डिप्टी चीफ मो नुकुमुद्दीन शेख एलएडीसीएस के सहायक गंगाराम टुडू पीसीआई-यूनिसेफ के मोहम्मद अनीस जिले के सभी पैरा लीगल वॉलिंटियर्स के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक में नब्बे दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं जनसंपर्क अभियान के तहत बाल विवाह, बाल श्रम, दहेज प्रथा रोकने को लेकर नुक्कड़ नाटक, जागरूकता शिविर एवं घर घर पहुंच कर जागरूकता अभियान जारी रखने का निर्देश दिया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ से मिलने वाले निःशुल्क कानूनी सहायता, पोक्सो एक्ट, नालसा के सभी योजनाओं पर जन जन तक विधिक जागरूकता अभियान चलाने को कहा गया। इस दौरान अपने अपने प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों, हाट भीड़भाड़ वाले क्षेत्र समेत लिटरेसी क्लब पर कानूनी जानकारी से अवगत कराने का निर्देश दिया गया।बैठक में पीसीआई-यूनिसेफ के मोहम्मद अनीस द्वारा बताया कि सूचीबद्ध गांवों में घर-घर भ्रमण कर जानकारी एकत्र करें तथा लोगों को स्पॉन्सरशिप और फोस्टर केयर के बारे में पूरी जानकारी दें।मौके पर जिले के पैरा लीगल वॉलिंटियर्स उपस्थित रहें।

आवासीय इलाके में पोल्ट्री फार्म से जीना दूभर, कार्रवाई की मांग

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

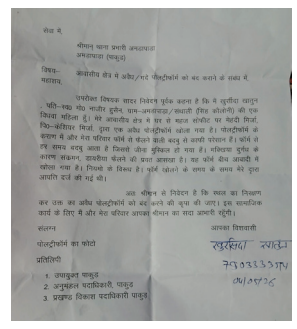

अमड़ापाड़ा(पाकुड़)। प्रखंड क्षेत्र के अमड़ापाड़ा संथाली पंचायत के सिंह कॉलोनी में आवासीय इलाके के बीच संचालित पोल्ट्री फार्म संचालन को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई है। मामले को लेकर स्थानीय निवासी खुर्शीदा खातून ने अमड़ापाड़ा थाना और अंचल कार्यालय में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है आवेदन में बताया गया है कि उनके घर के समीप मेहंदी मिर्जा द्वारा पोल्ट्री फार्म संचालित किया जा रहा है जिससे निकलने वाली तीखी दुर्गंध के कारण उनका परिवार काफी परेशान है।हालात यह है कि घर में रहना तक मुश्किल हो गया है और भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है शिकायतकर्ता ने आशंका जताई है कि फार्म से फैलने वाली गंदगी व बदबू के कारण संक्रमण और डायरिया जैसी बीमारियां फैल सकती हैं।साथ ही यह भी कहा गया है कि उक्त पोल्ट्री फार्म घनी आबादी के बीच नियमों के विरुद्ध संचालित किया जा रहा है बताया गया है कि फार्म शुरू होने के समय भी आपत्ति जताई गई थी।लेकिन इसके बावजूद संचालन जारी रखा गया।ऐसे में थाना प्रभारी से स्थल निरीक्षण कर अवैध पोल्ट्री फार्म को बंद कराने की मांग की गई है।मामले की प्रतिलिपि उपायुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी व प्रखंड विकास पदाधिकारी को भी भेजी गई है।

पाकुड़ में ओवरलोड वाहनों का परिचालन वदस्तूर जारी ,सरकार को राजस्व में क्षति

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पाकुड़। जिले में अवैध खनन और ओवरलोड वाहनों का परिचालन गंभीर समस्या बन गया है। मुफस्सिल थाना क्षेत्र में दिन के उजाले में ही ओवरलोड वाहनों का संचालन धड़ल्ले से जारी है, जिससे मिलीभगत की आशंका जताई जा रही है।थाना के सामने से ही ओवरलोड वाहन गुजर रहे हैं। सीसीटीवी कैमरे लगे होने के बावजूद कार्रवाई का नहीं होना कई सवालों का जन्म देता है । बताया जाता है कि इस पूरे खेल में पत्थर माफिया सक्रिय हैं, जो अवैध खनन और फर्जी माइनिंग के जरिए सरकार को भारी राजस्व नुकसान पहुंचा रहे हैं।

ओवरलोडिंग के कारण न केवल राजस्व की हानि हो रही है, बल्कि सड़कों की स्थिति भी खराब हो रही है, जिससे आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।पूर्व उपायुक्त मनीष कुमार ने जिला खनन टास्क फोर्स को अवैध खनन के खिलाफ "जीरो टॉलरेंस" नीति अपनाने का निर्देश दिया था। वहीं, पूर्व एसपी निधि द्विवेदी ने भी सभी थाना प्रभारियों को सख्ती बरतने को कहा था।सूत्रों के अनुसार, बिना वैध माइनिंग कागजात के वाहनों को पास कराने के एवज में प्रति वाहन 3,000 से 5,000 रुपये तक की वसूली की जाती है।

हालांकि प्रशासन ने कार्रवाई तेज करने की बात कही है, लेकिन अभी भी स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में नहीं है। स्थानीय लोगों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि अवैध खनन और ओवरलोडिंग पर प्रभावी रोक लग सके और सरकार को हो रहे नुकसान को रोका जा सके।

आमलोगो की समस्याओं से रूबरू हुई डीसी

संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के दिये निर्देश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पाकुड़। आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर डीसी मेघा भारद्वाज ने मंगलवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को डीसी के समक्ष रखा। इस दौरान वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा।इसके अलावे जनता दरबार में डीबीएल कोल कम्पनी से संबंधित, शिक्षा विभाग से संबंधित, अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित, गोचर जमीन से संबंधित, जाहेरस्थान घेराबंदी योजना से संबंधित, क्षतिग्रस्त मकान का मुआवजा से संबंधित एवं विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात डीसी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करे, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

नवजीवन सखियों को मिला पशुधन व टपक सिंचाई पद्धति का प्रशिक्षण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

हिरणपुर (पाकुड़)। ग्रामीण विकास विभाग के तहत संचालित जेएसएलपीएस के बैनर तले चल रहे महत्वाकांक्षी फूलो झानो आशीर्वाद अभियान के अंतर्गत मंगलवार को प्रखंड के बीएमएमयू कार्यालय के सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें नवजीवन सखी कैडरों को मुर्गी पालन, बकरी पालन व टपक सिंचाई पद्धति की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को पारंपरिक खेती , पशुपालन से आगे बढ़ाकर आधुनिक व लाभकारी कृषि तकनीकों से जोड़ना रहा है। जिससे कि उनकी आय में वृद्धि हो सके।प्रशिक्षण के दौरान द नज संस्था के ब्लॉक लीड सत्यप्रकाश कुमार ने प्रतिभागियों को फूलो झानो आशीर्वाद अभियान के उद्देश्यों व इसके विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य देशी शराब निर्माण व बिक्री से जुड़ी महिलाओं को सम्मानजनक कार्य के साथ साथ वैकल्पिक स्थायी आजीविका के अवसर प्रदान करना है।मौके पर बीपीएम राजेश कुमार, शंकर तिवारी, जीआरसी संजय पाल सहित अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

नव नियुक्त 33 चौकीदारों को सीओ ने दिए निर्देश, हर मंगलवार अंचल कार्यालय आने का निर्देश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

अमड़ापाड़ा(पाकुड़)। प्रखंड मुख्यालय स्थित अंचल कार्यालय में मंगलवार को अंचलाधिकारी औसाफ अहमद खां ने नव नियुक्त 33 चौकीदारों के साथ बैठक कर उनके कार्यों, दायित्वों एवं जिम्मेदारियों को लेकर विस्तृत दिशानिर्देश दिया। सीओ ने कहा कि चौकीदार ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासन की सबसे अहम कड़ी होते हैं।उनकी जिम्मेदारी है कि अपने-अपने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने तथा किसी भी घटना की सूचना अविलंब थाना व प्रशासन को दें।उन्होंने सभी चौकीदारों को क्षेत्र में सक्रिय रहकर कार्य करने और आम जनता से समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया। साथ ही बैठक के दौरान उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सभी चौकीदार प्रत्येक मंगलवार को अंचल कार्यालय में उपस्थित होना सुनिश्चित करें ताकि कार्यों की समीक्षा, सूचना आदान-प्रदान और आवश्यक दिशा-निर्देश समय-समय पर दिया जा सके साथ ही गांवों में होने वाली छोटी-बड़ी घटनाओं, विवादों, प्राकृतिक आपदाओं व असामाजिक तत्वों की गतिविधियों की जानकारी समय पर देने पर जोर दिया गया। सीओ ने बताया कि अमड़ापाड़ा अंचल क्षेत्र में कुल 52 बीट हैं और वर्तमान में सभी बीटों में चौकीदार की नियुक्ति हो चुकी है, पहले से 19 चौकीदार क्षेत्र में कार्यरत थे वहीं अब 33 नव नियुक्त चौकीदारों की तैनाती के बाद सभी बीटों पर चौकीदार प्रतिनियुक्त हो गए हैं।इससे क्षेत्र में निगरानी व्यवस्था और कानून-व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी उन्होंने अनुशासन, समयबद्धता और ईमानदारी पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सभी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करें ताकि प्रशासन और आम जनता के बीच बेहतर तालमेल स्थापित हो सके।

किस्मत कदमसर पंचायत में बूथ कमिटी गठन, संगठन मजबूती और जनगणना पर चर्चा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पाकुड़ः प्रखंड अंतर्गत किस्मत कदमसर पंचायत में बूथ कमिटी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने और आगामी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक के रूप में प्रखंड संगठन सचिव कौशर शेख, पंचायत अध्यक्ष मो सबीरुद्दीन शेख, पंचायत सचिव सद्दाम शेख के साथ वरिष्ठ कार्यकर्ता हामिद शेख, अनसुर शेख, अलिजन शेख, सेनटु शेख, जहीरूद्दीन शेख, यूसुफ शेख, मंजूर शेख, तोफू शेख, अलीमुद्दीन शेख, आरिफ शेख, हबल शेख, कारिम शेख, जहांगीर शेख, नूरनाबी शेख, अलीउल शेख, रमजान शेख, सानाउल शेख, जकारिया शेख, राहुल शेख, तनवीर शेख, अब्दुल मालेक, महबूब आलम सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। साथ ही जनगणना और एसआईआर को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा इसके महत्व पर प्रकाश डाला गया, ताकि सभी स्तर पर इसकी प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके।

तीन राज्य में भाजपा की जीत पर कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मंडल क्षेत्र में पश्चिम बंगाल, असम और पांडिचेरी में पार्टी की बहुमत की सरकार बनने पर मंगलवार को जोरदार उत्साह के साथ खुशी मनाई। इस अवसर पर बेणेश्वर सोरेन और बिचमहल मंडल के धनेश्वर कुमार साह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य रैली निकाली गई।रैली के दौरान कार्यकर्ताओं ने देश के प्रधानमंत्री और पश्चिम बंगाल की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही भारतीय जनता पार्टी के नारों के साथ पूरे क्षेत्र में जोश और उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर और लड्डू खिलाकर जीत का जश्न मनाया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से साहेब हांसदा, अनीता मुर्मू, राम मंडल, रामेश्वर टुडू, राजू मरांडी, सुदिन हेंब्रम, लखींद्र मंडल, सुरेंद्र हेंब्रम, सोहन बास्की, रामा पहाड़ियां, किशोर साह, गौरांग मंडल, गणेश मंडल सहित कई कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

संक्षिप्त समाचार

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी आमजनों की समस्याएं

चतराः- समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री रवि आनंद ने आमजनों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान विभिन्न प्रखंडों से आए लोगों ने अपनी शिकायतें एवं आवेदन प्रस्तुत किए। इस अवसर पर उपायुक्त ने मौके पर ही जनशिकायत कोषांग के नोडल पदाधिकारी श्री रितेश कुमार को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त सभी आवेदनों का विधिवत पंजीकरण सुनिश्चित करते हुए उन्हें संबंधित विभागों को अविलंब अग्रसारित किया जाए तथा प्रत्येक मामले के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन हेतु नियमित अनुश्रवण (मॉनिटरिंग) किया जाए, ताकि आमजनों की शिकायतों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित हो सके। उपायुक्त ने प्राप्त आवेदनों का अवलोकन करते हुए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। जनता दरबार में भूमि विवाद, पेयजल, आवास, पेंशन, स्वास्थ्य, शिक्षा विभाग, मनरेगा, सड़क, दिव्यांग पेंशन एवं अन्य योजनाओं से संबंधित मामले प्राप्त हुए, जिन पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को पूर्वाह्न 11:30 बजे से अपराह्न 12:30 बजे तक समाहरणालय परिसर में नियमित रूप से जनता दरबार का आयोजन किया जाता है, जहां आमजन अपनी समस्याएं प्रस्तुत कर सकते हैं।

चिकित्सा सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. चेतना भारती सम्मानित

देवघरः-चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए डॉ. चेतना भारती को प्रतिष्ठित 'राम राज जगवांद सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान राज जगवांद मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक गरिमामय समारोह में प्रदान किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह के दौरान अतिथियों ने डॉ. चेतना भारती के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने समाज के प्रति समर्पण, सेवा भावना और मानवता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

♦ 'राम राज जगवांद सम्मान' से नवाजी गईं, समाज सेवा को बताया अपनी प्राथमिकता

उन्होंने विशेष रूप से जरूरतमंदों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। सम्मान स्वरूप डॉ. भारती को आकर्षक ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए समर्पित और संवेदनशील चिकित्सकों की आवश्यकता है, और डॉ. भारती इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रही हैं। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. चेतना भारती ने ट्रस्ट एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गर्व की बात है और इससे उन्हें आगे और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने दोहराया कि उनका मुख्य उद्देश्य हमेशा जरूरतमंद और वंचित लोगों तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं पहुंचाना रहा है। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जहां आयोजकों ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में उपस्थित लोगों ने इसे प्रेरणादायक और समाज के लिए सकारात्मक संदेश देने वाला आयोजन बताया।

छोटकी जोरी में निर्माणाधीन मकान में मिला युवक का शव

पुलिस ने जतायी हत्या की आशंका

हंटरगंज(चतरा): जिले के हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र के वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र अन्तर्गत छोटकी जोरी में स्थित एक निर्माणाधीन मकान में सोमवार की सुबह युवक का शव संदिग्ध अवस्था में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गयी। मृतक की पहचान जोरी थाना क्षेत्र के बारा गांव निवासी गरजू चौधरी के 18 वर्षीय पुत्र मुन्ना चौधरी के रूप में हुई है। जानकारी अनुसार रविवार की शाम मुन्ना अपने घर से वह अपने बहन घर चिल्लोई गांव जाने की बात परिजनों से कहकर निकला था। लेकिन देर रात तक वापस घर नहीं लौटा। सोमवार को मृतक का शव छोटकी जोरी गांव में स्थित एक निर्माणाधीन मकान में काम करने पहुंचे मजदूरों की नजर पड़ी। शव देख मजदूरों ने इसकी जानकारी आस पास के लोगों को दी। जिसके बाद मृतक के परिजन व स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। शव मिलने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गये। निर्माणाधीन मकान में शव पाये जाने की घटना से लोग तरह तरह की आशंका जाहिर कर रहे थे। बताया जाता है कि प्रारंभिक अफरातफरी के बीच परिजन शव पहुंचे इधर घटना की सूचना मिलते ही जोरी थानाप्रभारी अमित कुमार सिंह दल बल के साथ मौके पर पहुंचे एवं घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने निर्माणाधीन मकान में काम करने पहुंचे मजदूरों एवं आसपास के लोगों से आवश्यक पूछताछ की। शव को पुलिस कब्जे में ले ली है और पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।सभी बिंदुओं पर जांच । वहीं इस मामले को लेकर वशिष्ठ नगर जोरी थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि देखने से प्रथमदृश्या प्रतित होता है कि युवक की हत्या की गई है और शव को यहां लाकर ठिकाने लगा दिया गया है। प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। खबर लिखे जाने तक थाने में आवेदन नहीं दी गई थी।

फरार अभियुक्त के घर पुलिस ने चिपकाया विधि इस्तीहार

चतरा । लावालौंग थाना कांड संख्या 79/25 में नामजद प्राथमिकी अभियुक्त रौशन कुमार, पिता रविन्द्र प्रसाद, निवासी ग्राम आत्मपुर के विरुद्ध पुलिस ने न्यायालय के निर्देशानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई तेज कर दी है।इसी क्रम में पुलिस पदाधिकारी सुधीर कुमार के द्वारा अभियुक्त के पैतृक आवास आत्मपुर पहुंचकर विधिवत इस्तीहार चिपकाया गया।जानकारी के अनुसार लावालौंग थाना में दर्ज कांड संख्या 79/25 में रौशन कुमार को प्राथमिकी अभियुक्त बनाया गया है। मामले में लगातार फरार चल रहे अभियुक्त की गिरफ्तारी नहीं होने पर न्यायालय से प्राप्त आदेश के आलोक में पुलिस ने दंड प्रक्रिया के तहत इस्तीहार की कार्रवाई की।पुलिस पदाधिकारी सुधीर कुमार ने स्थानीय ग्रामीणों एवं गवाहों की मौजूदगी में अभियुक्त के घर पर विधि अनुसार इस्तीहार चस्पा किया तथा स्पष्ट रूप से सूचित किया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर न्यायालय अथवा पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करें। ऐसा नहीं करने की स्थिति में नियमानुसार आगे कुर्की-जब्ती सहित अन्य कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।इस कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम ने आसपास के लोगों को भी मामले की जानकारी दी और फरार अभियुक्त को आत्मसमर्पण करने का संदेश पहुंचाया। लावालौंग पुलिस ने बताया कि फरार आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय के आदेशानुसार लगातार कार्रवाई की जा रही है तथा किसी भी हाल में कानून से बचने नहीं दिया जाएगा।पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में चर्चा का माहौल है और फरार अभियुक्तों के बीच भी हड़कंप देखा जा रहा है।

श्रावणी मेला 2026 की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक

मंत्री सुदीप्त कुमार सोनू ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का दिया आश्वासन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

देवघरः- आगामी राजकीय श्रावणी मेला 2026 की तैयारियों को लेकर आयोजित समीक्षात्मक बैठक में मंत्री सुदीप्त कुमार सोनू शामिल हुए। बैठक में मेला क्षेत्र की व्यवस्थाओं, साफ-सफाई, स्वास्थ्य सेवाओं और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान स्थानीय प्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मंत्री का स्वागत करते हुए देवघर की प्रमुख समस्याओं से उन्हें अवगत कराया।

प्रतिनिधियों ने विशेष रूप से शहर में साफ-सफाई की स्थिति सुधारने, स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने तथा पेयजल संकट के स्थायी समाधान की मांग को लेकर एक आवेदन मंत्री को सौंपा। उन्होंने बताया कि श्रावणी मेला के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए इन समस्याओं का समाधान अत्यंत आवश्यक है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मंत्री सुदीप्त कुमार सोनू ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे और समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि श्रावणी मेला 2026 को सुव्यवस्थित, स्वच्छ और सुरक्षित बनाया जाए। बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे सभी तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूरा करें, ताकि देवघर आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और मेला सफलतापूर्वक संपन्न हो।

अन्नदाता के अरमानों पर आंधी-बारिश की मार, भूसाड़ के किसानों के चेहरे पर छाई मायूसी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

किस्को/लोहरदगाः प्रखंड क्षेत्र के भूसाड़ गाँव में इन दिनों किसानों की माथे पर चिंता की लकीरें गहरी हो गई हैं। चिलचिलाती धूप और कड़ी मेहनत के बाद तैयार हुई फसल पर बेमौसम बारिश और तेज आंधी ने कहर बरपाया है। किसान अपनी आंखों के सामने अपनी मेहनत को बर्बाद होते देख लाचार महसूस कर रहे हैं। क्षेत्र के किसानों का कहना है कि उन्होंने दिन-रात एक कर, धूप और पानी की परवाह किए बिना फसल उगाई थी। अब जब फसल पूरी तरह तैयार होकर कटने की स्थिति में थी, तभी प्रकृति के प्रकोप ने सब कुछ तहस-नहस कर दिया। जोरदार आंधी के कारण फसलें खेतों में बिछ गई हैं, जिससे भारी आर्थिक नुकसान की आशंका है। परेशान किसानों का कहना है कि अगर मौसम का मिजाज इसी तरह रहा, तो उनके सामने जीवन-यापन का संकट खड़ा हो जाएगा। मेहनत का फल मिलने के वक्त कुदरत की मार हमें कहीं का नहीं छोड़ रही, ऐसा कहते हुए किसान अब चिंतन और मंथन में डूबे हैं कि इस नुकसान की भरपाई कैसे होगी। किसानों ने प्रशासन से सर्वे कराकर उचित मुआवजे की उम्मीद जताई है।

शकील अख्तर की अगुवाई में 10 मई को सजेगी आरटीआई की पाठशाला, आम जनता को मुफ्त मिलेगा कानूनी ज्ञान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

लोहरदगाः समाज के अंतिम व्यक्ति तक उनके कानूनी अधिकारों और सूचना के अधिकार की शक्ति पहुँचाने के लिए हमर अधिकार मंच ने कमर कस ली है। मंच के केंद्रीय सचिव और कार्यक्रम के संयोजक शकील अख्तर के नेतृत्व में आगामी रविवार, 10 मई 2026 को लोहरदगा के राणा चौक स्थित अग्रसेन भवन में जिले की पहली विशाल निःशुल्क आरटीआई कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। संयोजक शकील अख्तर ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि लोहरदगा की आम जनता को अपने हक-हुकूक, मानवाधिकार और विशेषकर सूचना के अधिकार अधिनियम की बारीकियों को समझाने के लिए यह कार्यशाला पूरी तरह निःशुल्क रखी गई है। उन्होंने अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में लोग इस कार्यशाला में शामिल होकर जागरूक बनें। कार्यक्रम से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए उन्होंने संपर्क नंबर 8002830808 भी जारी किया है। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला की अध्यक्षता हमर अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष सह झारखंड उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता दीपेश निराला करेंगे। उनके साथ मंच के कई कद्दावर पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे, जो जनता के सवालों और कानूनी समस्याओं का समाधान करेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शकील अख्तर ने विस्तृत रूपरेखा तैयार की है जिसमें सुबह 11:00 बजे पदाधिकारियों का आगमन एवं भव्य स्वागत, 11:15 से 12:15 संगठन के पदाधिकारियों की विशेष आंतरिक बैठक, दोपहर 12:15 बजे कार्यशाला में आने वाले सदस्यों और अतिथियों का पंजीकरण, दोपहर 12:25 बजे भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन और राष्ट्रगान, दोपहर 12:30 से 01:30 मुख्य सत्र - सभी के लिए निःशुल्क आरटीआई कार्यशाला, दोपहर 01:30 से 02:00 जनता के सुझाव, प्रश्न और विशेषज्ञों के साथ चर्चा, दोपहर 02:00 बजे प्रेस ब्रीफिंग और धन्यवाद ज्ञापन के साथ समापन किया जाएगा। शकील अख्तर के आमंत्रण पर इस आयोजन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पदाधिकारी पहुँच रहे हैं। इनमें मुख्य रूप से केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रदीप राणा, रेणुका तिवारी, चौधरी प्रियबत प्रसाद, महासचिव उमाशंकर सिंह, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार बागवानी समेत रांची, पलामू, खूंटी, रामगढ़ और पश्चिमी सिंहभूम के जिला प्रतिनिधि शामिल होंगे।

♦ अग्रसेन भवन में अधिवक्ता दीपेश निराला सिखाएंगे आरटीआई के गुर

कैरोः जल संकट पर प्रशासन सख्त, लापरवाह कर्मचारियों को बीडीओ की अंतिम चेतावनी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कैरो/लोहरदगाः भीषण गर्मी की दस्तक के साथ ही कैरो प्रखंड प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। मंगलवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी सुश्री छंदा भट्टाचार्य ने विभाग के अधिकारियों और कर्मियों को दो टूक शब्दों में चेतावनी देते हुए विकास कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। बीडीओ छंदा भट्टाचार्य ने प्रखंड के सभी पंचायतों में खराब पड़े चापानलों की स्थिति पर सख्त रुख अपनाया। उन्होंने कर्मियों को निर्देशित किया कि एक सप्ताह के भीतर हर हाल में सभी खराब चापानलों को दुरुस्त किया जाए, ताकि ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही उन्होंने प्रखंड में लगे सोलर जल मीनारों की वर्तमान स्थिति की सूची तलब की है। स्वच्छता के प्रति संजीदगी दिखाते हुए बीडीओ ने कचरा प्रबंधन के तहत डोर टू डोर कचरा संग्रहण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कचरा उठाव ऑटो रिक्शा का नियमित संचालन हो। साथ ही, प्रखंड को खुले में शौच मुक्त बनाए रखने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार और ग्रामीणों को जागरूक करने की बात कही। इस महत्वपूर्ण बैठक में पेयजल स्वच्छता विभाग के कनीय अभियंता सरफराज अंसारी, प्रखंड समन्वयक खालिक अंसारी, मुखिया वीरेंद्र महली, श्रवण मुंडा, अरविंद उरांव, पंचायत सचिव पावन कुमार, जग्गू उरांव और बड़ी संख्या में जल सहिया उपस्थित थीं।

चुनावी जीत के जश्न में डूबा कुड़ूः भाजपाइयों ने गाजे-बाजे के साथ निकाला विजय जुलूस

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कुड़ू/लोहरदगाः पाँच राज्यों के चुनाव परिणाम आने के बाद लोहरदगा जिले के कुड़ू प्रखंड में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। बंगाल, असम और पुडुचेरी में पार्टी की शानदार जीत और मजबूत प्रदर्शन से उत्साहित भाजपाइयों ने मंगलवार को कुड़ू टाउन बस्ती में जमकर जश्न मनाया। इस अवसर पर गाजे-बाजे के साथ एक भव्य विजय जुलूस निकाला गया, जिसमें कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरकते हुए अपनी खुशी का इजहार किया। जुलूस के दौरान भाजपाइयों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर बधाई दी और जमकर आतिशबाजी की। जीत की मिठास साझा करने के लिए स्थानीय लोगों के बीच मिठाइयां भी बांटी गईं।

कार्यकर्ताओं में विशेष रूप से पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों को लेकर जबरदस्त उत्साह दिखा। समर्थकों का कहना था कि बंगाल में भाजपा द्वारा सीटों की डबल सेंचुरी पार करना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जिससे कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है। जीत के नारों के बीच पूरे कुड़ू टाउन में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। इस विजय जुलूस का नेतृत्व मुख्य रूप से नवीन कुमार टिंकू, सरजू साहू, पंकज भारती, संजय चौधरी, कृष्ण मोदी, दीपक पासवान और अरुण साहू ने किया। इनके साथ भारी संख्या में भाजपा समर्थक और स्थानीय ग्रामीण शामिल थे, जिन्होंने पार्टी की इस सफलता को विकास और जनता के विश्वास की जीत बताया।

महायज्ञ समाज और मानवता के कल्याण के लिए किया गया निःस्वार्थ त्याग, महान सेवा या परोपकारी कार्य है : कुमार उज्ज्वल दास

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

इटखोरी (चतरा): कोनी पँचायत के हरदिया बन्थु गांव में शिव प्राण प्रतिष्ठा एवं रुद्रमहायज्ञ में सिमरिया विधायक कुमार उज्ज्वल दास पहुँचे । इस दौरान उन्होंने यज्ञ देवता का आशीर्वाद लिया । मौके पर मण्डल अध्यक्ष कमलेश कुमार सिंह महामंत्री शिवकुमार राणा शक्ति सिंह कोनी पँचायत के हरदिल अजीज मुखीया व मुखीया संघ अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजय भारती भी उपस्थित थे । इस दौरान महायज्ञ कमेटी की ओर से शेखर सिंह समेत अन्य ने विधायक समेत अतिथियों को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया । इस मौके पर कुमार उज्ज्वल दास ने कहा कि महायज्ञ का शाब्दिक अर्थ है "विशाल या पवित्र यज्ञ", जो केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज और मानवता के कल्याण के लिए किया गया निःस्वार्थ त्याग, महान सेवा या परोपकारी कार्य है। महायज्ञ में सभी देवी देवताओं का आह्वान एवं पूजन किया जाता है। इस वैदिक कर्मकांड से यज्ञ में सभी देवता भी विराजमान होते हैं। महायज्ञ कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज सेवी सतीश कुमार सिंह अलखदेव सिंह सुनील सिंह, वीरेंद्र सिंह, रणजीत सिंह,गोकुल सिंह, हृदय सिंह कामदेव राणा रामव्यास सिंह ललन राम कौशल कुमार सिंह,अनमेष सिंह, उमेश राणा शेखर सिंह,राजा सिंह रामप्रवेश राम, बबलू सिंह अजय सिंह निवास सिंह श्याम सिंह बेलन राम तथा सैकड़ो की संख्या मे धर्म प्रेमी सज्जन का नाम शामिल है ।

● हरदिया बन्थु गांव में श्री शिव प्राण प्रतिष्ठा एवं रुद्रमहायज्ञ में पहुँचे विधायक कुमार उज्ज्वल दास

भारत का अनोखा गांव लोंगवा

भारत एक ऐसा देश है जहां के लगभग हर गांव में आपको कुछ अलग रिवाज या कुछ रोचक तथ्य जानने को मिलेंगे। जैसे-किसी गांव में सांप की पूजा होती है, किसी गांव में सिर्फ पुरुष ही खाना बनाते हैं तो कोई गांव काला जादू के लिए जाना जाता है।

भारत में एक ऐसा ही गांव है जिसका नाम है लोंगवा। इस गांव के बारे में कहा जाता है कि यहां के लोग खाते हैं भारत में और सोने के लिए दूसरे देश में पहुंचते हैं। इस लेख में आपको भारत के लोंगवा गांव के बारे में कुछ रोचक तथ्यों के बारे में बताने जा रहे हैं।

लोंगवा गांव कहां है?

इस अनोखे गांव के बारे में बताने से पहले यह जान लेते हैं कि यह कहां है। आपको बता दें कि यह गांव भारत के नागालैंड और म्यांमार की सीमा पर स्थित है। नागालैंड के मोन जिले में स्थित यह गांव भारत का आखिरी गांव भी माना जाता है। (गुजरात में है अफ्रीकी गांव)

इस अनोखे गांव के बारे में एक नहीं बल्कि कई रोचक तथ्य है। कहा जाता है कि सीमा पर होने के चलते इस गांव का आधा हिस्सा भारत में पड़ता है और आधा हिस्स म्यांमार में पड़ता है। इसके अलावा लोंगवा गांव के बारे में कहा जाता है किसी-किसी घर का किचन भारत में स्थित है और सोने के लिए म्यांमार में जाते हैं। यही नहीं भारत के कुछ लोग खेती करने म्यांमार में जाते हैं तो कुछ म्यांमार से भारत में खेती करने आते हैं।

क्या सच में इस गांव के मुखिया की 60 पत्नियां हैं?

इस अनोखे गांव के बारे में अगर सबसे अधिक कुछ चर्चित है तो वो है इस गांव का मुखिया। कहा जाता है कि इस गांव का जो व्यक्ति मुखिया है उनकी 1-2 या 3 नहीं बल्कि 60 पत्नियां हैं। इस मुखिया के बारे में यह भी बोला जाता है कि नागालैंड के साथ-साथ अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार के लगभग 70 से अधिक गांवों में उनका प्रभुत्व है।

क्या इस गांव के लोग म्यांमार की सेना में शामिल हैं?

लोंगवा गांव के बारे में कहा जाता है कि यहां के लोग भारतीय सेना के साथ-साथ म्यांमार की सेना में भी शामिल है। सीमा पर मौजूद होने के बाद कई लोगों के पास दोनों ही देशों में रहने का निवास स्थल है जिसके चलते सेना में शामिल होते रहते हैं। हालांकि, इस गांव के बारे में एक विचित्र कहानी भी है कि इस गांव के लोगों में खोपड़ी पहने का रिवाज है जिसे देखने के बाद एक आम व्यक्ति डर जाता है। आपको बता दें कि इस गांव में घूमने के लिए एक से एक बेहतरीन जगहें भी हैं।

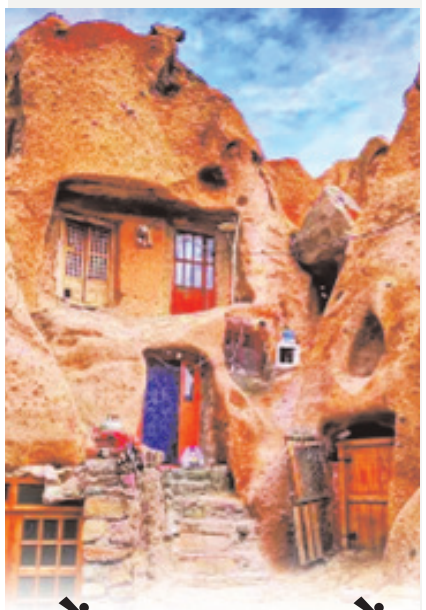

घोंसलानुमा घरों में रहते हैं ईरान के कंदोवन गांव के लोग

हर किसी का सपना अच्छे और आलीशान घर में रहने का होता है. हर कोई चाहता है उसका अपना घर हो तथा उसमें खूब सारी जगह हो. हर कोई चाहता है कि उसका अपना घर ऐसी जगह हो जहां हरियाली हो तथा वहां सूरज की रोशनी आती रहे. जिससे कि वह अपने घर में सुकून से रह सके. हालांकि इस धरती पर एक ऐसा गांव है. जहां के लोग पिछले 700 सालों से घर में नहीं बल्कि घोसले में रहते हैं. यह घर एकदम चिड़ियों के घोंसलों की तरह दिखता है. आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि ये लोग एक दो साल से नहीं, बल्कि कई पीढ़ियों से ऐसे घरों में रह रहे हैं. ऐसा गांव ईरान में है. ईरान के कंदोवन गांव के लोग घोंसलानुमा घरों में रहते हैं. अपनी अजीबोगरीब परंपरा के लिए ये गांव और यहां रहने वाले लोग दुनियाभर में मशहूर हैं. इस गांव के लोग पक्षियों की तरह घोंसले बनाकर रहते हैं. आप भले ही इन घरों को आम घर समझते हैं, लेकिन इस घर की खासियत जानकर आप हैरान रह जाएंगे.

इस घर में सर्दियों में गर्मी और गर्मियों में ठंडी रहती है.

ये घर देखने में भले ही अजीब लगें, लेकिन रहने में काफी आरामदायक है. यह गांव 700 साल पुराना है. यहां रहने वाले लोग न हीटर का इस्तेमाल करते हैं, न ही एसी का इस्तेमाल करते हैं. यहां गर्मी के मौसम में ठंडी रहती है, जबकि सर्दी में गर्मी रहती है. अब आप सोच रहे होंगे कि इन घरों का निर्माण कैसे और क्यों हुआ? यहां रह रहे लोगों के पूर्वजों ने मंगोलों के हमलों से बचने के लिए ये घर बनाए थे. कंदोवन के प्रारंभिक निवासी यहां हमलावर मंगोलों से बचने के लिए आए थे. वे छिपने के लिए ज्वालामुखी चट्टानों में ठिकाना खोदा करते थे तथा वहीं उनका स्थायी घर बन जाता था. दुनियाभर में यह गांव अपने अनोखे घरों के लिए जाना जाता है.

रोजाना सिर्फ 420 मेहमानों को ही मिलती है फर्नांडो डी नोरोन्हा आने की इजाजत

कैदखाने की तरह होता था इस्तेमाल

ब्राजील के फर्नांडो डी नोरोन्हा द्वीप समूह के सफेद रेत वाले तटों और हरे-भरे पहाड़ी जंगलों तक सभी नहीं पहुंच सकते। यहां आने की चाहत रखने वालों की कमी नहीं है, लेकिन रोजाना सिर्फ 420 मेहमानों को ही फर्नांडो डी नोरोन्हा आने की इजाजत मिलती है। ब्राजील के उत्तर-पूर्वी तट से साढ़े तीन सौ किलोमीटर दूर स्थित इन 21 खूबसूरत द्वीपों के तीन चौथाई हिस्से को 1988 में संरक्षित राष्ट्रीय समुद्री वन एवं अभयारण्य घोषित किया गया था। मुख्य द्वीप 28.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है। इसका निर्माण ज्वालामुखीय चट्टानों से हुआ है। इसके आसपास 20 छोटे द्वीप हैं। ये द्वीप हमेशा ऐसे नहीं थे। 16वीं सदी में इसे सबसे पहले पुर्तगाल के समुद्री यात्री फर्नांडो डी नोरोन्हा ने खोजा था। डच और पुर्तगाल दोनों देशों की सेनाएं इसका इस्तेमाल करती थीं, लेकिन 1700 ईस्वी के आसपास इसे जेल में बदल दिया गया था। 20वीं सदी के मध्य तक यहां के मुख्य द्वीप का इस्तेमाल कैदखाने की तरह होता था जहां ब्राजील के सबसे खतरनाक अपराधियों को रखा जाता था। कातिलों, चोरों, बलात्कारियों और राजनीतिक कैदियों को सजा काटने के लिए इस द्वीप पर भेजा जाता था। इतिहासकार ग्रेजिले रोड्रिग्स कहती हैं, लोग फर्नांडो डी नोरोन्हा आते हैं जन्नत के एक हिस्से पर जश्न मनाने के लिए, लेकिन किसी जमाने पर यह बेरहम अपराधियों की जगह होती थी। फर्नांडो डी नोरोन्हा को अब भी एकांत की जगह माना जाता है, हालांकि अब यह उतना अलग-थलग नहीं है जितना पहले कभी हुआ करता था। रोड्रिग्स कहती हैं, 1822 में जब ब्राजील ने पुर्तगाल से आजादी का एलान किया तो इस द्वीप के लोगों को उसके बारे में दो साल बाद पता चला। जन्नत जैसी खूबसूरती के लिए मशहूर इस द्वीप को ब्राजील के लेखक गैस्टाओ पेनाल्वा ने फोरा डो मुंडो कहा था, जिसका मतलब है इस दुनिया से बाहर। फर्नांडो डी नोरोन्हा को यूनेस्को ने वर्ल्ड हेरिटेज साइट घोषित किया है। ब्राजील तट से दूर यह एकमात्र द्वीप है जहां आबादी रहती है।

रोड्रिग्स कहती हैं, आज की तकनीक और इंटरनेट होने के बावजूद यह एक दूर की जगह है। मेरे परदादा यहां 1946 में आए थे। जब उन्होंने लोगों को इस बारे में बताया तो उन्होंने कहा था- क्या तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है? क्या तुम वहां जहां जा रहे हो जहां कुछ भी नहीं है, जो शापित है? अलग-थलग होने के कारण ही 18वीं सदी से लेकर 20वीं सदी तक इस द्वीप का इस्तेमाल कैदखाने की तरह होता रहा। अच्छे चाल-चलन वाले कैदी अपने परिवार वालों को भी यहां भेजने की गुजारिश कर सकते थे। वे आम कैदियों के सेल से अलग रहते थे। यहां की जेल 1957 में बंद कर दी गई, लेकिन कुछ पूर्व कैदी यहां से कभी वापस नहीं गए। उन्होंने इस द्वीप को ही घर बना लिया जहां आज भी उनके वंशज रहते हैं। फर्नांडो डी नोरोन्हा आने वाले मेहमान आज भी उस कैदखाने के खंडहरों को देख सकते हैं, जिन पर अब हरी बेलों ने कब्जा जमा लिया है।

डोमिको आल्वेस कोर्डीरो और डेविड आल्वेस कोर्डीरो सगे भाई हैं। वे इस द्वीप के सबसे पुराने और बुजुर्ग बाशिंदे हैं। उनका जन्म इसी द्वीप पर हुआ था। उनके पिता ने 20वीं सदी की शुरुआत में यहां सजा काटी थी और फर्नांडो डी नोरोन्हा में ही जेल अधिकारी बनकर रह गए। पुराने एलबम को पलटते हुए डोमिको कहते हैं, मेरे पिता एक अपराधी थे और उनको नोरोन्हा भेजा गया था। मेरे दादाजी के खेत थे इसलिए उनको यहां चरवाहे का काम करने के लिए भेजा गया था। कैदी यहां सूरज निकलने से लेकर शाम ढलने तक काम करते थे। जहाजों के रुकने और माल चढ़ाने-उतारने के काम आने वाले सभी तटों पर पहरा होता था। कैदी उन समुद्र तटों पर नहीं जा सकते थे। उनमें से कुछ जेल के मछुआरे होते थे। बाकी कैदी मछुआरे नहीं होते थे, जैसे मेरे पिता। लेकिन उनको मछली पकड़ना अच्छा लगता था। कैदियों और उनके परिवार वालों को द्वीप पर होने वाली गतिविधियों में शरीक होने के लिए इजाजत लेनी पड़ती थी। डेविड आल्वेस कोर्डीरो कहते हैं, जब मैं सात साल का था तब मैंने उनके साथ पहली बार मछली पकड़ी थी। उन दिनों मैं खुद से तट तक नहीं जा सकता था। आज डेविड को लगता है कि आजाद इंसान के लिए नोरोन्हा से बेहतर जगह दूसरी कोई नहीं है। मायरा फ्लॉर भी यहीं रहती हैं। इन दिनों वह गर्भवती हैं और समुद्र तट पर टहलने आई हैं। इस द्वीप पर कोई मैटर्निटी हॉस्पिटल नहीं है इसलिए उनको बच्चे को जन्म देने के लिए ब्राजील के मेनलैंड जाना होगा। मेरा परिवार यहां के सबसे बड़े और पुराने परिवारों में से एक है। मेरी दादी के भाई यहां सेना के लिए काम करने आए थे। कुछ दिनों बाद मायरा की दादी और दादा भी अपने बच्चों के साथ यहां चले आए। मायरा को यहां की शांति सबसे अच्छी लगती है। यहां कोई ट्रैफिक नहीं है। यहां मुझे दूसरी जगहों की तरह दो घंटे के लिए ट्रैफिक में नहीं फंसना पड़ता।

यह द्वीप अटलांटिक महासागर में बड़े ही रणनीतिक महत्व का है। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिका ने यहां अपना सैनिक अड्डा बनाया था। नोरोन्हा के चारों ओर पन्ने जैसी चमकदार गर्म पानी है, जहां झींगा मछलियां, कछुए, उष्णकटिबंधीय मछलियां और डॉल्फिन बहुतायत में मिलती हैं। नोरोन्हा ब्राजील की सबसे पसंदीदा जगहों में से एक है और इसे दक्षिण अमेरिका में डाइविंग और सर्फिंग के लिए सबसे अच्छी जगह माना जाता है। ग्रेजिले रोड्रिग्स कहती हैं, नोरोन्हा दूरदराज की जगह है, फिर भी सुकून के लिए यहां रहना खास है। मायरा को भी लगता है कि यदि उनको कहीं और रहना पड़ता तो वह नोरोन्हा की खूबसूरती को मिस कर देतीं। मैं जानती हूं कि धरती पर कई खूबसूरत जगहें हैं लेकिन मुझे इससे सुंदर दूसरी कोई और जगह नहीं लगती।

इंग्लैंड के जंगलों में दुनिया का पहला ओपन थिएटर

इंग्लैंड के साउथवॉल्ड के जंगलों में दुनिया का पहला ओपन थिएटर बन रहा है, जो इस माह के अंत तक पूरा हो जाएगा। पूरी तरह से लकड़ी से तैयार हो रहे इस थिएटर में 350 लोगो की क्षमता होगी। यहां दिन में पेड़ों की छाया और रात में खुले आसामान के नीचे कार्यक्रम किए जा सकेंगे। इसे खासतौर से पर्यावरण प्रेमियों के लिए ही तैयार किया जा रहा है। यहां थिएटर आर्टिस्ट अपनी अदाकारी दिखाएंगे। साथ ही समय समय पर पर्यावरण के लिए पेड़ों के महत्व को भी समझाएंगे। इस थिएटर का नाम द थोरिंगटन थिएटर रखा गया है। यहां नाटक और म्यूज़िकल कान्टेस्ट आयोजित किए जाएंगे। इस थिएटर को बनाने वाले चार्लोट बान्ड ने बनाया कि इस थिएटर को बनाने में किसी तरह के पेड़ का नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान यहां दो बम गिरे थे, जिसकी वजह से यहां गड्ढा बन गया है और ज्यादा पेड़ न होने के कारण उन्हें थिएटर के लिए जगह मिल गई।

आखिर क्यों ट्रेन के पीछे X का निशान होता है?

X का मतलब होता है कि यह ट्रेन का आखिरी डिब्बा है और ट्रेन के आखिरी डिब्बे पर X के साथ एलवी लिखने का मतलब होता है 'लास्ट व्हीकल'। अगर आप ध्यान देंगे तो एलवी हमेशा एक्स के निशान के साथ लिखा होता है। अगर किसी ट्रेन के पीछे यह निशान नहीं बना होता है, तो इसका अर्थ होता है कि कोई डिब्बा ट्रेन से अलग हो गया है। जिस कारण दुर्घटना होने के सम्भावना ज्यादा रहता है इसलिए दुर्घटना को रोकने के लिए यह निशान बनाया गया है। आपने जरूर देखा होगा की रेलवे क्रोसिंग पर गार्ड ट्रेन को हरी झंडी दिखाता है साथ ही वह यह भी सुनिश्चित करता है कि ट्रेन के लास्ट डब्बे में X का निशान बना हो। रात के समय ये सुनिश्चित करने के लिए क्रोस के निशान के नीचे एक लाल बत्ती लगी होती है जिसे देख कर रात में भी अंदाजा लगाया जाता है कि ट्रेन सेफ है।

बंगाल चुनाव में बिहार का इफेक्ट, सीमावर्ती सीटों पर बीजेपी का प्रदर्शन शानदार

पटना, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के लिए बड़ी चुनौती थी। बंगाल को साधने के लिए बिहार की भूमिका पहले से तय कर दी गई थी। बिहार से सटे विधानसभा क्षेत्र के लिए खास प्लान बनाए गए थे। इसके अलावे बड़ी संख्या में बिहार कार्यकर्ता और नेताओं की तनाती की गई थी। बिहार से सटे जिलों को बिहार बीजेपी ने टारगेट किया था।

बिहार बीजेपी के जिम्मे थी 56 सीटें: बंगाल फतह के लिए बिहार बीजेपी की भूमिका भी तय की गई थी। पार्टी में कुल 56 विधानसभा सीट को टारगेट किया था, जो बिहार की सीमा से या तो सटे थे फिर लगते थे। 56 विधानसभा सीट को फतह करने के लिए खास रणनीति बनाई गई थी।

42 विधानसभा सीट पर प्रभारी थे विधायक: सिलीगुड़ी इलाके में बिहार भाजपा के कार्यकर्ताओं और नेताओं को लगाया गया था। कुल 56 विधानसभा सीट पर कार्यकर्ताओं की तैनाती की गई थी। 56 में से 42 विधानसभा सीट के प्रभारी विधायक थे और बाकी के 14 विधानसभा सीट पर अनुभवी कार्यकर्ताओं को प्रभारी बनाया गया था।

शानदार रहा प्रदर्शन: भारतीय जनता पार्टी ने बिहार यूनिट के कार्यकर्ताओं को मुख्य रूप से सीमावर्ती और रणनीतिक जिलों में तैनात किया था। इनमें खास तौर पर उत्तर दिनाजपुर, मालदा और दार्जिलिंग शामिल थे।इसके अलावा नॉर्थ बंगाल के कूच बिहार, जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार में भी बिहार के कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका दी गई, क्योंकि 2021 में यहां बीजेपी का प्रदर्शन मजबूत रहा था। भाजपा को लगभग 22 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। 2026 में भाजपा ने सीमावर्ती इलाकों में क्लीन शुरू कर दिया और 50 से अधिक सीटों पर जीत हासिल हुई।

बूथ मैनेजमेंट में दक्ष है भाजपा कार्यकर्ता : बिहार के कार्यकर्ताओं पर पार्टी को इसलिए भी भरोसा है कि वह समर्पित भाव से काम करते हैं। बिहार में बीजेपी का संगठनात्मक ढांचा मजबूत और एक्टिव है। यहां के कार्यकर्ता 'बूथ मैनेजमेंट' में प्रशिक्षित माने जाते हैं। राज्य का नहीं होने के कारण स्थानीय राजनीति के दबाव से मुक्त रहते हैं। भाषाओं और सांस्कृतिक मेलजोल का फायदा भी उन इलाकों में पार्टी को मिलता है।

कैसे मिली बीजेपी को जीत: फालाकाटा विधानसभा सीट पर भाजपा ने शशि रंजन को प्रभारी बनाया गया था। इस सीट को भाजपा ने 40000 से अधिक वोटों से जीती है। शशि रंजन कहते हैं, 'बिहार के कार्यकर्ताओं को सिलीगुड़ी जोन में लगाया गया था। वहीं हम लोग लगातार कैंप कर रहे थे। 2021 विधानसभा चुनाव के मुकाबले 2026 में हमने सिलीगुड़ी जोन में शानदार प्रदर्शन किया है।

ममता बनर्जी से त्रस्त थी जनता: विधान पार्षद और भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेश कुमार भी बंगाल में काम कर रहे थे और कोलकाता स्थित पार्टी दफ्तर में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। पश्चिम बंगाल की जनता ममता बनर्जी के गुंडाराज से त्रस्त थी। वहां की जनता मुक्ति चाहती थी और हमारे कार्यकर्ताओं ने अथक प्रयास से ममता बनर्जी को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया।

अहमदाबाद-पटना अमृत भारत एक्सप्रेस का भागलपुर तक होगा विस्तार

पटना, एजेंसी। रेल यात्रियों के लिए एक खुशखबरी सामने आई है। खासकर भागलपुर जिले के लोगों को बड़ी राहत मिलने वाली है। अहमदाबाद-पटना अमृत भारत एक्सप्रेस का विस्तार भागलपुर तक किया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक, पूर्व जिला परिषद सदस्य आशुतोष कुमार के प्रयासों और मांग पर रेल मंत्रालय जल्द ही फैसला ले सकता है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आशुतोष कुमार के आग्रह पर संज्ञान लेते हुए रेलवे बोर्ड के अधिकारियों को इस ट्रेन के मार्ग विस्तार के लिए 'फिजीबिलिटी रिपोर्ट' (व्यवहार्यता रिपोर्ट) तैयार करने का निर्देश दिया है। गौर करने वाली बात यह है कि इस विस्तार के लिए पूर्व रेलवे और पूर्व मध्य रेलवे दोनों ने अपनी आधिकारिक सहमति दे दी है, जिससे अब इस योजना का रास्ता साफ हो गया है।

इसी सिलसिले में पूर्व जिला परिषद सदस्य आशुतोष कुमार ने पूर्व मध्य रेलवे की प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक इंदु दुबे से मुलाकात की। उन्होंने आग्रह किया कि फिजीबिलिटी रिपोर्ट को बिना देरी किए रेलवे बोर्ड को भेजा जाए। आशुतोष कुमार की तत्परता और विषय की महत्ता को देखते हुए, इंदु दुबे ने रिपोर्ट भेजने की कार्रवाई सुनिश्चित कर दी है। इस ट्रेन के भागलपुर तक विस्तारित होने से मिडिल क्लास के यात्रियों और छात्रों को फायदा हो सकेगा।अब भागलपुर, मुंगेर और लखीसराय के लोग सीधे रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर और आगरा जैसे प्रमुख शहरों तक पहुंच सकेंगे।

संक्षिप्त समाचार

बक्सर के सदर अस्पताल का ड्यूटी चार्ट

बक्सर, एजेंसी। बक्सर के सदर अस्पताल में सोमवार को रहने वाले डॉक्टरों के ड्यूटी का समय आ चुका है। जिसमें जेनरल ओपीडी, सर्जरी ओपीडी, एमसीडी ओपीडी, ऑर्थो, सुबह इमरेजेसी, रात इमरेजेसी और पोस्टमार्टम का समय शामिल है। जिले के सदर अस्पताल में जेनरल ओपीडी का समय सुबह 9 बजे से दोपहर के 2 बजे तक और शाम 4 बजे से 6 बजे तक रहेगा। इस दौरान डॉक्टर एस सी मिश्रा ड्यूटी पर रहेंगे। सर्जरी ओपीडी का समय सुबह 9 बजे से दोपहर के 2 बजे तक और शाम 4 बजे से 6 बजे तक रहेगा। इस दौरान डॉक्टर संजय पासवान लोगों का इलाज करेंगे। वहीं आयुष विभाग में डॉक्टर इरफान बैठेंगे। जिसका समय सुबह 9 बजे से दोपहर के 2 बजे तक और शाम 4 बजे से 6 बजे तक रहेगा। एमसीडी ओपीडी में डॉक्टर संजय कुमार सुबह 9 बजे से दोपहर के 2 बजे तक और शाम 4 बजे से 6 बजे तक रहेंगे, वहीं सुबह के इमरजेंसी में डाक्टर अमीत और डाक्टर एस पासवान लोगों का इलाज करेंगे और शाम के इमरजेंसी में डाक्टर संजय सिंह रहेंगे। जिसका समय शाम 3 बजे से रात 9 बजे तक रहेगा। रात के इमरजेंसी का समय रात 9 बजे से सुबह के 9 बजे तक रहेगा। इस दौरान डॉक्टर आरके भारती ड्यूटी में रहेंगे।

युवक की हत्या कर शव बहियार में फेंका

लखीसराय, एजेंसी। कवैया थाना क्षेत्र के संसार पोखर बहियार से मंगलवार की सुबह खून से लथपथ एक युवक का शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी है। शव की पहचान वार्ड नंबर 17 पचना रोड बाइपास चौक निवासी टुनटुन यादव का 25 वर्षीय पुत्र राजा कुमार के रूप में की गयी। लखीसराय से राजेश कुमार व देव कुमार की रिपोर्ट : जिले के कवैया थाना क्षेत्र के संसार पोखर बहियार से मंगलवार की सुबह खून से लथपथ एक युवक का शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी है। शव की पहचान वार्ड नंबर 17 पचना रोड बाइपास चौक निवासी टुनटुन यादव का 25 वर्षीय पुत्र राजा कुमार के रूप में की गयी। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि शव का एक पैर पूरी तरह से कटा हुआ है तथा शरीर के कई हिस्सों में तेज धारदार हथियार से वार किया हुआ है, जबकि गले में रस्सी भी लेपेटा हुआ है। वहीं घटना की सूचना मिलने पर कवैया थानाध्यक्ष रणधीर कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी दलबल के साथ मौके पर पहुंच जांच में जुट गयी है। हत्या का कारण अलग-अलग तरह की बातें सामने आ रही है। वहीं परिजन हत्या का कारण भूमि विवाद बता रहे हैं। विदित हो कि टुनटुन यादव का जमीन को लेकर कई लोगों को विवाद चल रहा था। पुलिस को शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भिजवा दिया है।

पटना जंक्शन पर ट्रेन की इंतजार में खड़ी महिला से छिनतई, जांच में जुटी पुलिस

पटना, एजेंसी। बिहार में अपराधिक घटनाएं चरम पर है। बेखौफ अपराधी आए दिन घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामला राजधानी पटना का है। जहां एक बार फिर बदमाशों ने चेन छिनतई की घटना को अंजाम दिया है। घटना पटना जंक्शन के प्लेटफॉर्म नबंर-5 की है। बदमाश ने महिला की गले से सोने की चेन को छीनकर मौके से फरार हो गया हैं। घटना के बाद मौके पर दहशत फैल गई। महिला की पहचान न्यू एतवारपुर लालू पथ की रहने वाली पूनम कुमारी के रुप में हुई है। पूनम कुमारी के गले से एक बदमाश ने झपट्टा मार कर सोने की चेन छीन लिया और फरार हो गया। जानकारी अनुसार पूनम कुमारी अपने एक परिजन को अजीमाबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस में चढ़ाने के लिए आई हुई थी। पूनम प्लेटफॉर्म नंबर-5 पर खड़ी होकर ट्रेन का इंतजार कर रही थी। तभी बदमाश ने घटना को अंजाम दे दिया। पूनम के अनुसार अचानक एक युवक उनके करीब पहुंचा और झपट्टा मारकर सोने की चेन को छीन लिया और रेलवे ट्रैक की ओर कूद गया। इसके बाद फिर से वह कुछ आगे बढ़ कर प्लेटफॉर्म पर चढ़ गया। पूनम ने उसे पकड़ने की कोशिश की लेकिन बदमाश फरार होने में सफल रहा।पूनम के अनुसार उनकी चेन 18 ग्राम थी और उसकी कीमत 1।50 लाख से अधिक है। इस संबंध में पूनम के बयान पर पटना जंक्शन रेल थाने में केस दर्ज कर जांच की जा रही है। फिलहाल रेल पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, और मामले की जांच में जुटी हुई है।

कैमूर एकता चौक और जयप्रकाश चौक पर रोजाना लगती हैं भीषण जाम

कैमूर, एजेंसी। बिहार के कैमूर में मंगलवार को ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। यात्री बसों के अव्यवस्थित पार्किंग के कारण ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित रही। भभुआ शहर के एकता चौक, जयप्रकाश चौक और मोहनिया शहर का स्टोअर,गंज बाजार,भभुआ-मोहनिया सड़क पर सुबह से ही भारी जाम की स्थिति देखने को मिली। गाड़ियां सड़कों पर घंटों रेंगती हुई दिखाई दे रही थीं। जानकारी अनुसार एकता चौक पर यात्री बसों के खड़े करने और भारी ट्रैफिक के चलते वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही हैं। भारी जाम के बीच गाड़ियां रेंगते हुए अपने गंतव्य के लिए रवाना हो रही थी।स्थानीय लोगों का कहना है कि भभुआ शहर में एकता चौक से बसों के खुलने और स्कूल-कॉलेज सहित सिविल कोर्ट के मॉर्निंग होने से जाम का नजारा अक्सर लगा रहता है।

भारत यात्रा पर बोधगया पहुंचे वियतनामी राष्ट्रपति, महाबोधि मंदिर में पूजा-अर्चना

गयाजी, एजेंसी। मंगलवार को वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम बोधगया पहुंचे। पहले गया इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, राज्यपाल सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन व स्पीकर डॉ। प्रेम कुमार ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। इस दौरान प्रशासनिक विभाग के कई अधिकारी एवं भाजपा के वरिष्ठ नेतागण भी मौजूद थे।

वियतनामी मठ का दौरा: गया एयरपोर्ट से वियतनाम के राष्ट्रपति सड़क मार्ग से बोधगया के लिए रवाना हो गए, जहां उन्होंने विश्व धरोहर महाबोधि मंदिर में विशेष रूप से पूजा-अर्चना की। साथ ही पवित्र बोधिवृक्ष के नीचे ध्यान लगाया। इसके बाद वे वियतनामी मठ के लिए भी रवाना हुए। दिनभर कार्यक्रम के बाद देर संध्या वे वापस दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम: वियतनामी राष्ट्रपति तो लाम के बिहार दौरे को लेकर बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। साथ ही कई सड़क मार्ग को डाइवर्ट भी किया गया है। मौके पर मौजूद बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ। प्रेम कुमार ने कहा कि वियतनाम के राष्ट्रपति एक दिवसीय दौरे पर बोधगया आए हैं। जहां मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित हमलोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया है।

बंगाल में होगा विकास': दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत पर स्पीकर डॉ। प्रेम कुमार ने कहा कि 'यह बंगाल के जनता की जीत है। जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में विश्वास जताया है। आने वाले समय में वहां डबल इंजन की सरकार बनेगी और पश्चिम बंगाल का व्यापक विकास होगा। प्रधानमंत्री का सपना विकसित देश और विकसित राज्य का है। आने वाले समय में इसका फलाफल बंगाल में देखने को मिलेगा।

24 घंटे में 24 की मौत

बिहार में जानलेवा हुई बारिश

कटिहार, एजेंसी। बिहार में पिछले 24 घंटे में बारिश ने कहर बरपाया है। आंधी, पानी और व्रजपात की चपेट में आने से 20 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जबकि कई घायल है। सबसे ज्यादा मौत गयाजी और औरंगाबाद जिले में देखने को मिली। इन मौतों के बाद मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर से मृतकों के परिवार को 4-4 लाख मुखावजे की घोषणा की गई है।

मई की बारिश बिहार के लिए बनी जानलेवा : बिहार के कई जिलों में सोमवार सुबह से उमस भरी गर्मी महसूस की गई। इसके बाद मौसम ने पलटी मारी। शाम 4 बजे के बाद आसमान में काले बादलों ने डेरा डालना शुरू किया। इसके बाद शाम होते-होते आंधी-बारिश और व्रजपात ने कहर बरपाना शुरू किया।

एक दिन में 24 लोगों की मौत : पटना जिले के बाढ़ में पेड़ और दीवार गिरने से 2 की मौत, पूर्वी चंपारण में 5 लोगों की मौत, गयाजी में 4 की मौत, औरंगाबाद में व्रजपात से 3 की मौत, गयाजी के शेरघाटी, टिकारी और कोंच में 5 लोगों की मौत, रोहतास जिले में 1 की मौत, वैशाली के लालगंज में एक महिला और संदेश थाना क्षेत्र में एक युवक की मौत, सीतामढ़ी में 2 की मौत हुई है।

कटिहार में बड़ा हादसा टला: कटिहार रेल मंडल के आजमनगर स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 के पास एक बड़ा हादसा टल गया, जब करीब 25 हजार वोल्ट के हाईटेंशन ओवरहेड तार पर पेड़ की भारी डाल गिर गई और भीषण आग लग गई। तेज हवाओं के कारण टूटी डाल सीधे बिजली के तार पर गिरी, जिससे चिंगारियां उठीं और पूरा इलाका धुएं से भर गया। यात्रियों में दहशत फैल गई।

रेल परिचालन एक घंटे तक प्रभावित: इस घटना से गाड़ी संख्या 55708 (कटिहार-राधिकापुर पैसेंजर) प्लेटफॉर्म पर करीब एक घंटे तक खड़ी रही। यात्री इंतजार करते रहे, जबकि रेलवे कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। सीनियर डीसीएम अनूप कुमार सिंह ने बताया कि तेज बारिश और तूफान के कारण यह घटना हुई। इंजीनियरिंग टीम की त्वरित कार्रवाई से आग पर काबू पाया गया और रेल परिचालन सामान्य हो गया। किसी प्रकार के जान-माल की हानि नहीं हुई।

'प्रारंभिक जानकारी के अनुसार तेज बारिश और तूफान के कारण पेड़ की डाली टूटकर हाईटेंशन तार पर गिर गई, जिसके चलते यह आग लगी। स्थिति पर तुरंत काबू पा लिया गया और रेल परिचालन को सामान्य कर दिया गया है। '-अनूप कुमार सिंह, सीनियर डीसीएम

सीतामढ़ी में दो महिलाओं की मौत: सीतामढ़ी जिले में तेज आंधी-बारिश ने भारी तबाही मचाई। नगर थाना क्षेत्र के मालीपुर पकड़ी चौक पर बिजली का पोल गिरने से दो महिलाओं की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक रकीबा खातून और निखत परवीन की पहचान हुई है। रकीबा खातून इलाज कराकर लौट रही थीं, तभी यह हादसा हो गया। परिजनों ने बिजली विभाग की लापरवाही पर सवाल उठाए हैं।

जर्जर बुनियादी ढांचे पर सवाल: सीतामढ़ी में कई जगहों पर पेड़ और बिजली के पोल गिरने से आवागमन बाधित रहा तथा बिजली आपूर्ति घंटों तक ठप रही। स्थानीय लोगों में आक्रोश है कि जर्जर पोल लंबे समय से खतरा बने हुए थे, लेकिन विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। घायल गुलाम हुसैन का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है।

रोहतास में आकाशीय बिजली का प्रकोप: रोहतास जिले के डेहरी मुफ्फसिल के पहलेजा में कोयला पोड़ा कार्य स्थल पर आकाशीय बिजली गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई। 25 वर्षीय बलवंत पासवान परमेश्वर बिगहा निवासी की मौके पर ही मौत हो गई।

लाइफलाइन कटी: पुल टूटने से भागलपुर में दूध-सब्जी का संकट, नाव के भरोसे किसान और व्यापारी

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के भागलपुर की लाइफलाइन विक्रमशिला सेतु के बीच का हिस्सा टूट गया। इसके बाद मानो शहर की रफ्तार और हजारों परिवारों की उम्मीदें एक झटके में थम गईं। पिलर संख्या 133 के पास स्लैब गंगा में समा जाना महज तकनीकी खराबी नहीं है, बल्कि यह उन हजारों किसानों और छोटे व्यापारियों के लिए किसी आपदा से कम नहीं है, जिनकी रोजी-रोटी इसी पुल के सहारे चलती थी। नवगछिया से भागलपुर के बीच छोटे-मोटे व्यापारी का आना-जाना होता था, लेकिन अब आवागमन थम सा गया।

किसानों के सामने संकट: विक्रमशिला सेतु टूटने का सबसे सीधा असर किसानों पर पड़ा है, जो हर सुबह अपनी साइकिलों या बाइक पर सब्जियां, फल और दूध लादकर 30 किलोमीटर का सफर तय कर भागलपुर शहर पहुंचते थे। पुल गिरने से अब रास्ता बंद हो गया है। जिन खेतों की हरी सब्जियां सुबह 7 बजे तक मंडी पहुंच जाती थी, अब वह अब खेतों में ही मुरझाने लगी हैं।

नाव बना सहारा: किसानों को अब निजी नावों का सहारा लेना पड़ रहा। किसानों ने बताया कि 'साइकिल पर बोरा लादकर नाव में चढ़ना और उतारना न केवल जोखिम भरा है, बल्कि समय और पैसा दोनों दोगुना लग रहा।

मालवाहक गाड़ियों के लिए तो मुसीबत और बड़ी है। उन्हें अब लंबी दूरी तय कर वैकल्पिक रास्तों से आना पड़ रहा है। इससे माल ढुलाई का खर्च बढ़ गया है। इसका सीधा असर अब आम जनता की जेब पर पड़ेगा।

प्रशासनिक मुस्तैदी: घटना को गंभीरता से देखते हुए डीएम नवल किशोर चौधरी और एसएसपी प्रमोद यादव ने मोर्चा संभाल लिया है। समीक्षा भवन में प्रेस वार्ता के बाद प्रशासन ने आम लोगों के लिए राहत का ऐलान किया है। प्रशासन की ओर से अब निःशुल्क सरकारी नावों का संचालन किया जा रहा। डीएम ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा के मद्देनजर ये नावें सूर्योदय से सूर्यास्त तक ही चलेंगी। एक बार में 50 से अधिक लोग सवार नहीं होंगे।

बिहार विधायक उपचुनाव में बीजेपी की निर्विरोध जीत, अरविंद शर्मा को मिला सर्टिफिकेट

पटना, एजेंसी। बिहार एमएलसी उपचुनाव के नतीजे आ गए। एक सीट पर चुनाव होना था, लेकिन बीजेपी प्रत्याशी सूर्य कुमार शर्मा उर्फ अरविंद शर्मा निर्विरोध निर्वाचित हो गए। बिहार विधान परिषद की ओर से निर्वाचित घोषित किया गया। रिटर्निंग ऑफिसर छोटे पासवान ने सूर्य कुमार शर्मा को निर्वाचन प्रमाण पत्र दे दिया है।

सीएम सम्राट चौधरी ने दी बधाई: सूर्य कुमार शर्मा के निर्विरोध चुने जाने पर सीएम सम्राट चौधरी ने बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया ङ्क पर पोस्ट करते हुए लिखा।।'बिहार विधान परिषद की विधानसभा कोटे की सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा सूर्य कुमार शर्मा (अरविंद शर्मा) जी का निर्विरोध निर्वाचित होना उनके संपूर्ण, सतत जनसेवा और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उनकी मेहनत, निष्ठा और जनहित के प्रति लगन सराहनीय है। हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं।'

30 अप्रैल को नामांकन किये थे

सूर्य कुमार शर्मा : पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे एमलएसी रहते हुए बिहार विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी। इसके बाद यह सीट खाली थी। इस सीट पर कई दावेदार थे, लेकिन बीजेपी ने सूर्य कुमार शर्मा को उम्मीदवार बनाया था। 30 अप्रैल 2026 को इन्होंने एमएलसी के लिए नामांकन किया था। आखिर में निर्विरोध निर्वाचित हुए।

बीजेपी के पुराने कार्यकर्ता रहे हैं: सूर्य कुमार शर्मा बीजेपी के सबसे पुराने कार्यकर्ता रहे हैं। भूमिहार जाति से आते हैं और एक अनुभवी नेता के रूप में जाने जाते हैं। वर्तमान में बीजेपी कार्यालय के प्रभारी भी हैं। अब एमएलसी भी बन गए हैं। एमएलसी बनने के बाद इन्हें पार्टी की ओर से नेता शुभकामनाएं भी दिए।

जानें कौन थे ओम प्रकाश सराफ, मरणोपरांत नेत्रदान कर दो जिंदगियों को रोशनी देने का काम किया

सांस छोड़ते-छोड़ते भी 2 लोगों की जिंदगी में भर दी रोशनी

दरभंगा, एजेंसी। कहते हैं जब जीवन की यात्रा पूरी होती है, तब भी कुछ लोग दूसरों के जीवन में उजाला छोड़ जाते हैं। वैसे भी इंसान की पहचान उसके अच्छे कर्मों से होती है। जब कोई अपने जीवन में ऐसा कुछ कर जाए, जिससे उसके जाने के बाद भी लोग उसे सदियों तक याद रखें, तो वही इंसान असली मायने में अमर हो जाता है।

मृत्यु के बाद भी 2 लोगों की जिंदगी में भर दी रोशनी : सोचिए, अगर आपकी आंखें आपके मरने के बाद किसी नेत्रहीन को रोशनी दे सकें, तो उससे बड़ा पुण्य और क्या हो सकता है। कुछ ऐसा ही दरभंगा के उद्योगपति 70 वर्षीय ओम प्रकाश सराफ के मरणोपरांत नेत्रदान कर दो जिंदगियों को रोशनी देने का काम किया गया। उनका यह निर्णय न केवल परिवार, बल्कि पूरे समाज के लिए एक प्रेरणा बन गया।

समाज को मानवता का संदेश : दरअसल, सोमवार को दरभंगा के मिर्जापुर निवासी 70 वर्षीय उद्योगपति स्व। ओम प्रकाश सराफ के निधन के बाद उनके परिवार ने दधीचि देहदान समिति की पहल पर उनके नेत्रदान का निर्णय लिया। इस नेक कार्य से उन्होंने मृत्यु के बाद भी दो नेत्रहीनों की जिंदगी को रोशनी देकर समाज को मानवता का एक प्रेरक संदेश दिया है।

नेत्रदान की प्रक्रिया दरभंगा मेडिकल कॉलेज के नेत्र बैंक की टीम द्वारा पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ संपन्न की गई। इस कार्य में डॉ। रश्मि कुमारी, डॉ। रजनीश कुमार, डॉ। प्रतीक प्रभाकर, सिस्टर पूनम कुमारी एवं सिस्टर चांदनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को शुभंकरपुर स्थित श्मशान घाट पर सनातन परम्परा से किया गया।

''ओम प्रकाश सराफ के परिवार के इस साहसिक और प्रेरणादायक निर्णय के लिए आभार व्यक्त करते हैं। समाज से अधिक से अधिक लोगों को नेत्रदान के लिए आगे आने का आह्वान कर रहे हैं।'' **-मनमोहन सरावगी,** क्षेत्रीय मंत्री, दधीचि देहदान समिति

सैकड़ों लोगों को दिया रोजगार : ओम प्रकाश आठ भाइयों में पांचवें स्थान पर थे। अपने पीछे वह पुत्र अभिषेक सराफ, पुत्री निकिता, पौत्र पौत्री पीहू सराफ और सार्थक सराफ छोड़ गए। उन्होंने श्री बालाजी इंडस्ट्रीज, श्री खाटू श्याम इंडस्ट्रीज एवं एस।एस। इंडस्ट्रीज के माध्यम से सैकड़ों परिवारों के घर का चूल्हा जलाने का काम किया।

नम आंखों से श्रद्धांजलि : इस भावुक क्षण में परिवार के सदस्य एवं समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नेत्रदान जैसे महान कार्य की सराहना की। दधीचि देहदान समिति की ओर से क्षेत्रीय मंत्री मनमोहन सरावगी एवं कुमार आदर्श की उपस्थिति रही। समिति ने परिवार के इस साहसिक और प्रेरणादायक निर्णय के लिए आभार व्यक्त करते हुए समाज से अधिक से अधिक लोगों को नेत्रदान के लिए आगे आने का आह्वान किया।

विचार-मंथन

संपादकीय

नफरती भाषणों पर कानून क्यों बेअसर? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से उठे बड़े सवाल

हाल के वर्षों में कुछ नेताओं ने न केवल लोगों की भावनाएं भड़काने वाले भाषण दिए, बल्कि इस बात का खयाल रखना भी जरूरी नहीं समझा कि इससे देश में अलग-अलग समुदायों के बीच सद्भाव को नुकसान पहुंच सकता है और विषम हालात भी पैदा हो सकते हैं।पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश की राजनीति में लोगों के बीच नफरत फैलाने वाले बयानों या भड़काऊ भाषणों के जरिए सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिशें चिंता का कारण बनती रही हैं। ऐसे अनेक मौके सामने आए, जिनमें किसी नेता पर राजनीतिक स्वार्थ साधने या फायदा उठाने की मंशा से ऐसी बयानबाजियां करने या नारे लगाने के आरोप लगे, जिससे सामाजिक सद्भाव बिगड़ने की आशंका पैदा हुई। मगर ऐसे नेताओं को जहां कानून के कठघरे में खड़ा किया जाना चाहिए था, वहां उनके प्रति पुलिस या शासन-तंत्र ने एक तरह से नरम रवैया अपनाया।शायद इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर बढ़ते नफरती भाषणों की समस्या से निपटने के लिए दिशानिर्देश जारी करने की मांग की गई थी। मगर इस मसले पर सुनवाई के बाद अदालत ने कहा कि वर्तमान कानून का ढांचा लोगों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने या सार्वजनिक शांति को भंग करने वाली हरकतों से सक्षम तरीके से निपटता है। इसमें भारतीय दंड संहिता और अन्य संबंधित कानूनों के प्रावधान शामिल हैं।जाहिर है, मौजूदा कानूनी प्रावधानों के संदर्भ में अदालत ने एक तरह से स्थिति स्पष्ट कर दी है। मगर इससे इतर नफरती भाषणों के जरिए अगर लोगों के बीच विद्वेष फैलाने की कोशिश की जाती है, तो इसकी नए सिरे से व्याख्या करने और उसे कानूनी दायरे में लाने की जरूरत है। इस संदर्भ में अदालत ने स्पष्ट किया कि अपराध की व्याख्या या उसे परिभाषित करना और सजा तय करना पूरी तरह विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। ऐसे में अदालत केवल सुधारों की जरूरत की ओर विधायिका और कार्यपालिका का ध्यान खींच सकती है।अदालत की यह टिप्पणी अहम है कि नफरती भाषणों के संदर्भ में याचिकाकर्ताओं की शिकायत कानून के अभाव में नहीं, बल्कि उसके लागू होने में कमी से पैदा होती है। ऐसी शिकायतें आम रही हैं कि कानूनी प्रावधान होने के बावजूद कई मामलों में पुलिस या तो आरोपों की अनदेखी करती है या फिर कमजोर धाराओं के तहत मामला दर्ज करती है। नतीजतन, जिन गतिविधियों की वजह से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए थी, उसके विरुद्ध कानून लाचार नजर आता है।दरअसल, हाल के वर्षों में कुछ नेताओं ने न केवल लोगों की भावनाएं भड़काने वाले भाषण दिए, बल्कि इस बात का खयाल रखना भी जरूरी नहीं समझा कि इससे देश में अलग-अलग समुदायों के बीच सद्भाव को नुकसान पहुंच सकता है और विषम हालात भी पैदा हो सकते हैं। मगर ऐसे आपत्तिजनक भाषण देने वाले लोगों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने को लेकर सरकारों के भीतर ईमानदार इच्छाशक्ति का अभाव दिखता रहा है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि इस तरह की प्रवृत्ति की अनदेखी करने या सुविधाजनक तरीके से कुछ नेताओं के नफरती भाषणों के प्रति आंखें मूंद लेने का नुकसान आखिरकार आम जनता और देश को उठाना पड़ेगा।शीर्ष अदालत ने भी इसी संदर्भ में कहा कि नफरती भाषण और अफवाह फैलाने से जुड़े मुद्दे सीधे तौर पर भाईचारे, गरिमा और संवैधानिक व्यवस्था के संरक्षण से जुड़े हैं। कायदे से कुछ संवेदनशील स्थितियों के बावजूद अगर मौजूदा कानूनी प्रावधानों का दायरा सीमित है, तो यह केंद्र और राज्य सरकारों पर निर्भर है कि वे बदलते परिदृश्यों तथा चुनौतियों के मद्देनजर आगे किसी ठोस कानूनी उपाय की जरूरत पर विचार करें।

आम परिवारों ने खपत कम कर दी है और बचत पर जोर दे रहे हैं। ऊपरी तौर पर तो कोई व्यवधान या निराशा नहीं दिखती, लेकिन ग्रामीण इलाकों में जाने पर लोगों की चिंता साफ झलकती है। प्रधानमंत्री चार राज्यों के विधानसभा चुनावों और सितंबर, 2023 में पारित महिला आरक्षण विधेयक को पुन- अधिनियमित कराने के रणनीतिक अभियान में व्यस्त हैं। वे पांच मई के बाद ही शासन पर ध्यान दे सकते हैं।

अलग-थलग पड़ता भारत- ईरान युद्ध में उलझी विदेश नीति, महंगाई बनी सबसे बड़ी चिंता

(पी. चिदंबरम)

भारत का झुकाव इजराइल की ओर रहा है- हाल ही में भारत ने इजराइल की आलोचना से संबंधित ब्रिक्स देशों के मसविदा प्रस्ताव पर वीटो किया था। फिर भी, अमेरिका-इजराइल गठबंधन ने भारत को 'अलग' रखा है और इसके बजाय शांति वार्ता के लिए मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान को तरजीह दी। अमेरिका और इजराइल का ईरान के खिलाफ युद्ध कोई दूर की लड़ाई नहीं है। यह परिदृश्य पश्चिम एशिया का है, जो भारतीय उपमहाद्वीप के पड़ोस में है। लाखों भारतीय इस क्षेत्र में रहते और काम करते हैं। लाखों भारतीय शिया मुसलमानों का ईरान के लोगों के साथ गहरा संबंध है। कहा जाता है कि भारत का ईरान के साथ पारंपरिक रूप से लंबा और ऐतिहासिक संबंध रहा है। साथ ही यह दावा भी किया जाता है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत के ईरान के साथ घनिष्ठ व्यापारिक और आर्थिक संबंध स्थापित हुए हैं- उदाहरण के लिए चाबहार बंदरगाह का विकास। मगर भाजपा सरकार के कार्यकाल में ये दावे कमजोर पड़ गए हैं। इसका एक कारण इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच घनिष्ठ मित्रता है।

नहीं रही पहले जैसी साख : एक समय था, जब किसी भी संघर्ष की स्थिति में शांतिदूत के रूप में भारत की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती थी। मगर, इस बार 28 फरवरी, 2026 को युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका और इजराइल दोनों ने भारत से जानबूझकर दूरी बनाए रखी। जबकि ईरान समय-समय पर भारत को जानकारी देता रहा। भारत का झुकाव इजराइल की ओर रहा है- हाल ही में भारत ने इजराइल की आलोचना से संबंधित ब्रिक्स देशों के मसविदा प्रस्ताव पर वीटो किया था। फिर भी, अमेरिका-इजराइल गठबंधन ने भारत को 'अलग' रखा है और इसके बजाय शांति वार्ता के लिए मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान को तरजीह दी। भारत अब यह दिखावा नहीं कर सकता कि पश्चिम एशिया में युद्ध से उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। इसने दुनिया के अधिकांश देशों की अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचाया है, विशेष रूप से उन देशों को, जिनका वैश्विक व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला और समुद्री हितों में महत्त्वपूर्ण स्थान है। आइए, 28 फरवरी, 2026 को युद्ध शुरू होने के बाद से भारत के आर्थिक संकेतकों पर नजर डालें दुनिया अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के झूठे दावों और धमकियों से वाकिफ है। उनके इन दावों पर किसी ने विश्वास नहीं किया कि ईरान की वायुसेना और नौसेना पूरी तरह नष्ट हो चुकी है, या ईरान के पास अब कोई सैन्य संपत्ति नहीं बची है, ईरान में 'सत्ता' बदल गई है (एक या दो बार?), या ईरान ने अमेरिकी प्रस्तावों को स्वीकार कर लिया है, या (अलग-अलग समय पर) युद्धविराम हो गया है। ट्रंप युद्ध रोकते हैं, उसे दोबारा शुरू करते हैं, और फिर विराम की घोषणा करते हैं। इस बीच, ईरान और लेबनान पर इजराइल हमले जारी रखता है, और ईरान जवाबी कार्रवाई करता है। दुनिया जानती है कि 28 फरवरी को शुरू हुआ युद्ध कभी रुका नहीं।

सब कुछ सामान्य नहीं : सरकार का दावा है कि 'सब कुछ सामान्य है'। आरबीआइ युद्ध की कीमत और परिणामों के प्रति अधिक जागरूक प्रतीत होता है। अप्रैल के बुलेटिन में आरबीआइ ने 'वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव', 'ईंधन और खाद्य पदार्थों के कारण महंगाई', 'बांड से आय', 'विदेशी निवेश के प्रवाह में अस्थिरता' और 'आयात में मंदी' का उल्लेख किया तथा चेतावनी दी कि 'यदि संघर्ष जारी रहा और आपूर्ति श्रृंखलाओं को शीघ्र बहाल नहीं किया गया, तो इससे घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं।' पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर रखने के अलावा (संभवत- चुनावों के कारण) सरकार ने नाममात्र के ही कदम उठाए हैं। ऐसा लगता है कि सरकार एक मूकदर्शक बनकर घटनाक्रमों को देख रही है और चुपचाप प्रार्थना कर रही है कि इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को कोई नुकसान न पहुंचे। भारत के लोग जुझारू और धैर्यवान हैं। वे जानते हैं कि सरकार से उन्हें बहुत कम मदद मिलने की उम्मीद है। वे अपनी नौकरियों और आय को बचाने के लिए चिंतित हैं। एलपीजी की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति की अनिश्चितता के कारण घरों तथा भोजनालयों में लकड़ी का इस्तेमाल शुरू हो गया है। आम परिवारों ने खपत कम कर दी है और बचत पर जोर दे रहे हैं। ऊपरी तौर पर तो कोई व्यवधान या निराशा नहीं दिखती, लेकिन ग्रामीण इलाकों में जाने पर लोगों की चिंता साफ झलकती है। प्रधानमंत्री चार राज्यों के विधानसभा चुनावों और सितंबर, 2023 में पारित महिला आरक्षण विधेयक को पुन- अधिनियमित कराने के रणनीतिक अभियान में व्यस्त हैं। वे पांच मई के बाद ही शासन पर ध्यान दे सकते हैं।

सरकार और कदम उठा सकती है : सरकार लोगों के जीवन को सुगम बनाने और उनकी आय बढ़ाने के लिए और भी बहुत कुछ कर सकती है सरकार मनरेगा के तहत बकाया मजदूरी का भुगतान कर सकती है तथा राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के निरस्त होने और कथित रूप से पुन- लागू होने के बाद से अधर में लटके कार्यक्रम को दोबारा शुरू कर सकती है। ग्रामीण सड़क कार्यक्रम (पीएमजीएसवाई) में तेजी लाई जा सकती है और वर्ष 2026-27 में आबंटित 19,000 करोड़ रुपए 6-8 महीनों में खर्च किए जा सकते हैं (2025-26 में बिना खर्च किए गए 6,871 करोड़ रुपए के विपरीत), और अधिक धनराशि आबंटित की जा सकती है। वर्ष 2025-26 में पेयजल मिशन (जल जीवन) के लिए अनुमानित बजट 67,000 करोड़ रुपए था, लेकिन संशोधित बजट सिर्फ 17,000 करोड़ रुपए रहा। वर्ष 2026-27 के लिए बजट में निर्धारित 67,670 करोड़ रुपए अग्रिम रूप से आबंटित किए जा सकते हैं और राज्य सरकारों को तुरंत धनराशि जारी की जा सकती है। कोविड महामारी के दौरान किए गए वादे (जिसे पूरा नहीं किया गया) के विपरीत सरकार को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को ऋण देने में हुए नुकसान की भरपाई के लिए स्पष्ट रूप से धनराशि निर्धारित करनी चाहिए तथा बैंकों को ऋण जल्द वितरित करने का निर्देश देना चाहिए, ताकि इस क्षेत्र को गति मिल सके, जो अभी भी मंदी में है। निष्क्रिय बने रहने के बजाय, सार्वजनिक सुविधाओं के प्रावधान, रोजगार सृजन और लोगों की आय बढ़ाने पर खर्च करना निश्चित रूप से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध की कीमत एवं परिणामों से निपटने के लिए प्रभावी उपाय हैं।

सर्प वंश की विष वर्षा को आमंत्रित करता बंगाल

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

बंगाल में लोकतांत्रिक व्यवस्था पर आतंक का ग्रहण लग चुका है। चुनाव काल में भय का वातावरण चारों ओर देखने को मिला। तृणमूल कांग्रेस ने खुलेआम धमकियों का बाजार गर्म किया। निर्वाचन आयोग तक पर पक्षपात के आरोप गढे। केन्द्रीय सुरक्षा बलों पर भाजपा के एजेन्ट के तौर पर काम करने की बातें कहीं। न्यायपालिका के अधिकारियों से लेकर मीडियाकर्मियों तक को बंधक बनाने की कोशिशें की गईं। प्रदेश के राज्यपाल तक को अपमानित करने, उन पर आक्रमण करने तथा दबंगी का परचम फहराने के कोशिशों में इजाफा करने वाली स्थितियां ममता राज में होती रहीं हैं। वर्तमान में तो दूर दराज के अनेक इलाकों में स्थानीय पुलिस बल से लेकर प्रशासनिक तंत्र तक को अनियमितताओं, गुण्डागिरी तथा आतंक के समक्ष नतमस्तक होते देखा गया। निष्पक्ष चुनाव हेतु तैनात किये गये अनेक कठोर अधिकारियों को हटाने के लिए न्यायालय तक के दरवाजे खटखटाये गये। ऐसा ही प्रयास तृणमूल कांग्रेस द्वारा अपने एक कुख्यात कार्यकर्ता को बचाने के लिए राज्य सरकार के अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए उच्चतम न्यायालय तक की यात्रा तय की गई थी। बांग्लादेश के रास्ते घुसपैठ करके पश्चिम बंगाल में जडें जाम चुके अनेक आतंकवादियों ने चुनाव के दौरान कानून की खुलेआम धज्जियां उडायीं। कानूनी प्रक्रिया में अवरोध उत्पन्न किये। ईवीएम पर टेप लगाने, पहचान छुपाकर मतदान करने, सरेआम धमकाने, मारपीट करने, प्राणघातक हमले करने जैसी अनगिनत घटनाओं ने बंगाल चुनाव में अनियमितताओं के नये कीर्तिमान स्थापित किये है। एग्जिट पोल आने के बाद तो वहां का वातावरण बेलगाम होता जा रहा है। परिणाम आने के पहले ही अनेक स्थानों पर घमासान होने लगा है। पार्टियों के प्रवक्ताओं के अमर्यादित शब्दों से गूंजते छोटे पर्दे, चौराहों पर होती तीखी बहसें और चौपालों पर डीगें हांकते कार्यकर्ताओं ने आम नागरिक के सामने भविष्य की सुरक्षा जैसे अनेक प्रश्न खडे करने शुरू कर दिये हैं। चुनावी प्रक्रिया में तैनात अनेक अधिकारियों के निजी अनुभवों ने बंगाल की स्थिति को समस्याओं के नया दावानल के रूप में परिभाषित किया है। राज्य में प्रायोजित आतंक से बिगडते हालातों को नियंत्रित करने के लिए आने वाले समय में कठोर कदम उठाने, आतंकवादियों को चिन्हित करने तथा घुसपैठियों को वापिस भेजने जैसे कार्य करने ही होंगे अन्यथा परिणामों की घोषणा के साथ ही खूनी जंग हेतु रचे गये षडयंत्र का व्यवहारिक स्वरूप सामने आ सकता है। प्रदेश मुख्यालय से लेकर छोटे गांवों तक आतंक की अशान्ति हेतु असलहे जमा किये जा चुके हैं। ऐसी सूचनायें शासन-प्रशासन तक निरंतर पहुंच रहीं है परन्तु किन्ही खास कारणों से स्थानीय स्तर पर कार्य करने वाले राज्यकर्मचारी धृतराष्ट्र बने बैठे हैं। निर्वाचन आयोग के द्वारा तैनात किये गये अन्य राज्यों के अधिकारियों की भूमिका को यदि भुला दिया जाये तो समूचे प्रदेश में गुण्डाराज के ठहाके स्पष्ट सुनाई देने लगेंगे। बंगाल के अन्तिम छोर पर बैठे आम नागरिकों को तृणमूल कांग्रेस और उसकी घुसपैठी जमात ने खासा आतंकित कर रखा है। राज्य सरकार की शह पर होने वाली गुण्डागिरी से वहां के निवासी निजात तो पाना चाहता है परन्तु सीधी दुश्मनी मोल लेकर जान का जोखिम उठाने हेतु कदापि तैयार नहीं है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6083

		4				6		1
		7	2				8	
		9	3					2
			1					9
6	2	1	5		9	4	7	3
5					4			
4					3	5		
	3				2	8		
1		6				3		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6082

5	8	9	6	1	7	3	4	2
2	4	1	3	5	9	8	6	7
3	7	6	8	4	2	9	5	1
4	9	2	7	6	8	1	3	5
6	3	8	1	2	5	7	9	4
7	1	5	9	3	4	6	2	8
8	2	3	4	9	1	5	7	6
9	5	7	2	8	6	4	1	3
1	6	4	5	7	3	2	8	9

वर्ग पहेली 6083

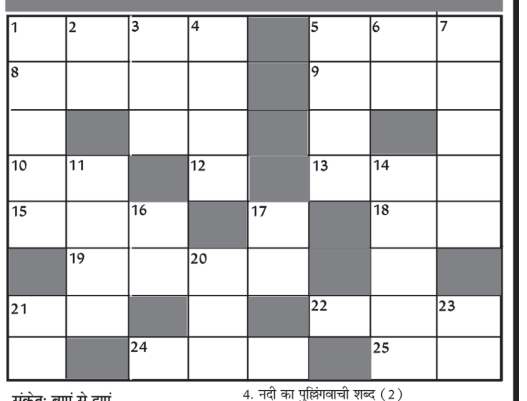

संकेत: बाएं से दाएं
1. 13 सितंबर को इस भारतीय फिल्म गीतकार का निधन हुआ था.इस गीतकार ने 300 से अधिक फिल्मों के लिए 1500 से अधिक गीत लिखे (4)
5. शोभा से युक्त, श्रीमान (3)
8. किसी कार्य के लिए किसी का नाम नय किया जाना (4)
9. आसमान, अंबर, नभ, व्योम (3)
10. गीत-संगीत का सामंजस्य (2)
12. सादृश्य, संबंध सूचक अव्यय शास्त्रीय संगीत का एक मुख्य स्वर (1)
13. कीड़ों द्वारा निर्मित एकमात्र पदार्थ जो इंसानों द्वारा खाया जाता है (3)
15. जुड़वां, अश्विनी कुमार (3)
18. गाड़ी, बुनाई कर्म, चैन (2)
19. जो दूर हो गया (3)
21. किसी संख्या को उसी संख्या से गुणा करने कर प्राप्त होने वाला गुणनफल धोखे में रखकर की जाने वाल बुराई (2)
22. घायल, जख्मी (2)
24. समझौता, संधि (2)
25. रदपट, अधर, ओष्ठ (2)

संकेत: ऊपर से नीचे
1. वह स्थान जहां पर बिना मां-बाप कि बच्चे रखे जाते है (5)
2. हल्का गीला, आंशिक आर्द (2)
3. फर्श आदि पर बिछाई जाने वाली छपी हुई चादर (3)
4. नदी का पुल्लिंगवाची शब्द (2)
5. कार्य का आरंभ, गौरी सुत, पार्वती नंदन (4)
6. काल गणना के अनुसार कल्प के चार उप-विभागों में से एक (2)
7. यह गोविंदा अभिनीत की पहली फिल्म थी (5)
11. यमराज के संदेश वाहक (4)
14. विविध भारती से नाटकों पर आधारित प्रसारण होने वाला एक दैनिक कार्यक्रम (5)
16. सोने के तार जिनसे कपड़े पर बेल-बूटे आदि बनाए जाते है (2)
17. पुत्र, बेटा (2)
20. पृथ्वी की ऊपरी सतह (2)
21. पश्चिमी अफ्रीका का देश जिसकी राजधानी अकरा है (2)
23. उस समय, उस वक्त (2)

वर्ग पहेली 6082 का हल

फि	से	ज	गां	धी		जा	
रा	ज		धी	र	ज	वा	ला
क		य		ज			ग
गो	म	ती		कु	द	र	त
र		म	ल	मा	स		
ख	ता		व	र	क		प
पु	र	खा			से	च	ना
शी	ना	रा	य		इ		ह

आज का राशिफल

मेष

आज आप हर काम जल्दी खत्म करने के मूड में रहेंगे, बस यही जल्दबाजी गलती करा सकती है। आज दिमाग बहुत एक्टिव रहेगा, लेकिन एक साथ कई चीजें करने से उलझन बढ़ सकती है। काम को टुकड़ों में बांटकर करें। किसी दोस्त या सहकर्मी की सलाह आज काम आ सकती है।ऑफिस में कोई छोटी बात बड़ी बन सकती है।

वृष

आज के राशिफल अनुसार ग्रहों का प्रभाव कुछ सजग रहने की बात कहता है क्योंकि आज आपका ध्यान थोड़ा भटक सकता है। जरूरी काम पहले निपटाएं, वरना बाद में तनाव हो सकता है। आज दिमाग बहुत एक्टिव रहेगा, लेकिन एक साथ कई चीजें करने से उलझन बढ़ सकती है। काम को टुकड़ों में बांटकर करें। किसी दोस्त या सहकर्मी की सलाह आज काम आ सकती है।

मिथुन

आज आपके लिए दिन थोड़ा भागदौड़ से भरा हो सकता है। पिछले दिनों की मेहनत का असर दिखने लगेगा। कोई अच्छी खबर या अवसर मिल सकता है। घर पर बच्चों के साथ बड़ों को बातचीत में कुछ संतुलन बना के रखने की जरूरत होगी।

तुला

ग्रह गोचर की स्थिति आज के राशिफल में आप को अधिक प्रभवैत कर सकती है। चीजों को बहुत गहराई से महसूस करेंगे। इंट्यूशन या कहें की आभास होने वाली स्थिति आप के लिए मजबूत होगी। इसलिए अपने मन की आवाज को नजरअंदाज न करें। करियर में कोई अहम फैसला लेने का मन बन सकता है।

वृश्चिक

आज आप अंदर से काफी मजबूत महसूस करेंगे। कोई पुरानी चिंता आज हल होती नजर आएगी। करियर में धीरे-धीरे चीजें आपके पक्ष में जा रही हैं। परिवार में आपकी बात सुनी जाएगी, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज दिमाग बहुत एक्टिव रहेगा, लेकिन एक साथ कई चीजें करने से उलझन बढ़ सकती है। काम को टुकड़ों में बांटकर करें।

धनु

आज आप स्थिर रहकर जीत हासिल करेंगे। दूसरों की तुलना में आप कम बोलकर ज्यादा समझेंगे। नौकरी में भरोसा बढ़ेगा कोई जिम्मेदारी आपके पक्ष में जा सकती है। पैसों से जुड़ा छोटा फायदा संभव है। आज आप उन चीजों पर अधिक ध्यान देंगे जिन्हें काफी समय से नहीं कर पा रहे थे।

कर्क

आज आपको अपने सोचे हुए कामों या कहें कि टारगेट्स को लेकर स्पष्टता मिलेगी। काम का दबाव रहेगा, लेकिन आप उसे व्यवस्थित तरीके से संभाल लेंगे। किसी अनुभवी व्यक्ति से बातचीत आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। आज दिमाग बहुत एक्टिव रहेगा, लेकिन एक साथ कई चीजें करने से उलझन बढ़ सकती है।

सिंह

आज थोड़ा धीमे चलना ही समझदारी है। हर चीज तुरंत आपके अनुसार नहीं होगी और यही आज की सीख है। आज दिमाग बहुत एक्टिव रहेगा, लेकिन एक साथ कई चीजें करने से उलझन बढ़ सकती है। काम को टुकड़ों में बांटकर करें। किसी दोस्त या सहकर्मी की सलाह आज काम आ सकती है। ऑफिस में सहयोग मिलेगा।

कन्या

आज थोड़ा ब्रेक लेने का मन करेगा और लेना भी चाहिए। हर समय दौड़ते रहने से बेहतर है कि आप खुद को रीचार्ज करें। काम में नई ऊर्जा शाम के बाद आएगी। कोई नई योजना दिमाग में बन सकती है।

मकर

आज आप अपने भविष्य को लेकर ज्यादा सोच में रह सकते हैं। ये सोच आपको दिशा भी देगी। आज दिमाग बहुत एक्टिव रहेगा, लेकिन एक साथ कई चीजें करने से उलझन बढ़ सकती है। काम को टुकड़ों में बांटकर करें। किसी दोस्त या सहकर्मी की सलाह आज काम आ सकती है।करियर में कोई नया आइडिया आएगा।

कुंभ

आज आप उन चीजों पर अधिक ध्यान देंगे जिन्हें काफी समय से नहीं कर पा रहे थे। आप की एकाग्रता ही आपको दूसरों से आगे रखेगा। कोई रुका हुआ काम अचानक पूरा हो सकता है। आज दिमाग बहुत एक्टिव रहेगा, लेकिन एक साथ कई चीजें करने से उलझन बढ़ सकती है। काम को टुकड़ों में बांटकर करें। किसी दोस्त या सहकर्मी की सलाह आज काम आ सकती है।

मीन

आज दिमाग बहुत एक्टिव रहेगा, लेकिन एक साथ कई चीजें करने से उलझन बढ़ सकती है। काम को टुकड़ों में बांटकर करें। किसी दोस्त या सहकर्मी की सलाह आज काम आ सकती है। आज आप अंदर से काफी मजबूत महसूस करेंगे। कोई पुरानी चिंता आज हल होती नजर आएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

'ग्लोरी' के लिए हर दिन करता था 5-6 घंटे ट्रेनिंग

एक्टर पुलकित सम्राट अपनी अपकमिंग सीरीज 'ग्लोरी' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज के साथ वह अगल क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। इसमें वे अपनी जानी-पहचानी रोमांटिक इमेज को छोड़कर बॉक्सिंग की दुनिया पर आधारित भूमिका निभाई है। इसमें काफी शारीरिक मेहनत की जरूरत पड़ी। हाल ही में उन्होंने इस रोल के लिए की गई तैयारी के बारे में बताया है।

उम्मीद से ज्यादा थी मेहनत

सम्राट ने बातचीत में कहा 'जब मैंने ट्रेनिंग शुरू की, तो मुझे लगा कि ठीक है, मैं पहले से ही फिट हूं, इसलिए मुझे बॉक्सर जैसा दिखने के लिए या बॉक्सिंग के लिए इतनी ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं है। लेकिन, जैसे ही मैंने ट्रेनिंग शुरू की, मुझे एहसास हुआ कि मैं बहुत पीछे हूं।'

हर दिन कितनी करते थे ट्रेनिंग?

अपने हर दिन के रूटीन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा 'एक एथलीट जैसा दिखे बिना एथलीट जैसी ट्रेनिंग करना मुमकिन नहीं है। इसलिए, मुझे सचमुच एक बॉक्सर की तरह ही ट्रेनिंग करनी पड़ी। मुझे बॉक्सिंग की हर बारीकी सीखनी पड़ी। मैं दिन में कम से कम 5-6 घंटे ट्रेनिंग करता था, जिसमें 2 घंटे बॉक्सिंग, 1-1.5 घंटे स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और फिजियोथेरेपी शामिल होती थी। यह सब इसलिए किया जाता था ताकि मैं अगले दिन फिर से ट्रेनिंग के लिए जा सकूं और मेरे शरीर पर बहुत ज्यादा जोर न पड़े।' उन्होंने इस किरदार में जान डालने में मदद करने के लिए अपनी टीम को भी श्रेय दिया। उन्होंने कहा, 'मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे एक बहुत अच्छी टीम मिली।

वेब सीरीज 'ग्लोरी', भारतीय बॉक्सिंग की दुनिया को दिखाती है। इसमें पारिवारिक ड्रामा, बदला और एक मर्डर मिस्ट्री का मेल है। इसमें दिव्येंदु, सुविंदर विक्की, जन्नत जुबैर, आशुतोष राणा, सिकंदर खेर, सयानी गुप्ता, यशपाल शर्मा, कश्मीरा परदेशी और कुणाल ठाकुर हैं।

प्रेग्नेंसी के बावजूद 'राका' की शूटिंग जारी रखेंगी दीपिका

एटली के निर्देशन में बन रही फिल्म 'राका' दीपिका पादुकोण और अल्लू अर्जुन की वजह से पहले से ही चर्चाओं में है। हाल ही में इसका पोस्टर भी शेयर किया गया था, जिसके बाद फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। इस बीच दीपिका की दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद उनके किरदार को लेकर कई सवाल सामने आ रहे थे, जिनके कुछ जवाब सामने आए हैं।

ऐसे शूट होंगे एक्शन सीन

दीपिका पादुकोण की फिल्म 'राका' को लेकर नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद भी फिल्म में अपने अहम किरदार को निभा रही हैं और उनके रोल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। फिल्म की टीम ने पहले ही बताया था कि दीपिका प्रेग्नेंसी के दौरान भी शूटिंग जारी रखेंगी, और कुछ एक्शन सीन बॉडी डबल की मदद से पूरे किए जाएंगे। अब ताजा अपडेट के अनुसार, फिल्म में उनका किरदार पहले जैसा ही रहेगा और कहानी में उनका इमोशनल ट्रैक भी वैसा ही रखा गया है।

रोल में नहीं होगा कोई बदलाव

प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, दीपिका फिल्म में कहानी का बहुत अहम हिस्सा हैं और उनके सीन में कोई कटौती नहीं की गई है। बताया गया है कि एक्शन वाले कुछ हिस्से अब बॉडी डबल से शूट होंगे, जबकि वह खुद इमोशनल और ड्रामेटिक सीन शूट करती रहेंगी। सूत्र ने कहा, 'दीपिका की फिल्म में शानदार एंट्री है और अल्लू अर्जुन के साथ उनका एक बड़ा एक्शन मोमेंट भी है। ये सभी सीन अब बॉडी डबल से किए जाएंगे, लेकिन उनके ड्रामेटिक सीन वैसे ही रहेंगे। उनका रोल बिल्कुल वैसा ही है, कोई बदलाव नहीं किया गया है। वह फिल्म की एक मुख्य किरदार हैं और प्रेग्नेंसी के कारण कुछ भी हटाया नहीं गया है।' पहले भी एक सूत्र ने बताया था कि प्रेग्नेंसी के दौरान भी दीपिका फिल्म के इंटेंस एक्शन सीन शूट कर रही थीं और वह पूरे प्रोजेक्ट के दौरान शूटिंग जारी रखेंगी।

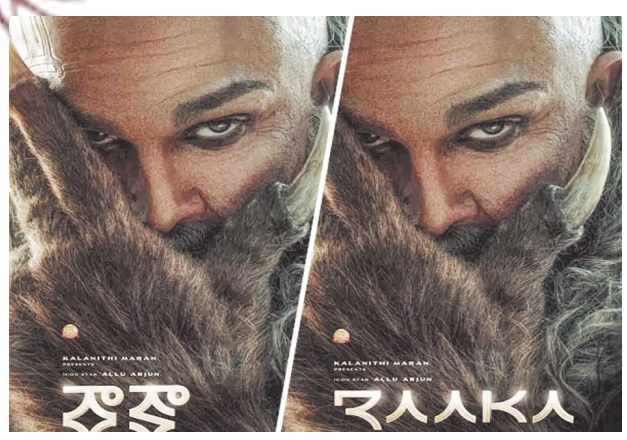

ट्रोलर्स पर भड़कीं पवित्रा पुनिया

एक्टर-एक्ट्रेस को अक्सर सर्जरी को लेकर ट्रोल किया जाता है। बीते दिनों अभिनेत्री मौनी रॉय को भी सर्जरी और फिलर्स को लेकर ट्रोल किया गया था। अब अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने ट्रोलर्स को सर्जरी को लेकर एक्टर्स को ट्रोल करने पर फटकार लगाई है।

उन्होंने लोगों से किसी की व्यक्तिगत पसंद का सम्मान करने की बात कही है। साथ ही एक्टर्स के जीवन में दखल देना बंद करने को भी कहा है।

बकवास करने से हमें कुछ नहीं होता

पवित्रा पुनिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। पवित्रा ने एक वीडियो साझा किया है। इसमें पवित्रा ने 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' की स्क्रीनिंग से मौनी की एक तस्वीर वाला वीडियो साझा किया। वीडियो के ऊपर लिखा था, 'सभी ट्रोलर्स से, ट्रोल करना और अभिनेताओं को परेशान करना बंद करें। यह आपकी रसोई नहीं है और न ही आपका खाना। बकवास करने से हमें कुछ नहीं होता, लेकिन आप लोग ऐसे व्यवहार करते हैं जैसे आपको इसके लिए अतिरिक्त पैसे मिलते हों।'

ट्रोल मत करो चुप रहो

इस वीडियो में पवित्रा ने सीधे मुद्दे पर बात करते हुए कहा, 'ठीक है, मुझे नहीं पता आप लोगों को क्या दिक्कत है, लेकिन मुझे लगता है कि आप सबको ट्रोल करना बहुत पसंद है। कहीं न कहीं मुझे लगता है कि मीडिया भी इन तस्वीरों को पोस्ट करके और फिर कैप्शन को बहुत ही व्यंग्यात्मक और हास्यास्पद तरीके से लिखकर दर्शकों को अनुमान लगाने का मौका देकर इन चीजों का आनंद ले रहा है। सबसे पहले उन लोगों के लिए जो ट्रोल करना पसंद करते हैं, यह कहकर कि 'उन्होंने सर्जरी करवाई है, 500 सर्जरी करवाई हैं, 1 लाख सर्जरी करवाई हैं।' वो 1 लाख आपसे नहीं लिए गए हैं और हम आपसे सुझाव लेने नहीं आते। कम से कम इंडस्ट्री में कुछ लोग तो अब भी कहते हैं कि हां, हम वो कर रहे हैं। अगर आप वो करना चाहते हैं, अगर आपका परिवार वो करना चाहता है, तो कृपया आगे बढ़ें, पैसे खर्च करें और करें। ट्रोल मत करो। बस चुप रहो।'

अनिल रविपुडी की फिल्म में नजर आएंगी कीर्ति सुरेश और कृति शेट्टी

निर्देशक अनिल रविपुडी की आगामी मल्टी-स्टारर फिल्म घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इसमें वेंकटेश दग्गुबाती और नंदामुरी कल्याणराम मुख्य भूमिका में हैं। अब फिल्म की कास्टिंग को लेकर एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। फिल्म में दो बड़ी हीरोइनों के भी शामिल होने की खबरें सामने आ रही हैं। फिल्म की कास्टिंग को लेकर सामने आ रही नई जानकारी के मुताबिक, कीर्ति सुरेश और कृति शेट्टी फिल्म में लीडिंग एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी। निर्देशक अनिल रविपुडी ने एक कार्यक्रम में संकेत दिया कि कृति शेट्टी नंदामुरी कल्याणराम के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी, जो एक नई जोड़ी होगी। वहीं हाल की खबरों के अनुसार, कीर्ति सुरेश को वेंकटेश के साथ कास्ट किए जाने की संभावना है। हालांकि, उनकी कास्टिंग को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन इंडस्ट्री में चर्चा है कि उन्हें इस भूमिका के लिए फाइनल कर लिया गया है।

एक दशक बाद साथ आ रहे नंदामुरी कल्याणराम और अनिल रविपुडी

इस फिल्म के जरिए नंदामुरी कल्याणराम और अनिल रविपुडी लगभग एक दशक के बाद साथ में वापसी कर रहे हैं। इससे पहले निर्देशक ने 'पटास' से अपने करियर की शुरुआत की थी। साथ ही यह वेंकटेश और रविपुडी की साथ में पांचवीं फिल्म होगी, जो लगातार बॉक्स ऑफिस पर सफलता देने के लिए जाने जाते हैं। फिल्म की शूटिंग जून में शुरू होने की उम्मीद है, जिसके पहले शेड्यूल में वेंकटेश और कीर्ति सुरेश के नजर आने की संभावना है। यह शेड्यूल वेंकटेश द्वारा त्रिविक्रम श्रीनिवास द्वारा निर्देशित उनकी मौजूदा फिल्म 'आदर्श कुटुंबम' का काम पूरा करने के बाद शुरू होने की उम्मीद है।

स्टार किड्स पर सबसे ज्यादा प्रेशर होता है

बचपन में 'तारे जमीन पर' से घर-घर में पहचान बनाने वाले दर्शील सफारी का सफर सिर्फ एक फिल्म की सफलता तक सीमित नहीं रहा। शुरुआती स्टारडम के बाद उन्हें लंबे समय तक खुद को फिर से साबित करने की चुनौती का सामना करना पड़ा। हाल ही में अमर उजाला से खास बातचीत के दौरान दर्शील ने इंडस्ट्री में नेपोटिज्म, अपने स्ट्रगल, बदलती सोच और बाबिल खान को लेकर उठे विवाद पर खुलकर अपनी राय रखी।

नेपोटिज्म की बहस में छिपी है असली सच्चाई

वह कहते हैं, 'लोग बाहर से इंडस्ट्री को एक ही नजर से देखते हैं। लेकिन अंदर आकर समझ आता है कि चीजें इतनी सिंपल नहीं हैं। नेपोटिज्म की बात होती है, लेकिन अगर मैं किसी को जानता हूं, उसके साथ पहले काम कर चुका हूं, तो मैं उसी के साथ काम करना चाहूंगा। किसी अनजान के साथ रिस्क लेना हर कोई नहीं चाहता। ये नेपोटिज्म का एक हिस्सा हो सकता है, लेकिन ये इंसानी नेचर भी है।'

दरवाजे बंद नहीं होते, हम कोशिश करना बंद कर देते हैं

दर्शील आगे कहते हैं, 'इसका मतलब ये नहीं है कि बाहर वालों के लिए दरवाजे बंद हैं। सच ये है कि दरवाजे बंद नहीं होते, हम कोशिश करना बंद कर देते हैं। अगर आप खुद जाकर अपना काम नहीं दिखाओगे, तो कोई आपको ढूंढने नहीं आएगा। आपको खुद सामने आना पड़ेगा। खुद बताना पड़ेगा कि आप क्या कर सकते हो।'

नेगेटिव सोच आपको लिमिट कर देती है

अपने करियर के उतार चढ़ाव पर वह साफ कहते हैं, 'बहुत बार ऐसा होता है कि हम बैठकर सोचते रहते हैं कि मेरे साथ ये गलत हुआ, मुझे ये मौका नहीं मिला। और उसी में हम खुद को लिमिट कर लेते हैं। मैं हमेशा यही सोचता हूं कि मेरे पास क्या है और मैं उससे क्या बेहतर कर सकता हूं। नेगेटिव सोच आपको कहीं नहीं ले जाती।'

मई 2025 में दिवंगत इरफान खान के बेटे बाबिल खान का एक इमोशनल वीडियो चर्चा में आया था। इसमें उन्होंने बॉलीवुड को 'फेक' बताया था और अपनी इमोशंस जाहिर की थीं। इस पर जब दर्शील से सवाल किया गया, तो उन्होंने इस मुद्दे को संतुलित नजरिए से देखने की बात कही। ये भी इंडस्ट्री का ही हिस्सा है। आप इसे कैसे देखते हो, ये बहुत मायने रखता है। आप चाहो तो हर चीज को नेगेटिव तरीके से देख सकते हो। और चाहो तो उसे समझने की कोशिश भी कर सकते हो। अगर किसी को आप स्क्रिप्ट दोगे, तो वो अपना काम करके देगा। लेकिन असली बात आपकी अप्रोच की है।' वह आगे जोड़ते हैं, 'अगर आप बैठकर यही सोचते रहोगे कि मेरे साथ ये गलत हो गया, मुझे साइड कर दिया गया, तो आप खुद को लिमिट कर लोगे। मेरे हिसाब से हमें इस पर ध्यान देना चाहिए कि हमारे पास क्या मौके आ रहे हैं। कौन से दरवाजे खुले हैं। क्योंकि दरवाजे बंद नहीं होते, हम उनका देखना बंद कर देते हैं।

जहां तक स्टार किड्स की बात है, जैसे बाबिल... मुझे हमेशा लगता है कि उन पर सबसे ज्यादा प्रेशर होता है। अगर आप किसी बड़े स्टार के बेटे या बेटी हो, तो एक्सपेक्टेशन भी उतनी ही बड़ी होती है। लोग आपको जज करते हैं, लेकिन वो प्रेशर नहीं देखते।'

मेंटैलिटी बदलो, रास्ते खुद बनेंगे

दर्शील मानते हैं कि पूरा खेल सोच का है। वह कहते हैं, 'मैं पर्सनली चीजों को इस तरह देखता हूं कि ये सब मेंटैलिटी की बात है। अगर आप सिर्फ ये सोचते रहोगे कि ये नहीं हुआ, वो नहीं हुआ, तो आप वहीं फंस जाओगे। लेकिन अगर आप फोकस करोगे कि आगे क्या करना है, तो रास्ते खुद बनने लगते हैं।'

फिल्में मेरे लिए एक सेफ स्पेस हैं

बात खत्म करते हुए वह कहते हैं, 'मेरे लिए फिल्मों में काम करना एक सेफ स्पेस जैसा है। मैं चलना पसंद करता हूं। सोचता हूं। चीजों को समझने की कोशिश करता हूं। कई बार जब आप किसी चीज को अलग नजरिए से देखते हो, तो आपको उसके जवाब भी मिल जाते हैं।'

संक्षिप्त समाचार

गोद लेने संबंधी कार्यवाही पर जिला मजिस्ट्रेट को है निर्णय लेने का अधिकार

मुंबई, एजेंसी। बांबे हाई कोर्ट ने किशोर न्याय (देखभाल और संरक्षण) अधिनियम में

संशोधन को उचित ठहराते हुए सोमवार को कहा कि जिला मजिस्ट्रेट को दत्तक ग्रहण या गोद लेने संबंधी कार्यवाही की सुनवाई और निर्णय लेने का अधिकार है। हाई कोर्ट ने किशोर न्याय (देखभाल और संरक्षण) अधिनियम में किए गए संशोधन को चुनौती देने वाली दो दंपतियों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था, जिसके तहत गोद लेने का आदेश जारी करने की शक्ति न्यायालयों से जिला मजिस्ट्रेटों (कार्यकारी अधिकारियों) को हस्तांतरित कर दी गई थी। संशोधन में न्यायालय शब्द को कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट (कार्यकारी अधिकारी) शब्दों से बदला गया है। जस्टिस भारती डांगरे और जस्टिस मंजुषा देशपांडे की पीठ ने कहा कि जिला मजिस्ट्रेट द्वारा कानून के प्रविधानों को लागू करने और भावी दत्तक माता-पिता की पात्रता निर्धारित करने में कोई कठिनाई नहीं दिखती है। हमें इसमें कोई संदेह नहीं है कि जिला मजिस्ट्रेट बच्चों के कल्याण में कार्य करने और सहायता करने के लिए पूरी तरह से उपयुक्त हैं और याचिकाकर्ताओं की धारणा गलत है। यह संशोधन गोद लेने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए किया गया था और इसमें कुछ भी अवैध नहीं है। किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम के तहत गोद लेने की प्रक्रिया के लिए वैध आदेश की आवश्यकता होती है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया था कि गोद लेने की मंजूरी देना न्यायिक कार्य है जिसे किसी कार्यकारी प्राधिकरण, जैसे कि जिला मजिस्ट्रेट को नहीं सौंपा जा सकता है, जिसके पास आवश्यक विशेषज्ञता न हो। हाई कोर्ट ने कहा, जिला मजिस्ट्रेट द्वारा दत्तक ग्रहण प्रक्रिया से निपटने में सक्षम न होने के संबंध में याचिकाकर्ताओं द्वारा व्यक्त की गई आशंका निराधार है।

गर्मी में जल संकट गहराया, कई इलाकों में दूषित जल सप्लाई से नागरिक परेशान

नागपुर , एजेंसी। नागपुर में 45 डिग्री सेल्सियस के भीषण तापमान में झुलस रहे

शहर में अब धीरे-धीरे बढ़ते जा रहे जल संकट ने नागरिकों का हाल बेहाल कर दिया है। शहर के उत्तर, पश्चिम और मध्य नागपुर की कई बस्तियों में कम दबाव और दूषित जलापूर्ति की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। विपक्ष के नेता संजय महाकालकर द्वारा बुलाई गई बैठक में कांग्रेस पार्षदों ने मनपा के जलप्रदाय विभाग के अधिकारियों को इस अव्यवस्था के लिए जमकर फटकार लगाई, प्रभाग क्रमांक 2 के पार्षद दिनेश यादव ने अपने क्षेत्रों की समस्या रखते हुए बताया कि संन्यालनगर, सहयोगनगर और भदंत आनंद कौशल्यायननगर में नलों से गंदा पानी आ रहा है। इसके अलावा म्हाडा कॉलोनी, काशीनगर और केजीएम सोसाइटी में जलापूर्ति का दबाव बहुत कम है। पार्षद भावना लोणारे ने जानकारी दी कि रिपब्लिकननगर, ठवरेनगर और मिसाल ले-आउट में नलों से बदबूदार पानी आ रहा है। उन्होंने मांग की है कि पुरानी जलवाहिनी का कनेक्शन बंद करके लोगों को नई जलवाहिनी से जोड़ा जाए, वहीं प्रभाग 10 की पार्षद सरस्वती सलामे ने बोरगांव, दशरथनगर और आर्यनगर में कम दबाव की शिकायत की, जबकि प्रभाग 17 के रामनगर में पानी की कमी का मुद्दा पार्षद सुहास ननवटकर ने उठाया। पार्षद शैलेश पांडे ने भी अधिकारियों को असड़े हाथों लिया। शहर के कुछ हिस्सों में स्थिति काफी खराब है।

कांग्रेस की पाठशाला और भाजपा की प्रयोगशाला; मामा हिमंत बने महानायक

दिसपुर, एजेंसी। चुनाव में हिमंत बिस्व सरमा भाजपा की लगातार तीसरी जीत के प्रमुख नायक बनकर उभरे हैं। सरमा के लिए यह सिर्फ चुनावी जीत नहीं, बल्कि उनकी उस राजनीतिक कार्यशैली की स्वीकार्यता है, जिसे उन्होंने अपने संगठनात्मक नियंत्रण, वैचारिक परिवर्तन और सत्ता की गहरी समझ के आधार पर गढ़ा है। यह जनादेश न सिर्फ मुख्यमंत्री के रूप में 57 वर्षीय हिमंत बिस्व सरमा के लगातार दूसरे कार्यकाल की शुरुआत करेगा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर के राजनीतिक रणनीतिकार के तौर पर उनके दावे को और मजबूत करेगा।

2015 में कांग्रेस छोड़ भाजपा से जुड़े

करीब दो दशक तक कांग्रेस में रहे सरमा का वर्ष 2015 में भाजपा का दामन थामना राजनीतिक किंवदंती बन चुका है। भाजपा में शामिल होने के बाद, उन्होंने जल्द ही खुद को पार्टी के प्रमुख रणनीतिकार के रूप में स्थापित कर लिया। यहां तक कि 2016 में भी, जब वे सरकार का चेहरा नहीं थे, तब भी परदे के पीछे से राज्य में भाजपा सरकार बनाने में उनके असर को व्यापक रूप से स्वीकार किया गया।

वर्ष 2021 में, सर्बानंद सोनोवाल के स्थान पर हिमंत बिस्व सरमा को पहली बार राज्य का मुख्यमंत्री बनाया गया, जबकि जीत सोनोवाल के नेतृत्व में ही मिली थी। इस निर्णय को पार्टी में सरमा के योगदान की स्वीकारोक्ति के साथ ही भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व, विशेष रूप से अमित शाह के साथ उनकी बढ़ती नजदीकी के संकेत के रूप में देखा गया। पार्टी के अंदरूनी हलकों में हिमंत बिस्व सरमा को समस्याओं का समाधान

करने वाला नेता बताया जाता है। उन्हें ऐसा नेता माना जाता है, जो बिना हिचकिचाहट काम पूरा करता है, बातचीत करके रास्ता निकालता है और निर्णयों को त्वरित रूप से लागू करता है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा में शुरुआती समय से ही अमित शाह को इस चतुर राजनेता के प्रति खास लगाव विकसित हो गया था। एक बार, अपने नॉर्थ ब्लॉक कार्यालय में सरमा से मुलाकात के बाद, शाह ने उनसे मिलने आए अन्य भाजपा नेता से कहा, इस लड़के की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह किसी भी बात के लिए 'न' नहीं कहता, बल्कि काम को पूरा करने का कोई न कोई रास्ता खोज ही लेता है। पूर्वोत्तर में गठबंधन बनाने, नाजुक गठबंधनों को संभालने, और यहां तक कि राजनीतिक समीकरणों को फिर से बैठाने में सरमा की भूमिका ने उन्हें भाजपा के विस्तारवादी प्रोजेक्ट के लिए बेहद जरूरी बना दिया है। असम से लेकर मणिपुर और उससे भी आगे तक, सरमा पार्टी की उन कोशिशों के केंद्र में रहे हैं, जिनका मकसद ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे इलाके को एक मजबूत चुनावी आधार में बदलना है। भाजपा में आने के बाद हिमंत बिस्व सरमा ने हिंदुत्व के मुखर समर्थन, खासकर बांग्लादेशी मूल के मुसलमानों और अवैध घुसपैठ जैसे मुद्दों पर सख्त रुख अपनाया। इससे उन्हें पार्टी के कोर वोट बैंक के करीब आने में मदद मिली। इस नई स्थिति ने उन्हें कांग्रेस के अतीत और संघ परिवार की उम्मीदों के बीच की खाई को पाटने में भी मदद की। अब कार्यकर्ता उन्हें योगी आदित्यनाथ की ही श्रेणी में देखने लगे हैं। प्रशासनिक तौर पर सरमा अपने सक्रिय और खुद कमान संभालने वाले अंदाज के लिए जाने जाते हैं। आलोचक जहां इसे सत्ता का केंद्रीकरण बताते हैं, वहीं समर्थक इसे तेज फैसले लेने की क्षमता बताते हैं। उनके कार्यकाल में आक्रामक पुलिसिंग और विपक्ष की ओर से भाई-भतीजावाद के आरोप भी लगे, पर इससे उनकी लोकप्रियता पर खास असर नहीं पड़ा। वर्ष 2022 के महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट के दौरान असम में बागी विधायकों को ठहराने की भूमिका हो या पूर्वोत्तर में भाजपा का विस्तार-सरमा का प्रभाव लगातार विस्तार लेता गया। असम में नई चुनावी जीत के साथ हिमंत का कद भाजपा में और बढ़ना तय है। यह जीत उन्हें पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व की अग्रिम पंक्ति में पहुंचा सकती है।

कभी घरों में धोती थीं बर्तन

अब बंगाल में बनी विधायक... कलिता माझी ने रचा इतिहास?

कोलकाता , एजेंसी। पश्चिम बंगाल के ऑसग्राम विधानसभा सीट पर एक ऐसी महिला को जीत मिली है। जिसकी कहानी किसी फिल्मी की स्टोरी जैसी लग सकती है। दरअसल, यहां की आम जनता ने एक बेहद साधारण महिला जो कि 2,500 रुपये कमाने के लिए घर में लोगों के बर्तन धोती थी। उस पर भरोसा जताने का काम किया है।

कलिता माजी नाम की इस महिला ने तमाम राजनीतिक दिग्गजों और संसाधनों की कमी को पीछे छोड़ते हुए विधानसभा तक का सफर तय कर लिया है। बीजेपी ने कलिता को अपना उम्मीदवार बनाया था और वहां की जनता ने उन पर भरोसा जताकर विधायक बना दिया। इससे भारतीय लोकतंत्र की वो हकीकत सामने आती है, जो हर आम नागरिक के सपनों को पंख देती है। जानकारी के अनुसार, कलिता माजी ऑसग्राम (एससी) सीट से चुनाव जीती है। वह राजनीति में आने से पहले पिछले दो दशकों से घरेलू कामगार के रूप में काम कर रही थीं। वह 2-4 घरों में साफ-सफाई और बर्तन मांजने का काम करती थी, जिससे उन्हें हर महीने करीब 2,500 रुपये की कमाई होती थी। इसी कमाई से वो अपने परिवार को भरण-पोषण करती थी।

ऑसग्राम सीट से कलिता ने 12535 के बड़े अंतर से चुनाव जीता है। माजी ने तृणमूल कांग्रेस के श्यामा प्रसन्ना लाहौर को शिकस्त दी है। माजी को कुल 107692 वोट मिले है। उन्होंने घर-घर जाकर चुनाव प्रचार किया था। उनकी मेहनत आखिरकार रंग लाई और जनता ने उन्हें बड़ी जीत दिलाई। बता दें कि, माजी पर बीजेपी ने पिछले विधानसभा चुनाव में भी भरोसा जताया था। उस चुनाव में उन्होंने लगभग 41त्न वोट हासिल किए थे। हालांकि वह 12000 वोटों के अंतर से हार गई थी। कलिता पिछले 10 सालों से ज्यादा समय से राजनीति में सक्रिय हैं। उन्होंने अपनी शुरुआत एक बूथ-स्तर की कार्यकर्ता के रूप में की थी और बाद में पंचायत चुनाव भी लड़ी।

नोएडा में आसमान छूएंगे जमीन के दाम? आवंटन दरों में बड़ी वृद्धि की तैयारी

नोएडा , एजेंसी। नोएडा ने जमीन खरीदना अब और महंगा होने जा रहा है। नोएडा प्राधिकरण ने आवासीय, संस्थागत, औद्योगिक आदि संपत्तियों की आवंटन दरें 11 प्रतिशत बढ़ाने का निर्णय लिया है। नई दरें एक-दो दिन में लागू हो जाएंगी। बीते वर्षों में आवासीय आदि संपत्तियों में करीब पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी होते आ रही थी। इस बार सबसे अधिक वृद्धि करने की तैयारी है।

नोएडा में हर साल संपत्ति महंगी होती जा रही है। शहर में मध्यम वर्ग के लोगों के लिए संपत्ति खरीदना सपने जैसा होता जा रहा है। मांग अधिक होने की वजह से प्राधिकरण भी आवंटन दरें हर वर्ष बढ़ा रहा है। इसी क्रम में अब आवासीय, औद्योगिक, संस्थागत, ग्रुप हाउसिंग आदि संपत्ति की आवंटन दरों में 11 प्रतिशत बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया गया है। नई दरों को लेकर कार्यालय आदेश इसी सप्ताह जारी हो जाएगा। ऐसे में कुछ दिन बाद से प्राधिकरण संपत्तियों का आवंटन नई दरों के हिसाब से करेगा। आवंटन रेट बढ़ने का असर प्राधिकरण में हस्तांतरण होने वाली संपत्ति के शुल्क पर भी पड़ेगा। यह शुल्क भी महंगा हो जाएगा। गौरतलब है कि इस महीने ग्रेटर नोएडा ने भी संपत्ति की दरों में करीब साढ़े तीन प्रतिशत बढ़ोत्तरी करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों का कहना है कि प्राधिकरण की ओर से कराए कराने वाले काम पर खर्च यानि कोस्टिंग चार्ज अधिक आने की वजह से इस बार अधिक प्रतिशत में संपत्ति की दरें बढ़ाने का निर्णय गया है।

कोटा बूंदी में आवारा कुत्तों के हमले से 9 साल की बच्ची की मौत; स्पीकर ओम बिरला ने बढ़ाया मदद का हाथ

बूंदी , एजेंसी। राजस्थान के बूंदी जिले के एक छोटे से गांव में मंगलवार को इंसानियत को झकझोर देने वाली घटना सामने आई, जहां महज 9 साल की एक मासूम बच्ची आवारा कुत्तों के झुंड का शिकार बन गई। यह हादसा सिर्फ एक परिवार ही नहीं, पूरे गांव के लिए ऐसा जख्म बन गया है, जो शायद ही कभी भर पाए।

जानकारी के मुताबिक, बच्ची रोज की तरह सुबह घर से खेतों की ओर शौच के लिए निकली थी। लेकिन उस दिन किस्मत ने उसके साथ ऐसा क्रूर खेल खेला कि वह कभी वापस नहीं लौट सकी। खेतों के पास पहले से घूम रहे आवारा कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। मासूम की चीखें खेतों में गूंजती रहीं, लेकिन मदद पहुंचने से पहले ही सब कुछ खत्म हो चुका था।

घटना के बाद पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। हर गली, हर चौपाल पर बस उसी मासूम की चर्चा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मां की चीखें और पिता की खामोशी इस दर्द को और गहरा बना रही है। गांव के लोग भी इस हादसे से अंदर तक हिल चुके

हैं। इस हृदयविदारक घटना की खबर मिलते ही कोटा-बूंदी क्षेत्र के सांसद और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सोमवार को पीड़ित परिवार के घर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। तत्काल आर्थिक सहायता, आगे और मदद का भरोसा ओम बिरला ने मौके पर ही परिवार को 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता सौंपी। इसके साथ ही उन्होंने जनसहयोग से अतिरिक्त 1 लाख रुपये दिलाने का भी आश्वासन दिया। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि परिवार को हर जरूरी सहायता तुरंत उपलब्ध कराई जाए। घटना की गंभीरता को देखते हुए ओम बिरला ने जिला कलेक्टर को सख्त निर्देश दिए कि आवारा कुत्तों के हमलों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए प्रशासन को तत्काल प्रभाव से योजना बनानी होगी। यह घटना एक बार फिर ग्रामीण इलाकों में सुरक्षा और स्वच्छता की व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। खुले में शौच के लिए जाना आज भी कई गांवों की मजबूरी है, जो ऐसे खतरों को जन्म देता है। साथ ही, आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या भी एक गंभीर समस्या बनती जा रही है।

बाल खींचे, थप्पड़ मारे और गंदी गालियों की बौछार; ग्रेटर नोएडा की यूनिवर्सिटी के गर्ल्स हॉस्टल में छात्रा से रैगिंग

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। ग्रेटर नोएडा की बेनेट यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में एक छात्रा से कथित तौर पर रैगिंग करने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया में इस घटना का एक वीडियो सोमवार को वायरल हुआ। वायरल वीडियो में एक छात्रा अपने सामने बैठी दूसरी छात्रा को बाल पकड़कर थप्पड़ मारती और गंदी गालियां देती दिख रही है। यूनिवर्सिटी ने इस पर इस पर तुरंत कड़ा ऐक्शन लेते हुए आरोपी छात्राओं को निष्कासित कर दिया।

कई सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर वायरल तीन मिनट 17 सेकेंड के वीडियो में देखा जा सकता है कि हॉस्टल में कुछ छात्राएं बातचीत कर रही हैं। इनमें एक छात्रा दूसरी छात्रा से सॉरी बोलने और हर बार सॉरी बोलने पर एक खुराक यानी थप्पड़ मारने की बात कर रही है। थोड़ी देर की बातचीत के बाद एक लड़की, पास में ही काले रंग के टॉप में खड़ी लड़की को उसके पिता पर कुछ गलत टिप्पणी करने की बात कहकर उकसाते हुए उसे लाल रंग के टॉप में बिस्तर में बैठी छात्रा को मारने के लिए बोलती है। तभी वीडियो बना रही लड़की भी उसे उकसाती है। इस दौरान तालियां बजाकर भी उकसाया जाता है। काले रंग के टॉप पहनी छात्रा, बिस्तर पर बैठी छात्रा के दोनों हाथ पकड़कर उसे करीब सात बार थप्पड़ मारती है। इसके बाद छात्रा गंदी गालियां देती है। साथ ही, उसके पिता के बारे में गलत बोलने का आरोप भी लगाती है। परिवार की इज्जत पर भी सवाल उठाती है। लाइव हिन्दुस्तान इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता।

कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इस वीडियो को पोस्ट करते हुए कड़ी आपत्ति जाहिर की। वहीं, इस प्रकरण में सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने कार्रवाई की मांग की। एबीवीपी ग्रेटर नोएडा इकाई ने यूनिवर्सिटी प्रशासन से तत्काल इस पर संज्ञान लेने की मांग करते हुए कुलपति एवं प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। प्रांत मंत्री गौरव गौर ने कहा कि विश्वविद्यालयों में सुरक्षित, सम्मानजनक और भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित करना जरूरी है। सुधीर कुमार, एडीसीपी ग्रेटर नोएडा, यह बेनेट यूनिवर्सिटी का वीडियो है, जो करीब 10 से 15 दिन पुराना बताया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही मामले में कार्रवाई की जाएगी। अजय यादव, रजिस्ट्रार बेनेट यूनिवर्सिटी वीडियो में मारपीट करने वाली छात्रा, वीडियो बनाने वाली और अन्य सभी को कॉलेज से निष्कासित किया गया है। उनके माता-पिता को मामले की सूचना दी गई है। वहीं, यूनिवर्सिटी प्रबंधन भी मामले में अपनी तरफ से जांच कर रहा है। ये सभी छात्राएं हॉस्टल में रहती थीं। यूनिवर्सिटी इस प्रकार की घटनाओं को लेकर सख्त है।

पंचायत का फैसला: डीजे चलाया तो सूनी रह जाएगी बरात, शादी का होगा बहिष्कार

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के गांवों में परंपरा और आधुनिकता के बीच टकराव अब खुलकर सामने आने लगा है। दनकौर के बाद अब घरबरा गांव ने एक ऐसा फैसला लिया है, जिसने न सिर्फ स्थानीय लोगों को चौंका दिया है, बल्कि सोशल मीडिया पर भी बहस छेड़ दी है।

गांव की पंचायत ने साफ ऐलान कर दिया है कि अब किसी भी बरात में डीजे की धुन नहीं बजेगी,और जो इस नियम को तोड़ेगा, उसके साथ पूरा गांव दूरी बना लेगा। इस फैसले को और भी दिलचस्प बनाता है पंचायत का अंदाज। ग्रामीणों ने खुद इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया है। एक तरफ जहां युवा पीढ़ी डीजे और आधुनिक शादी के रंग में रंगी है, वहीं गांव के बुजुर्ग इसे अपनी संस्कृति और शांति के खिलाफ मानते हैं।

गौतमबुद्धनगर के सदर तहसील के घरबरा गांव में रविवार को ग्रामीणों ने पंचायत की। पंचायत में गांव के बुजुर्ग और प्रमुख लोग शामिल हुए। ग्रामीणों ने कहा कि शादी समारोह समेत अन्य अवसरों पर डीजे का इस्तेमाल फिजूलखर्ची है। तेज आवाज में डीजे बजाने से हार्ट के मरीजों को दिक्कतें होती है। वहीं लोग परेशान रहते है। कई बार बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होती

है। डीजे से जनजीवन प्रभावित होता है। गांव में किसी भी आयोजन में कोई भी डीजे का इस्तेमाल नहीं करेगा। अगर कोई डीजे का इस्तेमाल करता है तो उसका बहिष्कार किया जाएगा। वहीं, गांव से जाने वाली ऐसी बारात में लोग शामिल नहीं होंगे। पंचायत की वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल की जा रही है। पूर्व जिला पंचायत चेयरमैन वीरेंद्र डाढ़ा का कहना है कि घरबरा में ग्रामीणों ने पंचायत करके डीजे संस्कृति का विरोध किया है। ऐसी बारात में शामिल नहीं होने का फैसला लिया है। इस तरह की पंचायतें और गांवों में की जाएंगी। इसको लेकर ग्रामीण जागरूक हो रहे है।

हार की जिम्मेदारी मेरी है; राजस्थान के दिग्गज कांग्रेस नेता जितेंद्र सिंह ने असम प्रभारी पद से दिया इस्तीफा

जयपुर , एजेंसी। भारतीय राजनीति में जहां अक्सर हार के बाद आरोप-प्रत्यारोप और जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति देखने को मिलती है, वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भंवर जितेंद्र सिंह ने एक अलग राह चुनते हुए सियासी हलकों में नई चर्चा छेड़ दी है। असम विधानसभा चुनाव 2026 में पार्टी की करारी हार के बाद उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए असम के प्रभारी महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया। उनके इस कदम ने दिल्ली से लेकर राजस्थान तक राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है।

हार के तुरंत बाद लिया बड़ा फैसला

चुनाव नतीजों के सामने आते ही कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन ने पार्टी नेतृत्व को झटका दिया। इसी के तुरंत बाद भंवर जितेंद्र सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना इस्तीफा सौंप दिया। यह कदम ऐसे समय में आया है जब पार्टी के भीतर हार के कारणों को लेकर मंथन शुरू ही हुआ था। सिंह का इस्तीफा इस मंथन के बीच एक सशक्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

भंवर जितेंद्र सिंह ने अपने इस्तीफे के साथ एक भावनात्मक पत्र भी सार्वजनिक किया, जिसमें उन्होंने हार के लिए किसी और को जिम्मेदार ठहराने के बजाय खुद को जवाबदेह माना। उन्होंने लिखा कि चुनाव परिणाम पार्टी की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहे और कार्यकर्ताओं की मेहनत को सफलता में बदलने में वे असफल रहे। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, ÷मैं इन नतीजों की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं।÷

उनका यह बयान उस राजनीतिक

संस्कृति से अलग माना जा रहा है, जहां हार के बाद अक्सर ईवीएम, रणनीति या स्थानीय समीकरणों पर सवाल उठाए जाते हैं।

भंवर जितेंद्र सिंह के इस कदम को कांग्रेस के भीतर और बाहर एक सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने अपने पत्र में असम के कार्यकर्ताओं, नेताओं और आम जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वहां का अनुभव और लोगों का स्नेह उनके लिए हमेशा खास रहेगा।

विशेषज्ञ मानते हैं कि यह कदम पार्टी में जवाबदेही की संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में एक उदाहरण बन सकता है। ऐसे दौर में जब राजनीतिक जिम्मेदारी अक्सर टाल दी जाती है, सिंह का इस्तीफा उनकी साफ-सुथरी छवि को और मजबूत करता है। असम विधानसभा चुनाव 2026 में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने एक बार फिर मजबूत प्रदर्शन करते हुए सत्ता बरकरार रखी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व, आक्रामक प्रचार और सरकारी योजनाओं के असर ने भाजपा को स्पष्ट बढ़त दिलाई। वहीं कांग्रेस ने गठबंधन और संगठनात्मक स्तर पर कोशिशें जरूर कीं, लेकिन सीट बंटवारे को लेकर असहमति और वोटिंग पैटर्न में बदलाव ने पार्टी के समीकरण बिगाड़ दिए। जमीनी स्तर पर अपेक्षित तालमेल की कमी भी कांग्रेस के प्रदर्शन को प्रभावित करती नजर आई। भंवर जितेंद्र सिंह का यह फैसला राजस्थान की राजनीति में भी चर्चा का विषय बन गया है। अलवर से पूर्व सांसद और गांधी परिवार के करीबी माने जाने वाले सिंह की पहचान एक शालीन और संतुलित नेता के रूप में रही है। राजस्थान में उनके समर्थक इस कदम को उनकी राजनीतिक ईमानदारी और जवाबदेही का प्रतीक मान रहे हैं। वहीं कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह इस्तीफा भविष्य में उनकी भूमिका को और महत्वपूर्ण बना सकता है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि कांग्रेस नेतृत्व भंवर जितेंद्र सिंह का इस्तीफा स्वीकार करता है या उन्हें नई जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ाता है। पार्टी के भीतर चल रहे आत्ममंथन के बीच उनका यह कदम एक मिसाल जरूर बन गया है, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस इसे किस दिशा में ले जाती है।

हार से दुखी ऋषभ पंत ने बोली बड़ी बात

मेरे पास कोई जवाब नहीं...

मुंबई (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स (रस्त) का आईपीएल 2026 में प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है. सोमवार 4 मई को खेले गए मैच में उन्हें मुंबई इंडियंस से भी हार का सामना करना पड़ा. जब लखनऊ के तेज गेंदबाज वानखेड़े की पिच पर 228 रन भी नहीं बचा पाए. ये इस सीजन रस्त को लगातार छठी हार है और वो चार अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे बने हुए हैं। मैच के बाद कप्तान ऋषभ पंत के पास इस बात का कोई जवाब नहीं था कि उनकी टीम ने शानदार शुरुआत (छह ओवर में 90/1) करने के बावजूद अपनी लय कैसे खो दी. पंत ने माना कि जिस तरह से उन्होंने शुरुआत की थी, उसे देखते हुए वे लगभग 10-15 रन पीछे रह गए।

- **हम 10-15 रन पीछे रह गए** - पंत ने कहा, जिस तरह से हमने शुरुआत की थी, हमें निश्चित रूप से और रन बनाने चाहिए थे. उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की, वे इन परिस्थितियों के आदी थे. निश्चित रूप से, हम 10-15 रन पीछे रह गए पंत ने ये भी कहा, इस विकेट पर 228 रन का बचाव न कर पाने के लिए अपने गेंदबाजों को दोष नहीं देंगे ।

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने क्या कहा?

- वहीं दूसरी ओर हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने इस जीत का श्रेय अपने गेंदबाजों को दिया. सूर्य ने कहा कि छह ओवर में 90/1 के स्कोर पर होने के बावजूद टीम में कोई घबराहट नहीं फैली, क्योंकि इस सीजन में पहले खेले गए मैचों में भी वे ऐसी ही परिस्थितियों का सामना कर चुके थे. उन्होंने मैच को वापस टीम के पक्ष में मोड़ने का श्रेय अपने गेंदबाजों को दिया।
- उन्होंने कहा कि मैच का रुख पलटने के लिए उन्हें गेंदबाजों को ज्यादा कुछ समझाने की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि सभी गेंदबाजों के पास अपनी-अपनी योजनाएं पहले से ही तैयार थीं. सभी को यह विश्वास था, और प्लान भी साफ थे. बस थोड़ा-सा आक्रामक खेलना था. हालांकि हमने कुछ दिन पहले 244 रन बनाए थे, लेकिन एसआरएच ने उसे चेज कर लिया था।
- उन्होंने रोहित और रिकेल्टन की दी गई अच्छी शुरुआत का श्रेय भी दिया. सूर्य ने कहा, जब 220-225 रन चेज करने हों, तो अच्छी शुरुआत मिलना जरूरी होता है. वे हमेशा कंट्रोल में थे. आखिर में, जिस तरह नमन धीर और बाकी सभी ने बैटिंग की, वह बहुत बढ़िया था।

पूर्व तेज गेंदबाज अशोक डिंडा का पश्चिम बंगाल चुनाव में दिखा जलवा

कोलकाता (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज अशोक डिंडा ने एक बार फिर राजनीति में अपना जलवा दिखाया है। 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ते हुए, डिंडा ने मोयना विधानसभा सीट से शानदार जीत हासिल की. ??उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी, तृणमूल कांग्रेस के चंदन मंडल को हराया।

16 हजार वोटों से जीत

अशोक डिंडा ने कुल 1,27,166 वोट हासिल किए और उन्होंने 16,241 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की. दूसरी ओर, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार इस मुकाबले में पिछड़ गए और वापसी नहीं कर पाए. वहीं, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के उम्मीदवार स्वपन कुमार बर्मन तीसरे स्थान पर रहे।

लगातार दूसरी बार बने विधायक

42 वर्षीय अशोक डिंडा की मोयना विधानसभा सीट से यह लगातार दूसरी जीत है. 2021 के बंगाल विधानसभा चुनावों में, अशोक डिंडा ने तृणमूल कांग्रेस के संग्राम दोलुई को 1260 वोटों से हराया था. मुकाबला कड़ा था, लेकिन अंत में क्रिकेटर ही विजयी रहे।

16 हजार वोटों के अंतर से दर्ज की बड़ी जीत

अशोक डिंडा का क्रिकेट करियर

अशोक डिंडा ने भारत के लिए 13 वनडे और 9 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं. वनडे में उन्होंने 51.00 की औसत से 12 विकेट लिए हैं. जबकि टी20 इंटरनेशनल में, उन्होंने 14.41 की औसत से 17 विकेट लिए हैं. इसके अलावा, उन्होंने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में 116 मैचों में 420 विकेट लिए हैं। वहीं आईपीएल में अशोक डिंडा ने कुल 78 मैच खेले हैं, जिसमें 30.04 की औसत से 69 विकेट लिए. डिंडा ने आईपीएल में केकेआर, डीसी, पीडब्ल्यूआई, आरसीबी और आरपीएस का प्रतिनिधित्व किया. क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद, अशोक डिंडा फरवरी 2021 में भाजपा में शामिल हो गए, जिसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026

पश्चिम बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी बड़ी जीत दर्ज करने में सफल रही. 293 सीटों में से बीजेपी ने 206 सीटों पर जीत हासिल की जबकि टीएमसी को केवल 81 सीट ही मिली और दो सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार ने बाजी मारी. बता दें कि यहां बहुमत के लिए जादुई आंकड़ा 148 था।

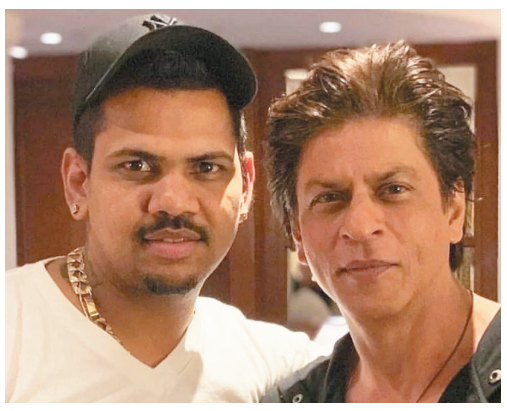

शाहरुख खान हुए भावुक 'तुम सच में एक जादूगर हो'

सुनील नरेन के लिए लिखा दिल छू लेने वाला पोस्ट

नई दिल्ली। शाहरुख खान फिर अपने अंदाज से प्रशंसकों का दिल जीतते नजर आए। शाहरुख खान ने कोलकाता नाइट राइडर्स के स्टार ऑलराउंडर सुनील नरेन के लिए सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर की, जिसमें 15 साल के साथ, 200 से ज्यादा विकेट और कई यादगार पलों को याद किया। शाहरुख खान ने सुनील नरेन को 'जादूगर' बताते हुए उनके खेल ही नहीं, बल्कि टीम के साथ उनके रिश्ते की भी जमकर तारीफ की। इस पोस्ट में झलकता अपनापन यह दिखाता है कि कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए सुनील नरेन सिर्फ एक खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि परिवार का हिस्सा भी हैं।

सुनील मेरे दोस्त... हम तुम्हे अपने परिवार जितना ही प्यार करतें

शाहरुख खान ने अपनी पोस्ट में लिखा, ''सुनील, मेरे दोस्त... 15 सीजन साथ खेलने के लिए धन्यवाद। 200 से ज्यादा विकेट, तीन आईपीएल खिताब और कोलकाता नाइट राइडर्स के दुनिया भर में कई यादगार पल... !!! तुम सच में एक जादूगर हो और हम तुम्हें अपने परिवार जितना ही प्यार करते हैं। आज तुम्हें दिल से एक बड़ी वाली झप्पी... और यह अपनापन हमेशा बना रहे।

- रोहित की वापसी होते ही ...

मुंबई की किस्मत पलटी

44 गेंद पर 84 रन बनाए, शर्माजी के छक्कों से रोमांचित दिखे दर्शक

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 47वें मैच में मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हरा दिया। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। लखनऊ सुपर जायंट्स ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 228 रन बनाए। निकोलस पूरन ने बेहतरीन अर्धशतक जड़ा। 300 के स्ट्राइक रेस से रन बनाए। मुंबई इंडियंस ने 18.4 ओवर में 4 विकेट पर 229 रन बना लिए। चोट से उबरने के बाद पांच मैच बाद वापसी करते हुए रोहित शर्मा ने शानदार पारी खेली और मुंबई इंडियंस को 14 दिन बाद जीत मिली। रयान रिकेल्टन ने भी बेहतरीन पारी खेली। इससे पहले 20 अप्रैल को गुजरात टाइटंस को हराया था। इसके बाद 3 मैच हारी थी। लखनऊ सुपर जायंट्स को लगातार छठी हार मिली। वह 9 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स से जीती थी। मुंबई इंडियंस ने इस जीत के साथ प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार रखीं। उसके छह अंक हो गए हैं।

- **लखनऊ सुपर जायंट्स की लगातार छठी हार**

लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए निकोलस पूरन ने 21 गेंद पर 63 रन बनाए। मिचेल मार्श ने 25 गेंद पर 44 रन बनाए। हिम्मत सिंह ने 31 गेंद पर नाबाद 40 और एडेन मार्करम ने 25 गेंद पर 31 रन बनाकर नाबाद रहे। ऋषभ पंत ने 15, जोश इंग्लिस ने 13 और अक्षत रघुवंशी ने 11 रन बनाए। मुंबई इंडियंस के लिए कॉर्बिन बॉश ने 2 विकेट लिए। एएम गजनफर, विल जैक्स और रघु शर्मा ने 1-1 विकेट लिए। मुंबई इंडियंस के लिए रोहित शर्मा ने 44 गेंद पर 84 रन बनाए। रयान रिकल्टन ने 32 गेंद पर 83 रन बनाए। नमन धीर ने 12 गेंद नाबाद 23 और विल जैक्स ने 4 गेंद पर नाबाद 10 रन बनाए। तिलक वर्मा 11 और सूर्यकुमार यादव 12 रन बनाकर आउट हुए। लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए मणिमारन सिद्धार्थ ने 2 विकेट लिए। मोहम्मद सिराज और मोहसिन खान ने 1-1 विकेट लिए।

एमएस धोनी की जानकारी देने की मेरी हैसियत नहीं

CSK के कोच ने बताई अपनी 'मजबूरी

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने सोमवार (4 मई) को कहा कि महेंद्र सिंह धोनी टीम के साथ दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के लिए दिल्ली नहीं आए हैं। धोनी को लेकर जानकारी देने की हैसियत उनकी नहीं है। उन्होंने कहा कि धोनी ही जानते हैं कि वह कब खेलेंगे। हालांकि, वह पिंडली की चोट से उबर रहे हैं। आईपीएल 2026 का आधे से ज्यादा सीजन हो चुका है और चेन्नई सुपर किंग्स 10वां मैच खेलने

वाली है, लेकिन अबतक धोनी नहीं खेले हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच से एक दिन पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एरिक सिमंस से पहला ही सवाल धोनी के खेलने को लेकर हुआ। उन्होंने कहा, 'महेंद्र सिंह धोनी को लेकर जानकारी देने की मेरी हैसियत नहीं है। वह हमारे साथ (दिल्ली में) नहीं है, लेकिन लगातार बेहतर हो रहे हैं। वह जब तैयार होंगे तब होंगे। वही जानते हैं कि वह खेलने के लिए कब तैयार होंगे।'

अंशुल कम्बोज की तारीफ की

गेंदबाजों के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए सिमंस ने अंशुल कम्बोज की खूब तारीफ की, जिन्होंने मैच के हर फेज में प्रभाव डाला है और 17 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने कहा, 'अंशुल काफी आगे बढ़ गए हैं। अंशुल ने इस सीजन में नहीं पिछले साल ही बेहतर करना शुरू किया था। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अलग-अलग एंगल पर काम किया और यॉर्कर को सटीक बनाया। हमने राउंड द विकेट शुरू किया है, जो अब कोई रहस्य नहीं है।

एशिया कप से पहले ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेंगी भारत की पुरुष और महिला अंडर-18 हॉकी टीमें

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की अंडर-18 पुरुष और महिला हॉकी टीमें एशिया कप की तैयारियों को मजबूत करने के लिए 15 से 20 मई के बीच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की सीरीज खेलेंगी। यह मुकाबले भोपाल में आयोजित होंगे, जहां दोनों टीमों ने हाल ही में भारतीय खेल प्राधिकरण के केंद्र में अभ्यास शिविर भी लगाया था। यह सीरीज खिलाड़ियों के लिए अपनी रणनीति और संयोजन को अंतिम रूप देने का बेहतरीन मौका मानी जा रही है।

एशिया कप से पहले बड़ी परीक्षा

यह सीरीज खास तौर पर इसलिए अहम है क्योंकि इस महीने के अंत में जापान के काकामिगाहारा में अंडर-18 एशिया कप शुरू होने जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव मिलेगा, जो टूर्नामेंट में उनके प्रदर्शन के लिए बेहद जरूरी साबित हो सकता है।

क्या बुमराह ब्रेक लेना चाहते हैं?

मुंबई (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह आईपीएल 2026 में लगातार चर्चा का विषय बने हुए हैं और ज्यादातर बातें इस बारे में रही हैं कि वह विकेट नहीं ले पा रहे, उनकी रफ्तार कम दिख रही है और मुंबई इंडियंस उन्हें सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर रही है। जबकि मुंबई कैंप के लोग यह कहते नजर आ रहे हैं कि बुमराह चुनौती के लिए तैयार हैं और जब विकेट लेने का समय आएगा, वह विकेट ले लेंगे।

सोमवार रात वानखेड़े में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ भी उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। यह इस सीजन का सातवां ऐसा मैच था, जब उन्हें कोई विकेट नहीं मिला और उन्होंने इस दौरान इस मैच में 45 रन दिए। टाइमआउट शो में संजय बांगड़ और वेदा कृष्णमूर्ति ने सुझाव दिया है कि मुंबई टीम प्रबंधन को बुमराह से बात करनी चाहिए और उनसे पूछना चाहिए कि क्या वह ब्रेक लेना चाहते हैं?

वेदा ने कहा, टीम प्रबंधन, कोच, कप्तान, उपकप्तान सूर्या (कुमार यादव) या फिर रोहित (शर्मा), ईमानदारी से बैठकर उनसे बात कर सकते हैं। उनसे पूछ सकते हैं 'क्या आप अंदर से 100 प्रतिशत फिट महसूस कर रहे हैं, 'क्या आप एक-दो मैच का ब्रेक लेना चाहते हैं। ताकि वह तरोताा होकर लौटें। उनसे यह पूछा जा सकता है और उम्मीद की जा सकती है कि वह ईमानदारी से जवाब देंगे। और अगर वह कहते हैं 'नहीं, मैं खेलने के लिए तैयार हूं', तो शायद हम उनका बेहतर वर्जन देखेंगे, क्योंकि वह और ज्यादा मेहनत करेंगे। एक ईमानदार बातचीत जरूरी है, ताकि यह साफ हो सके कि उन्हें ब्रेक चाहिए या वह खेल सकते हैं।

इस सीजन बुमराह के साधारण प्रदर्शन के साथ मुंबई का खराब प्रदर्शन भी जुड़ा हुआ है। टीम 10 मैचों में तीन जीत के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। बांगड़ का मानना है कि मुंबई को बुमराह के बिना खेलने के लिए भी तैयार रहना चाहिए, भले ही इसका मतलब सीजन खराब जाना हो। बांगड़ ने कहा, यह इस पर भी निर्भर करता है कि कोच और टीम प्रबंधन क्या सोच रहे हैं। अगर मुंबई बुमराह के बिना खेलने के लिए तैयार है, अगर मुंबई नीचे के स्थान पर सीजन खत्म करने के लिए तैयार है, तो शायद बुमराह बाकी मैच न खेलने का फैसला ले सकते हैं।

सोमवार को बुमराह ने एलएसजी की पारी का दूसरा ओवर डाला और 10 रन दिए। लेकिन चौथा ओवर काफी घटनाओं से भरा रहा। ज्यादातर गेंदें शॉर्ट पिच थीं। तीसरी गेंद वाइड, जिस पर दो रन बने। अगली गेंद मिचेल मार्श ने लॉन्ग-ऑन के ऊपर से छक्का मारा। फिर नो-बॉल, जिस पर चौका लगा। फ्री-हिट पर भी चौका। कुल आठ गेंदों में 21 रन। इसके बाद वह हटाए गए और 14वें ओवर में वापस आए।

संजय बांगड़ और वेदा कृष्णमूर्ति का मुंबई इंडियंस को सुझाव

संक्षिप्त समाचार

पेंशनर समाज की संगठन मजबूती को लेकर बैठक

जरमुंडी प्रतिनिधि। जरमुंडी के यात्री शेड में झारखंड पेंशनर समाज के प्रखंड इकाई की एक बैठक प्रखंड अध्यक्ष सोनालाल हेम्ब्रम की अध्यक्षता में हुई। जिसमें पेंशनर समाज के विभिन्न समस्याओं और सांगठनिक मजबूती को लेकर चर्चा की गई। बैठक में अधिक से अधिक सदस्य बनाने को लेकर अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। संगठन का विस्तार करना, विशेष रूप से पंचायत और प्रखंड स्तर तक, ताकि अधिक से अधिक पेंशनर इससे जुड़ सकें। बताया कि राज्य सरकार ने दो माह जनवरी से दो प्रतिशत महंगाई राहत में बढ़ोतरी किया है। जून के महीना में पेशनर समाज की मजबूती के लिए चुनाव होगा। सभी पेंशनरों से संगठन मजबूती के लिए चुनाव में भाग लेने की अपील किया। इस मौके पर पेंशनर मिलन पत्रलेख, दशरथ मंडल, उर्मिला देवी, अरूण पत्रलेख, सोनालाल हेम्ब्रम, सुमेश्वर मंडल, गणपति प्रसाद सिंह, बाबूधन हांसदा, लालबाबु पासवान, धनेश्वरी देवी, राजेंद्र पत्रलेख, अनंत झा, रावण टुडू आदि मौजूद थे।

बीडीओ की सख्तीः आवास निर्माण में लाएं तेजी, मनरेगा में बढ़ाएं मजदूरों की संख्या

रानीश्वर (दुमका)। प्रखंड सभागार में मंगलवार को विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी राजेश कुमार सिन्हा ने की। बैठक के दौरान बीडीओ ने जन कल्याणकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत का जायजा लिया और अधिकारियों को कार्यशैली में सुधार लाने के सख्त निर्देश दिए। बीडीओ राजेश कुमार सिन्हा ने आवास योजनाओं को प्राथमिकता देते हुए पंचायत सचिवों को स्पष्ट टास्क सौंपा कि पीएम आवास और अबुआ आवास योजना के तहत जिन्हें अंतिम किस्त मिल चुकी है, उनके गृह निर्माण का कार्य जल्द से जल्द पूरा कराएं। उन्होंने विशेष रूप से वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 के अबुआ आवासों को अविलंब पूर्ण करने पर जोर दिया। मनरेगा की समीक्षा के दौरान मजदूरों की कम उपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कनीय अभियंताओं और पंचायत सचिवों को मानव दिवस सृजन बढ़ाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि लाभुकों को समय पर मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित किया जाए और सोशल ऑडिट की रिपोर्ट को पोर्टल पर तेजी से अपलोड करें। 15वीं वित्त आयोग की राशि खर्च करने में लापरवाही बरतने वाली पंचायतों—बांसकुली, बिलकांदी, चुरदावनी, दक्षिणजोला, पथरा, रंगलिया और सुखजोड़ा के प्रतिनिधियों को कड़ी फटकार लगाई गई। बीडीओ ने इन पंचायतों को व्यय प्रतिशत सुधारने और क्षेत्र के खराब जलमीनार व चापाकल की तत्काल मरम्मत कराने का आदेश दिया। बैठक के अगले चरण में जनवितरण प्रणाली विक्रेताओं को एक नई जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्हें जनगणना 2027 के लिए 'स्वगणना' हेतु आम जनता को जागरूक करने को कहा गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, सहायक अभियंता समेत विभिन्न विभागों के कर्मचारी और पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जिप सदस्य विमान सिंह ने बिजली समस्याओं को लेकर कार्यपालक अभियंता से की मुलाकात

जल्द समाधान का मिला आश्वासन

दुमकाः जिला परिषद सदस्य विमान सिंह और जिला परिषद उपाध्यक्ष सुधीर कुमार मंडल ने मंगलवार को विद्युत कार्यपालक अभियंता से मुलाकात कर क्षेत्र की गंभीर बिजली समस्याओं पर चर्चा की। इस दौरान विमान सिंह ने मुख्य रूप से बांसकुली गांव के नीचे टोला की समस्या को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि वहां पिछले 30 वर्षों से पुराने तार लटके हुए हैं, जिन्हें अब तक नहीं बदला गया है। जर्जर तारों के कारण इस टोले में बिजली की आपूर्ति पूरी तरह ठप है। इसके अलावा, विमान सिंह ने सिजुआ डंगालपाड़ा के पहाड़िया टोला में जले हुए ट्रांसफार्मर की समस्या से भी अभियंता को अवगत कराया। उन्होंने यह भी शिकायत की कि हल्की बारिश या हवा चलते ही पूरे क्षेत्र की बिजली गुल हो जाती है, जिससे भीषण गर्मी में आम लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मुलाकात के दौरान कार्यपालक अभियंता ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए आश्वासन दिया कि बांसकुली गांव के पुराने तारों को जल्द बदला जाएगा और सिजुआ डंगालपाड़ा में अगले 24 घंटों के भीतर नया ट्रांसफार्मर लगा दिया जाएगा। उन्होंने बिजली व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए ठोस कदम उठाने का भरोसा दिया।

तसर सिल्क को नई रफ्तारः उत्पादन से विपणन तक पूरी श्रृंखला मजबूत करने की तैयारी

दुमका। तसर सिल्क उद्योग को सशक्त बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने ठोस पहल तेज कर दी है। मंगलवार को उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में कोकून उत्पादन से लेकर धागा निर्माण, बुनाई और तैयार कपड़ों के विपणन तक की पूरी प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि सड़क किनारे बढ़ते प्रदूषण के कारण कई बार कोकून उत्पादन प्रभावित होता है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इस चुनौती से निपटने के लिए किसानों के लिए इंश्योरेंस पॉलिसी लागू करने का प्रस्ताव उपायुक्त के समक्ष रखा गया, जिस पर सकारात्मक विचार किया जा रहा है। काठीकुंड प्रखंड में कोकून स्टोरेज सेंटर के लिए स्थान चिन्हित कर लिया गया है। उपायुक्त ने कोकून बैंक के सुचारू संचालन के लिए सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने और तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। साथ ही, धागा निर्माण के लिए आवश्यक मशीनों की खरीद नियमानुसार करने को कहा। रामगढ़ और सरैयाहाट प्रखंडों में धागा निर्माण को बढ़ावा देने के लिए मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके लिए जेएसएलपीएस को सीएलएफ के माध्यम से जल्द मशीन खरीदकर ऑर्डर देने का निर्देश दिया गया है। मशीनों की खरीद पर आने वाला खर्च जिला प्रशासन वहन करेगा। बैठक में यह भी बताया गया कि मयूराक्षी कोऑपरेटिव के पास वर्तमान में 20 मशीनें हैं, जिनके जरिए धागा निर्माण के साथ-साथ बुनाई का कार्य भी किया जा रहा है। उपायुक्त ने उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए हर संभव कदम उठाने पर जोर दिया। इसके अलावा, बुनाई के बाद प्रिंटिंग कार्य के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करने और तैयार उत्पाद के प्रभावी विपणन के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से धागा निर्माण और बुनाई में 60 दिनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाया जाएगा। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि अगले दो महीनों के भीतर सरैयाहाट प्रखंड में तसर सिल्क से कपड़ा निर्माण की पूरी प्रक्रिया को व्यवस्थित रूप से शुरू किया जाएगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और किसानों की आय में वृद्धि होगी। बैठक में जीएम डीआईसी, डीपीएम जेएसएलपीएस समेत संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा के संगम से संवरेगा ग्रामीणों का भविष्य

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

दुमकाः जामा प्रखंड की भुटोकोरिया पंचायत स्थित आमझर पुल के समीप उत्क्रमित मध्य विद्यालय, कमार दुधानी-1 के प्रांगण में मंगलवार को जनहित की दिशा में एक बड़ी पहल की गई। यहाँ "सड़क सुरक्षा-जीवन सुरक्षाः सामाजिक सुरक्षा योजना नामांकन शिविर" का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें सरकार और प्रशासन सीधे जनता के द्वार तक पहुँचे। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन माननीय विधायक डॉ. लुईस मरांडी और उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने दीप प्रज्वलित कर किया।

विधायक की अपीलः योजनाओं का लाभ लें, विकास की राह चुनें*

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. लुईस मरांडी ने बेहद सरल और स्थानीय भाषा में सरकारी योजनाओं की बारीकियां समझाईं। उन्होंने कहा कि सरकार क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। डॉ. मरांडी ने जोर देकर कहा कि कोई भी नागरिक सरकारी लाभ से वंचित न रहे, इसके लिए ऐसे शिविर मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर मौजूद अधिकारियों को उनके त्वरित निष्पादन के निर्देश दिए।

उपायुक्त का मंत्रः कम खर्च में सुरक्षा का सुरक्षा कवचः उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने सड़क किनारे बसे गांवों के लिए इस शिविर को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं किसी भी परिवार को आर्थिक अंधेरे में धकेल सकती हैं, जिससे बचने के लिए बीमा योजनाओं का सुरक्षा कवच अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत महज 20 के सालाना प्रीमियम पर 2 लाख का दुर्घटना बीमा और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 436 में 2 लाख का जीवन बीमा उपलब्ध है। उन्होंने इन योजनाओं के साथ-साथ अटल पेंशन योजना से जुड़ने की भी सलाह दी।

महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार पर जोरः प्रशासनिक प्रमुख ने जेएसएलपीएस के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि इच्छुक महिलाओं को 'दीदी की दुकान' और 'दीदी का ढाबा' जैसी स्वरोजगार योजनाओं से जोड़ा जाए। इसके साथ ही उन्होंने पेयजल संकट को दूर करने के निर्देश दिए और ग्रामीणों को याद दिलाया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को जिला एवं प्रखंड स्तर पर जनता दरबार का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम के समापन पर उपायुक्त ने सीधे ग्रामीणों से संवाद कर उनकी शिकायतें सुनीं और मौके पर ही विभिन्न योजनाओं से संबंधित परिसंपत्तियों का वितरण कर लाभुकों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरी।

क्रेशर के पास पलास के पेड़ से लटकता शव बरामद, क्षेत्र में सनसनी

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

मसलिया(दुमका)। मसलिया थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी। बसमत्ता क्रेशर के पास पलास के पेड़ से लटकता हुआ शव मिलने से आसपास के गांवों में अफरातफरी का माहौल बन गया। मृतक की पहचान बसकीडीह पंचायत के कुरुवा गांव निवासी 35 वर्षीय गंगाधर राय (पिता– कानू राय) के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार गंगाधर राय 3 तारीख की सुबह घर से सत्तू पीकर निकला था। वह अपने ससुराल बिहाजोरी में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गया था, लेकिन इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा। परिवार के लोग यह समझ रहे थे कि वह मजदूरी के सिलसिले में बाहर चला गया है, क्योंकि वह अक्सर काम के लिए बाहर जाता रहता था। घटना का खुलासा तब हुआ जब तीन दिन बाद किसी व्यक्ति ने पेड़ से लटकते शव को देखा और इसकी सूचना ग्रामीणों को दी। खबर फैलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल मसलिया थाना को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना से एएसआई उमेश सिंकू पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाया और आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। घटना के कारणों का स्पष्ट खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। इस घटना से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में शोक का माहौल व्याप्त है।

दुमका बनेगा स्पोर्ट्स हबः साइक्लिंग सेंटर और 10 ओपन जिम के साथ खेल सुविधाओं का होगा कायाकल्प

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

दुमकाः जिला प्रशासन जिले के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं देने और खेल अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। मंगलवार को उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में जिले के खेल जगत की सूरत बदलने वाले कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई।

प्रमुख घोषणाएं और योजनाएंः

साइक्लिंग आवासीय प्रशिक्षण केन्द्रः* जिले में अब साइक्लिंग की प्रतिभाओं को तराशने के लिए एक विशेष आवासीय प्रशिक्षण केंद्र खोला जाएगा।

फिटनेस के लिए 'ओपन जिम':* शहर के प्रमुख स्थलों पर *10 नए ओपन जिम* स्थापित किए जाएंगे, जिससे न केवल खिलाड़ी बल्कि आम नागरिक और युवा भी अपनी फिटनेस सुधार सकेंगे।

स्विमिंग पूल बनेगा इंडोरः* दुमका के मौजूदा स्विमिंग पूल को अब 'ऑल वेदर' इंडोर पूल में तब्दील करने की योजना है, जिसके लिए जल्द ही प्राक्कलन तैयार किया जाएगा।

बैडमिंटन का नया केंद्रः* नवनिर्मित इंडोर स्टेडियम का उपयोग अब डे-बोर्डिंग बैडमिंटन प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में होगा, जिससे स्थानीय खिलाड़ियों को पेशेवर कोचिंग मिल सकेगी।

इंफ्रास्ट्रक्चर पर विशेष जोरः बैठक में चकलता (शिकारीपाड़ा) स्थित क्रीड़ा किसलय केन्द्र को भी आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में विकसित करने पर चर्चा हुई। साथ ही, आउटडोर स्टेडियम के नवनिर्माण के लिए जल्द ही विभाग को पत्र भेजने का निर्देश दिया गया है। उपायुक्त ने स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स (कमार दुधानी) में रुके हुए विद्युतीकरण कार्य को युद्धस्तर पर पूरा करने की सख्त हिदायत दी है।

बैठक में उप विकास आयुक्त सहित जिले के तमाम संबंधित विभागों के आला अधिकारी मौजूद थे। इस पहल से जिले के एथलीटों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

"हमारा लक्ष्य जिले की खेल प्रतिभाओं को समयबद्ध तरीके से उन्नत प्रशिक्षण और बेहतर माहौल उपलब्ध कराना है, ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पटल पर दुमका का नाम रोशन कर सकें।"*

अभिजीत सिन्हा, उपायुक्त, दुमका

दुमका में पर्यटन को पंख लगाने की तैयारीः सेल्फी ब्रिज पर जल्द जगमगाएगी लाइटें, सृष्टि पार्क में चलेंगी नावें

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

दुमका। पर्यटन स्थलों को नया और आकर्षक स्वरूप देने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में जिले के प्रमुख पर्यटन केंद्रों के कायाकल्प का खाका खींचा गया। उपायुक्त ने सख्त लहजे में निर्देश दिए कि पर्यटन विकास से जुड़ी सभी परियोजनाओं को तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। इस बैठक का मुख्य आकर्षण सेल्फी ब्रिज और ततलोई गर्म जल कुंड रहे। उपायुक्त ने सेल्फी ब्रिज पर पर्यटकों की सुरक्षा और आकर्षण बढ़ाने के लिए वहां जल्द से जल्द लाइटिंग की व्यवस्था करने और इसका प्राक्कलन तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही ततलोई में पर्यटकों के बैठने के लिए बेहतर इंतजाम करने और वहां चल रहे निर्माण कार्यों को गति देने को कहा गया है। शहर के लोकप्रिय सृष्टि पार्क को लेकर भी बड़े फैसले लिए गए हैं। पार्क के तालाब में जल्द ही सैलानी नौकाविहार का आनंद ले सकेंगे, जिसके लिए नियमानुसार नावों की खरीद के निर्देश दिए गए हैं। पार्क की स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त करने के लिए 10 दिनों की समय सीमा तय की गई है। इसके अलावा, पर्यटकों की सुविधा के लिए पार्क में कैंटीन शुरू करने और पूरे परिसर के बेहतर रखरखाव के लिए निविदा के माध्यम से एक प्रोफेशनल एजेंसी का चयन किया जाएगा। बैठक में कैटेगरी 'डी' के पर्यटन स्थलों के विकास पर भी चर्चा हुई और उनके जीर्णोद्धार के लिए एस्टीमेट तैयार करने को कहा गया। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि पर्यटन विकास सरकार की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बैठक में उप विकास आयुक्त सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मसलिया बीडीओ का कोलारकोंदा पंचायत में औचक निरीक्षण, कई अनियमितताएं उजागर

आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण करते बीडीओ अजफर हसनैन

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

मसलिया (दुमका)। मसलिया प्रखंड विकास पदाधिकारी अजफर हसनैन ने मंगलवार को कोलारकोंदा पंचायत के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों व विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिस पर उन्होंने संबंधित कर्मियों को कड़ी फटकार लगाते हुए सुधार के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी केंद्र कोल्होड़ के निरीक्षण में तीनों कर्मी उपस्थित मिले, लेकिन 35 नामांकित बच्चों में मात्र 7 बच्चे ही उपस्थित थे। जांच में यह भी पाया गया कि बच्चों को सुबह का नाश्ता नहीं दिया जाता है और उपस्थिति रजिस्टर में अधिक बच्चों की फर्जी उपस्थिति दर्ज की जाती है। बीडीओ ने ग्रामीणों को बच्चों को नियमित रूप से केंद्र भेजने के लिए जागरूक किया। नव प्राथमिक विद्यालय कोल्होड़ में 45 नामांकित छात्रों में से केवल 21 उपस्थित थे। विद्यालय में पेयजल की सुविधा नहीं पाई गई, जिस पर बीडीओ ने पंचायत मुखिया को दो दिनों के भीतर व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही पठन-पाठन की स्थिति भी दयनीय पाई गई और मध्याह्न भोजन में केवल दाल-भात व आलू परोसे जाने की बात सामने आई। आंगनबाड़ी केंद्र पलन में केवल पोषण सखी उपस्थित थी, जबकि सेविका और सहायिका अनुपस्थित मिलीं। यहां 45 नामांकित बच्चों में केवल 8 उपस्थित थे। सेविका की अनुपस्थिति के कारण रजिस्टर की जांच नहीं हो सकी। अधिकांश बच्चे ड्रेस कोड में नहीं थे और कुछ बाहरी बच्चे भी पाए गए। उत्क्रमित मध्य विद्यालय पलन में कुल 137 छात्रों में 75 की उपस्थिति दर्ज की गई, लेकिन कक्षा सातवीं और आठवीं में फर्जी उपस्थिति बनाए जाने का मामला सामने आया। शौचालय की स्थिति अत्यंत गंदी पाई गई और मध्याह्न भोजन का संचालन भी सही तरीके से नहीं हो रहा था। बीडीओ ने दोनों शिक्षकों को चेतावनी देते हुए शीघ्र सुधार करने का निर्देश दिया, अन्यथा कार्रवाई की चेतावनी दी। इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी को शोकॉज जारी करने के लिए लिखा गया है। यूपीएस कोलाबागान में शिक्षक के अनुपस्थित रहने के कारण विद्यालय बंद पाया गया। जानकारी मिली कि शिक्षक जनगणना प्रशिक्षण में गए हुए हैं, लेकिन ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय अक्सर बंद रहता है और मध्याह्न भोजन भी नियमित नहीं मिलता। आंगनबाड़ी केंद्र कोलाबागान भी सुबह 11 बजे से पहले ही बंद पाया गया, जहां मात्र 12 बच्चों का नामांकन दर्ज था। बीडीओ ने कर्मियों को फटकार लगाते हुए उपस्थिति और नामांकन बढ़ाने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि चार दिन पूर्व ही इस संबंध में शिकायत मिलने पर सीडीपीओ को कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। बीडीओ ने स्पष्ट कहा कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो संबंधित कर्मियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रफ़्तार का कहरः अनियंत्रित ट्रक ने यात्री बस को मारी टक्कर, पुल से टकराई बस, 6 घायल

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

रामगढ़ (दुमका)ः दुमका-भागलपुर स्टेट हाईवे पर मंगलवार को रफ़्तार के जुनून ने कई जिंदगियों को खतरे में डाल दिया। रामगढ़ थाना क्षेत्र के गोजम्बा गाँव के पास एक अज्ञात ट्रक ने दुमका से हंसडीहा की ओर जा रही 'पुष्पांजलि' नामक यात्री बस को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस चालक अपना संतुलन खो बैठा और बस सीधे सड़क किनारे बने पुल से जा टकराई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रक काफी तेज गति में था और बस को धक्का मारने के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। इस हादसे में बस का अगला हिस्सा बुरी तरह पिचक गया है। दुर्घटना के वक्त बस यात्रियों से भरी हुई थी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। इस हादसे में छह यात्री गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें स्थानीय ग्रामीणों की तत्परता से बस से बाहर निकाला गया और तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। गनीमत रही कि अन्य यात्री सुरक्षित हैं। घटना की सूचना पर पहुंची रामगढ़ थाना पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस फिलहाल फरार ट्रक और उसके चालक की तलाश में जुटी है। स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि स्टेट हाईवे पर बड़े-बड़े गड्ढे और वाहनों की बेलगाम रफ्तार आए दिन हादसों को दावत दे रही है। लोगों ने मांग की है कि इस मार्ग पर सड़क सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएं ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।